- निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट
- 12

- भारत का निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 अरब डॉलर पर
- 12

- रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे बहुत कड़ी पाबंदियां
- 13

- कोलकाता टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम के प्रति उठे सवाल
- 14

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.40

सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 07:12उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 18 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 231, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आतंकी उमर को रॉकेट बनाने में मदद करने का साजिशकर्ता श्रीनगर से गिरफ्तार

- विस्फोट में इस्तेमाल कार का मालिक आमिर 10 दिन के लिए एनआईए हिरासत में

आत्मघाती हमलावर का सक्रिय सहयोगी था जसीर बिलाल वानी, एनआईए ने कहा- हमलों के लिए तकनीकी रूप उमर की कर रहा था मदद

नई दिल्ली, एजेंसी

एनआईए ने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट की साजिश में शामिल एक और आरोपी जसीर बिलाल वानी को श्रीनगर से गिरफ्तार किया है।

एनआईए के मुताबिक वानी दिल्ली विस्फोट से पहले आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी की ड्रोन में संशोधन और रॉकेट बनाने के लिए तकनीकी मदद करता रहा था।

नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में आरोपी को ले जाती एनआईए टीम।

दो और घायलों की मौत 15 हुई मृतक संख्या

नई दिल्ली। दिल्ली विस्फोट में दो और घायलों की एलएनजेपी अस्पताल में मौत के बाद इस मामले में मृतकों की संख्या सोमवार को बढ़कर 15 हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान लुकमान (50) और विनय पाठक (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि कई और लोगों का अब भी इलाज जारी है।

इस बीच दिल्ली की एक अदालत ने पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए दक्षिणी कश्मीर के पंपोर निवासी दिल्ली विस्फोट के आरोपी लाल किला विस्फोट के आरोपी आमिर राशिद अली को दिल्ली की एक अदालत ने 10 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए के मुताबिक सोमवार को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया जसीर बिलाल वानी ने दिल्ली विस्फोट मामले में 'सह साजिशकर्ता'की भूमिका निभाई थी और विस्फोट को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी के साथ सक्रिय रूप से काम किया था। एनआईए के मुताबिक अनंतनाग जिले के काजीगुंड निवासी वानी को दानिश के नाम से भी जाना जाता है। इस बीच, दिल्ली विस्फोट मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आमिर राशिद अली को सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में पेश किया गया। कोर्ट की कार्यवाही बंद कमरे में हुई और मीडियाकर्मियों को अदालत परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। अदालत ने आरोपी को पूछताछ के लिए 10 दिन के लिए उसकी हिरासत में देने के एनआईए के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। इस दौरान अदालत परिसर के बाहर दिल्ली पुलिस और आरएएफ की भारी तैनाती रही। दंगारोधी उपकरणों से लैस कर्मियों को भी तैनात किया गया। एनआईए जांच में खुलासा हुआ था कि विस्फोट के लिए इस्तेमाल की गई कार आमिर के नाम पंजीकृत थी।

अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति का छोटा भाई धोखाधड़ी में गिरफ्तार

इंदौर। दिल्ली विस्फोट के बाद जांच के घेरे में आए फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दीकी के छोटे भाई हमूद अहमद सिद्दीकी को मध्यप्रदेश पुलिस ने निवेशकों से धोखाधड़ी के करीब 25 साल पुराने कुछ मामलों में गिरफ्तार किया है। हमूद की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित था। इंदौर की पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) यांगचेन डोलकर भूटिया के मुताबिक महू पुलिस थाने में 25 साल पहले दर्ज तीन मामलों में हमूद को रविवार को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सिद्दीकी के खिलाफ धोखाधड़ी के ये मामले वर्ष 2000 में दर्ज किए गए थे। इनके अलावा उसके खिलाफ महू थाने में ही 1988 और 1989 के दौरान बलवे और हत्या के प्रयास के आरोपों में भी दो मामले दर्ज किए गए थे। भूटिया ने बताया कि हमूद फिलहाल हैदराबाद में शेयर बाजार में निवेश से जुड़ी एक निजी कंपनी चलाता है। वह मूलतः महू का रहने वाला है जहां वह 1995 के आसपास बतौर प्रबंध निदेशक एक निवेश कंपनी चलाते थे, इस कंपनी के बोर्ड में उसकी पत्नी और एक परिचित भी शामिल था। हमूद पर निवेश के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब 40 लाख रुपये की धनराशि हड़पने के आरोप हैं।

ब्रीफ न्यूज

नए कलेवर वाली शोले फिल्म 12 दिसंबर को देशभर में होगी रिलीज

मुंबई। मशहूर हिंदी फिल्म शोले नए कलेवर में 'शोले-द फाइनल कट' नाम से 12 दिसंबर को पूरे भारत में सिनेमाघरों में फिर रिलीज होने वाली है। यह इस मशहूर फिल्म का पूर्णतः पुनर्स्थापित 'फोर के' संस्करण है। नये संस्करण में फिल्म का अंत बदल दिया गया है 'फोर के' को 'अल्ट्रा हाई डेफ़िनिशन' भी कहा जाता है जिसमें फिल्म ज़्यादा स्पष्ट और विस्तृत छवि नजर आती है। धर्मेन्द्र, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, जया बच्चन, संजीव कुमार और अमजद खान अभिनीत इस फिल्म ने इस वर्ष 15 अगस्त को अपनी स्वर्ण जयंती मनाई।

असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण आज से

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकता के संबंध में विशिष्ट प्रावधानों वाले सीमावर्ती राज्य असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) मंगलवार से कराने की घोषणा की है जिसमें आगामी पहली जनवरी तक मतदाता बनने की अर्हता वालों के नाम शामिल किये जा सकते हैं। असम में एसआर की घोषणा ऐसे समय की गई है जबकि बिहार में एसआईआर का काम सितंबर में पूरा किया गया था।

हसीना को मौत की सजा

बांग्लादेश की विशेष न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में सुनाई सजा

- मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप छात्रों की हत्या का दोषी माना
- हसीना बोलीं- न्यायाधिकरण पूर्वाग्रह से ग्रसित एवं राजनीति से प्रेरित

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए सोमवार को एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 78 वर्षीय अवामी लीग की नेता को हिंसक, दमन का मास्टरमाइंड और सूत्रधार बताया, जिसमें सैकड़ों की मौत हो गई थी।

पिछले वर्ष 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। इससे पहले अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। वहीं, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई है। अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है।

उन्होंने कहा, वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं। मृत्युदंड की अपनी घृणित मांग में, वे अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के निर्लज्ज और जानलेवा इरादे को उजागर करते हैं, जो बांग्लादेश की अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाना चाहते हैं और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में खत्म करना चाहते हैं। हसीना ने कहा कि वह उन पर आरोप लगाने वालों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरतीं, जहां साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इसीलिए मैंने अंतरिम सरकार को बार-बार चुनौती दी है कि वह इन आरोपों को हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के समक्ष लाए। यह फैसला बांग्लादेश में संसदीय चुनावों से कुछ महीने पहले आया है। वहीं, हसीना के सहयोगी, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामुन, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को भी इसी मामले में पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

बांग्लादेश के लोगों के हितों के लिए हम प्रतिबद्ध : भारत

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद, भारत ने सोमवार को कहा कि उसने फैसले पर गौर किया है और वह पड़ोसी देश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है। अवामी लीग की नेता पिछले साल 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद भारत में रह रही हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ सदैव रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

हसीना को प्रत्यर्पित करने का बांग्लादेश ने किया आग्रह

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तुरंत प्रत्यर्पित करने का सोमवार को भारत से आग्रह किया। बांग्लादेश ने यह अनुरोध हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद किया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इन दोनों दोषियों को तत्काल बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दे। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच मौजूदा द्विपक्षीय प्रत्यर्पण समझौता दोनों दोषियों के स्थानांतरण को नई दिल्ली की अनिवार्य जिम्मेदारी बनाता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को शरण देना एक ऐसा रवैया है जिसे मित्रतापूर्ण नहीं कहा जा सकता और यह न्याय के प्रति अनादर होगा।

आजम और अब्दुल्ला को सात-सात साल की सजा

- दो पैन कार्ड मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा 50-50 हजार का लगाया जुर्माना, सजा मिलने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दो पैन कार्ड मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खां व अब्दुल्ला आजम को 7-7 साल की सजा सुनाई। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। मुकदमे के वादी विधायक आकाश सक्सेना भी मौजूद रहे।

दो पैनकार्ड मामले में भाजपा विधायक आकाश ने 2019 में सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। विधायक ने अब्दुल्ला के अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने का आरोप लगाया। एक पैनकार्ड में जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। दूसरे में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। इसमें आजम खां भी आरोपी हैं। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हो रही थी। दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया।

सजा होने के बाद पिता-पुत्र को कड़ी सुरक्षा में जिला कारागार ले जाया गया। विधायक आकाश सक्सेना के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि धारा 120, 420, 467, 468, 471 में सजा सुनाई गई है। सभी धाराओं में अलग-अलग जुर्माना और सजा है। धारा 467 में सात साल की सजा है। दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

कोर्ट में पेश होने जाते आजम खां।

गुनहगार समझा तो सजा सुनाई : आजम

रामपुर। सोमवार को कोर्ट ने सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम खां को पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा सुनाई। जिला जेल के गेट पर मीडियाकर्मियों से आजम खां ने कहा कि कोर्ट ने गुनाहगार समझा तो सजा सुना दी है। कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उसके बाद आजम खां जेल के अंदर चले गए।

भाजपा जनकल्याण को प्रतिबद्ध, इसीलिए जीतती है चुनाव

- मोदी बोले- बिहार के नतीजों से साफ, अपनी आकांक्षाएं पूरा करने वाले दलों पर ही भरोसा करते हैं लोग

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बिहार चुनाव के नतीजों ने यह सबक सिखाया है कि सरकार से लोगों की आकांक्षाएं बहुत ज्यादा हैं और वे अच्छी नीयत वाले राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं।

मोदी ने यहां छठा रामनाथ गोयनका व्याख्यान देते हुए कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारें, उनका प्राथमिक ध्यान विकास पर होना चाहिए। भाजपा इसीलिए चुनाव जीतती है क्योंकि वह चौबीस घंटे लोगों के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने कहा, बिहार चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर भारत के लोगों की ऊंची आकांक्षाओं को लेकर एक सबक सिखाया है। भारत के लोग आज उन राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं जिनकी नीयत अच्छी है और जो लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हैं एवं विकास को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा, मैं राज्य सरकारों को निवेश आकर्षित करके और विकास को बढ़ावा देकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रोत्साहित करता हूं। व्यापार को आसान बनाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है।

मोदी ने कहा कि व्यक्ति को लोगों के कल्याण के लिए हमेशा भावनात्मक रूप से काम करना चाहिए, न कि चुनाव को ध्यान में रखकर। मोदी ने कहा कि दुनिया भारत के विकास मॉडल को उम्मीद के मॉडल के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा, वैश्विक अस्थिरताओं के बावजूद हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। भारत न केवल एक उभरता हुआ बाजार है, बल्कि एक उभरता हुआ मॉडल भी है। मोदी ने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आतुर है, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद यह तेजी से विकास कर रहा है।

बिहार में नई सरकार का शपथ ग्रहण 20 को

पटना। बिहार में नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना में होने की संभावना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राजग के कई शीर्ष नेता और केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 19 नवंबर को निवर्तमान सरकार के प्रमुख के रूप में राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायक मंगलवार को बैठक कर अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करेंगे।

दुधवा में एक साथ 3 बाघ देख झूमे सैलानी

लखीमपुर खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व के दुधवा पर्यटन क्षेत्र में सोमवार की सुबह पर्यटकों को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने उनके सफारी अनुभव को जीवनभर के लिए यादगार बना दिया। दिल्ली, लखनऊ व बरेली से आए इन पर्यटकों को सफारी के दौरान अचानक एक साथ तीन बाघ सड़क पर टहलते दिखाई दिए। इनमें एक वयस्क नर, एक वयस्क मादा और एक अर्धवयस्क बाघ शामिल था।

मक्का से मदीना जा रहे 42 भारतीयों की मौत

- सऊदी अरब में हुआ हादसा, बस डीजल टैंकर से टकराकर जली
- सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा, पीएम मोदी ने दुख जताया

नई दिल्ली, एजेंसी

सऊदी अरब के मदीना में रविवार देर रात को हुई भीषण बस दुर्घटना में 42 भारतीय उमराह जायरीन मारे गए हैं। इनमें से अधिकतर तेलंगाना से थे। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42 भारतीय बस में यात्रा कर रहे थे।

बस देर रात करीब डेढ़ बजे (भारतीय समयानुसार) तेल के एक टैंकर से टकरा गई थी। बस मक्का से मदीना जा रही थी। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने स्थिति का आकलन करने के लिए अधिकारियों को दुर्घटनास्थल पर भेजा है। अधिकारियों ने कहा, इस समय हम हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते क्योंकि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे में सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने प्रारंभिक सूचना का हवाला देते हुए मृतक संख्या बताई और कहा कि 9 नवंबर को यहां से कुल 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने बताया कि उसने सहायता समन्वय के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

मदीना में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह और भारतीय दूतावास सऊदी हज एवं उमराह मंत्रालय तथा अन्य स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। वे संबंधित उमराह संचालकों के भी संपर्क में हैं।

वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों और भारतीय समुदाय के स्वयंसेवकों की एक टीम विभिन्न अस्पतालों और अन्य स्थलों पर मौजूद है। रियाद स्थित दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

जनता दर्शन

योगी बने सहारा, एंबुलेंस से बच्चे को भिजवाया केजीएमयू

मुख्यमंत्री ने मां की गुहार पर बच्चे का शुरू कराया इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' ने सोमवार को एक मां के जीवन में आशा की किरण जगा दी। वह सात माह के बीमार मासूम बेटे को गोद में लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंची। बच्चे को हृदय संबंधी गंभीर समस्या और आर्थिक तंगी की जानकारी होते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल बच्चे के उच्चस्तरीय इलाज के निर्देश दिए। इसके बाद उसे एंबुलेंस से केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर से 60 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रत्येक व्यक्ति के पास गए, उनके प्रार्थना पत्र लिए और समस्या विस्तार से सुनी। इसी दौरान राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला अपने साथ 7 माह के मासूम बेटे को लेकर पहुंची और मुख्यमंत्री को बच्चे की गंभीर बीमारी व आर्थिक हालात खराब होने की जानकारी दी।

अपने बच्चे के इलाज हेतु एक मां की व्यथा सुनते मुख्यमंत्री योगी।

जमीन कब्जे की शिकायत

जनता दर्शन में बुलंदशहर से आए अर्धसैनिक बल के जवान ने अपनी जमीन कब्जे की शिकायत रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार की है। उन्होंने अधिकारियों को मामले की जांच कर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

महिला की व्यथा सुनते ही मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारा और भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी मदद करेगी, आप निश्चिंत रहें। तत्काल निर्देश पर बच्चे को सीएम आवास से एंबुलेंस द्वारा केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

आदेश मिलते ही मासूम का इलाज शुरू कर दिया गया। योगी अन्य मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। जमीन कब्जा, पुलिस, बिजली, आर्थिक सहायता और विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं।

अमृत विचार

मुरादाबाद , मंगलवार, 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

महेंद्र को चार दिन में मिला आयुष्मान कार्ड

रामपुर, अमृत विचार : डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने 4 दिन पूर्व जनता दर्शन के दौरान टांडा के ग्राम सिगनी निवासी महेंद्र प्रार्थना पत्र लेकर आए थे। जिसमें आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण कैंसर इलाज के लिए मदद मांगी थी। डीएम ने तत्काल फरियादी का अन्त्योदय राशन कार्ड बनाने के निर्देश जिला पूर्ति अधिकारी और आयुष्मान कार्ड के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया। महेंद्र ने डीएम को बताया था कि परिवार में अकेला कमाने वाले व्यक्ति हैं। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण इलाज नही करवा पा रहे हैं। डीएम ने सोमवार को दंपती को कार्ड सौंपा।

चेन लुटेरा गोली लगने से हुआ घायल

बिजनौर, अमृत विचार : शहर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार तड़के पुलिस और चेन लुटेरे के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान मेरठ के सरधना क्षेत्र निवासी संजय उर्फ शिवा पुत्र मंगत सैनी के रूप में हुई है। उसने बताया कि वह अपने साथी सुशील उर्फ मानव, निवासी गाजियाबाद, के साथ मिलकर चेन झपटमारी और चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। खुलासा किया कि चोरी का सामान बिजनौर के कोतवाली देहात क्षेत्र के समसपुर खोड़ा निवासी शीशपाल को बेचते थे। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक सोने की चेन, तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

स्कॉर्पियो की टक्कर से मां-बेटा घायल

छजलैट, अमृत विचार : थाना अमरोहा देहात के ग्राम नजरपुर खुर्द निवासी राहुल बाइक से थाना छजलैट क्षेत्र के ग्राम शुक्ला की मढैया में रिश्तेदारी में जा रहे थे। बाइक पर उनका 6 वर्ष का बेटा हर्ष व पत्नी पूजा भी थी। सोमवार दोपहर 2 बजे पंप के सामने स्कार्पियो चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। हर्ष के हाथ में फ्रैक्चर हो गया और पूजा के चोटें आई हैं। छजलैट पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवा दिया है। पुलिस ने स्कॉर्पियो व चालक को कब्जे में ले लिया है।

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पहले 15 दिनों में पहुंचे 375 पर्यटक

रोमांच और वन्यजीवों के दीदार से भरपूर रही सफर की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिले के अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटन सीजन की शुरुआत उत्साहजनक है। पर्यटकों के लिए 2 नवंबर से खोले गए रिजर्व में लगातार हर दिन औसतन 25 पर्यटक पहुंच रहे हैं। वन विभाग के अनुसार शुरुआती 15 दिनों यानी 16 नवंबर तक 375 से अधिक पर्यटक यहां घूमने पहुंचे। पर्यटकों की यह संख्या रिजर्व के लिए उत्साहजनक मानी जा रही है।

वन संरक्षक रमेश चंद्र ने बताया कि रिजर्व में रोजाना पर्यटकों की अच्छी खासी आवाजाही हो रही है। लोग परिवारों के साथ यहां वन्यजीवों और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने आ रहे हैं। पर्यटन की इस शुरुआत से अब तक विभाग को अच्छा-खासा राजस्व भी प्राप्त हुआ है।

इतने में हो रहा है जंगल सफर :

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में घूमने के लिए पर्यटकों को कुल चार प्रकार के शुल्क देने होते हैं। जिप्सी शुल्क 2,280 रुपये, गाइड शुल्क 400 रुपये, वाहन प्रवेश शुल्क 300 रुपये प्रति वाहन और प्रति व्यक्ति प्रवेश शुल्क 100 रुपये है। आमतौर पर एक जिप्सी में अधिकतम छह पर्यटक सवारी कर सकते हैं। औसत के आधार पर अगर हर दिन लगभग चार जिप्सी रिजर्व में जाती हैं तो 15 दिनों में करीब 60 जिप्सियों की पार्किंग और सफारी दर्ज होगी।

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को लेकर जाती जिप्सी। ● अमृत विचार

स्थानीय रोजगार को भी मिला बढ़ावा

पर्यटन की इस गतिविधि से न केवल वन विभाग बल्कि स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिला है। दर्जनों गाइड, जिप्सी चालक और स्थानीय भोजनालय इससे जुड़ गए हैं। बढ़ते पर्यटकों से स्थानीय बाजारों में भी रौनक लौट आई है। अधिकारियों का का मानना है कि सर्दियों के मुख्य सीजन में दिसंबर-जनवरी के बीच पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी, जिससे प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और विभागीय राजस्व में भी इजाफा होगा।

16 नवंबर तक का राजस्व अनुमान

वन विभाग के अनुसार औसतन 25 पर्यटकों के हिसाब से 15 दिनों में कुल लगभग 375 पर्यटक पहुंचे। अब इन शुल्कों के आधार पर विभाग को प्राप्त राजस्व का अनुमान लगाया गया है। जिप्सी शुल्क (60 जिप्सी × 2,280 रुपये) = 1,36,800 रुपये, गाइड शुल्क (60 बार × 400 रुपये) = 24,000 रुपये, वाहन प्रवेश शुल्क (हर जिप्सी पर) = 18,000 रुपये, प्रवेश शुल्क (375 पर्यटक × 100 रुपये) = 37,500 रुपये। इस तरह कुल अनुमानित राजस्व लगभग 2,16,300 रुपये बनता है।

पर्यटकों में बढ़ा उत्साह

डीएफओ जयसिंह कुशवाहा ने बताया कि पर्यटकों के अनुसार रिजर्व की हरियाली, टाइगर ट्रेल्स और पक्षियों की प्रजातियों को देखना रोमांचक अनुभव देता है। कई लोगों ने यहां पहली बार आकर जंगल सफारी का आनंद लिया। स्थानीय गाइडों के मुताबिक रोजाना ज्यादा से ज्यादा बुकिंग आने लगी हैं, जिससे आसपास के इलाकों के होटल और वाहन चालक भी लाभ कमा रहे हैं। शुरुआती दौर में ही इतने पर्यटक पहुंचना यह संकेत है कि अमानगढ़ टाइगर रिजर्व अब आकर्षण का केंद्र बन रहा है। आने वाले दिनों में यहां इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं और बेहतर की जा रही हैं ताकि आगंतुकों को सहज अनुभव मिल सके।

प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग के लिए कराएं पंजीकरण

मुरादाबाद, अमृत विचार: मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं सिविल सर्विसेज आईएएस/पीसीएस व नीट के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निशुल्क कोचिंग/सलाह प्रदान किया जाता है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय द्वारा सिविल सर्विसेज एवं एनईईटी (नीट) की परीक्षाओं के लिए कक्षाएं दिनांक 1 अगस्त से से नियमित संचालित कराई जा रही हैं। बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अधिक से अधिक को लाभ देने के लिए निःशुल्क कोचिंग के संबंध में आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक छात्र-छात्राएं हिन्दू पीजी कॉलेज के कमरा नंबर 58 से पंजीकरण आवेदन प्राप्त कर सकते हैं।

बीज जलाने में उद्यान निरीक्षक निलंबित

14 नवंबर की घटना, दो मालियों का वेतन रोका, उद्यान विभाग सहायक निरीक्षक से जवाब-तलब

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : किसानों को मुफ्त दिए जाने वाले बीज को जलाने के मामले में शासन ने उद्यान निरीक्षक बृजमणि गहलौत को निलंबित कर दिया है। जबकि सहायक निरीक्षक उद्यान पूजा का जवाब तलब किया गया है। उद्यान विभाग के दो मालियों रामचंद्र और वीर सिंह का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोक दिया गया है।

किला स्थित उद्यान विभाग से किसानों को बुवाई के लिए भिंडी, पालक, धनिया, मटर, मूली, प्याज और आलू का बीज दिया जाता है। उद्यान अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि 14 नवंबर को उद्यान निरीक्षक और दो मालियों ने मिलकर प्याज का बीज जला दिया। प्याज का बीज जलाए जाने की सूचना मिलने पर विभाग में खलबली मच गई। उद्यान अधीक्षक ने शनिवार को इस मामले की रिपोर्ट लखनऊ भेजी गई। उद्यान अधीक्षक ने बताया कि सोमवार को उद्यान निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामलों की जांच की जा रही है यह देखना होगा कि कितना बीज जलाया गया है और बीज जलाने का क्या कारण है। किसानों को दिए जाने वाला बीज जलाए जाने से शासन में भी हड़कंप है। दूसरी ओर, उद्यान निरीक्षक बृजमणि गहलोत ने बताया कि वह 14 नवंबर को कोर्ट गए हुए थे और उन्होंने बीज नहीं जलाया है। उन्हें बेवजह इस मामले में फंसाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय जांच में दोषियों के चेहरे सामने आ जाएंगे।

उद्यान विभाग कार्यालय। ● अमृत विचार

खुफिया विभाग कर रहा जांच

किला स्थित उद्यान विभाग में बीज जलाए जाने की रिपोर्ट इंटेलिजेंस लखनऊ ने भी मांगी है। सोमवार को खुफिया विभाग के सोनू कुमार और अनुज कुमार इस मामले की जांच पड़ताल करने के लिए उद्यान विभाग पहुंचे। अधिकारियों ने उद्यान अधीक्षक अजय कुमार से जरूरी पूछताछ की। पूछने पर खुफिया विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में इंटेलिजेंस लखनऊ से पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है इसलिए तमाम जानकारी एकत्र की जा रही है। इसके बाद रिपोर्ट लखनऊ भेज दी जाएगी। जांच के बाद पता चलेगा कि बीज की कीमत कितनी थी।

> किसानों को दिए जाने वाला प्याज का बीज जलाया गया है। बीज क्यों और कितना जलाया गया है इस मामले में जांच कराई जा रही है। सोमवार को उद्यान निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है।
> – **अजय कुमार**, उद्यान अधीक्षक

किसानों में आक्रोश

उद्यान विभाग में किसानों को मुफ्त दिए जाने वाले बीज को जलाए जाने पर किसानों में आक्रोश है। किसानों ने दो टूक कहा कि सरकार द्वारा किसानों को दिए जाने वाले बीज पर डाका डाला जाता है। किसानों ने अधिकारियों पर गंभीर आरोप जड़े हैं। कहा कि सहायक निरीक्षक के पास चाबी रहती है ऐसे में किसानों को दिए जाने वाले को जला दिया गया। कहा कि अधिकारी सरकार की योजनाओं को पलीता लगा रहे हैं। किसानों को मुफ्त बांटने के लिए सरकार द्वारा लौकी, तुरई, पालक, भिंडी, धनिया, मटर, मूली, मेथी, आलू, शिमला मिर्च आदि का बीज मुफ्त दिया जाता है। लेकिन वे बीज किसानों तक नहीं पहुंचता है किसानों साहूकारों और बैंकों से कर्ज लेकर खेती करता है। भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

बोले किसान

बीज की रखवाली करने वाला ही जिम्मेदार है। बीज क्यों जलाया गया यह गुनाह किसी और के सिर पर डाला जा रहा है। बीज जलाने की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। – **अकरम खान**

मुफ्त मिलने वाला बीज जलाया गया है उसे लेकर किसानों में आक्रोश है। बीज जलाए जाने के मामले की उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर जांच कराई जाए।
– **मक्खन सिंह**

अधिकारी बीज जलाकर नष्ट कर रहे हैं। किले में उद्यान विभाग का दफ्तर है उसी में नर्सरी है वहां कैमरे लगे हैं 14 नवंबर की फुटेज देख ली जाए। इससे दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।
– **बाबा सुरेंद्र सिंह**, जिला प्रभारी भारतीय किसान यूनियन भानू

उद्यान विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है और उसकी झलक सामने है। किसानों को दिया जाने वाला बीज जलवा दिया गया। यदि किसानों को बीज दे दिया जाता तो उन्हें कर्ज लेकर बीज नहीं खरीदना पड़ता। बीज किसानों को न देकर बेच दिया जाता है या जला दिया जाता है। – **सलीम वारसी।**

टीईटी अनिवार्यता की बाध्यता से मुक्ति को होगा निर्णायक संघर्ष

● लखनऊ में हुई शैक्षिक महासंघ की प्रदेश संचालन समिति व कार्य समिति की बैठक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: टीईटी लागू होने से पूर्व सेवारत 20 लाख से अधिक शिक्षकों को टीईटी अनिवार्यता की बाध्यता से मुक्त कराने के लिए निर्णायक संघर्ष किया जाएगा। यह हुंकार राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश की प्रदेश संचालन समिति एवं कार्यसमिति की लखनऊ के सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज अलीगंज में हुई बैठक में महासंघ के पदाधिकारियों व शिक्षकों ने भरी।

बैठक में संचालन की जिम्मेदारी निभाने वाले प्रदेश महामंत्री व मुरादाबाद के शिक्षक जोगेंद्र पाल सिंह ने पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई। बताया कि बैठक में अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण और व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन का आह्वान किया। अखिल भारतीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर ने कहा कि "देश में टीईटी लागू होने से पूर्व सेवारत 20 लाख से अधिक शिक्षकों को टीईटी अनिवार्यता की बाध्यता से मुक्त कराने के लिए निर्णायक संघर्ष किया जाएगा। संसद के शीतकालीन सत्र से पूर्व सभी लोकसभा व राज्यसभा सांसदों से संपर्क कर संसद में अध्यादेश लाकर 20लाख से अधिक शिक्षकों की समस्या समाधान कराने की मांग की जाएगी।

प्राथमिक संवर्ग के प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने 13 नवंबर को अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा की अध्यक्षता में हुई बैठक में हुई वार्ता एवं रखी गई प्रमुख शिक्षक समस्याओं जिसमें डिजिटल अटेंडेंस लागू करने से पूर्व 31 अर्जित अवकाश, हाफ डे लीव, प्रोन्नत वेतनमान आदि मांगों के बारे में बताया। माध्यमिक संवर्ग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनूप शर्मा व प्रदेश महामंत्री डॉ संतोष शुक्ला ने माध्यमिक शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए सेवा सुरक्षा की धारा-21 को पुनर्बहाल करने, पुरानी पेंशन योजना आदि समस्याओं को रखा। प्रदेश अध्यक्ष प्रो. संजय मेधावी ने कल्याण मंत्र के साथ बैठक के समापन की घोषणा की।

2003 की सूची अपलोड करने में गड़बड़ी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● सूची उपलब्ध नहीं तो कहीं पेज गलत क्रमांक पर अपलोड होने से चकरा रहे मतदाता

● भाजपा नेता ने जिला व उप जिला निर्वाचन अधिकारी से की मामले की शिकायत

अमृत विचार: विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में विसंगतियों से मतदाताओं की चिंता बढ़ गई है।

2003 की मतदाता सूची उपलब्ध नहीं है तो कहीं ऑनलाइन सूची में पेज गलत क्रमांक पर अपलोड होने से मतदाता चकरा रहे हैं। वर्तमान में मुरादाबाद ग्रामीण विधानसभा 2003 में मुरादाबाद पश्चिम विधानसभा थी। जिसके बूथ संख्या-61 की इलेक्टर रोल की पीडीएफ में गलत तथ्य की शिकायत भाजपा नेता निमित जायसवाल ने जिला व उप जिला निर्वाचन अधिकारी से की है। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट को संबोधित शिकायती पत्र भाजपा नेता क्षेत्रीय मीडिया सह प्रभारी भाजपा पश्चिम क्षेत्र ने सोमवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम मिलकर दिया। इसमें बताया कि 2003 में वर्तमान मुरादाबाद ग्रामीण विधानसभा 16-मुरादाबाद पश्चिम विधानसभा थी। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर इस विधानसभा की मतदाता सूची जो अपलोड की गई है। इसमें बूथ संख्या-61 की इलेक्टर रोल में बूथ संख्या - 61 मतदान केंद्र नेहरू युवा केंद्र कक्ष-1 दीनदयाल नगर नगर निगम की मतदाता सूची 2003 जो केंद्रीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर है। उसमें प्रथम पृष्ठ पर भाग संख्या 61 है लेकिन अंदर के सभी 39 पृष्ठ मानसरोवर कन्या इंटर कालेज के बूथ के है। इसकी वजह से 16-मुरादाबाद पश्चिम विधानसभा के बूथ संख्या 61 मतदान केंद्र नेहरू युवा केंद्र कक्ष-1 के मतदाताओं को वर्ष 2003 की मतदाता सूची में अपनी निर्वाचन क्रम संख्या पता नही चल पा रही है।

उन्होंने उप जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग उठाई है कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर वर्ष 2003 मुरादाबाद जनपद की 16-मुरादाबाद पश्चिम विधानसभा के बूथ संख्या - 61 मतदान केंद्र नेहरू युवा केंद्र कक्ष-1 दीनदयाल नगर न. नि. मुरादाबाद की सही मतदाता सूची पीडीएफ 2003 लोड कराई जाए। जिससे दोनों जगह के मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण में असुविधा न हो। भाजपा नेता का कहना है कि उनके शिकायती पत्र पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी /अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने तुरंत एसडीएम सदर को फोन कर कहा कि इसे चेक कराकर समस्या का समाधान जल्द सुनिश्चित कराएं।

डेंगू मरीजों की संख्या 32 और मलेरिया की 66 पहुंची

● संक्रमण की रोकथाम को घर-घर अभियान चलाने का असर नहीं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : शहर में डेंगू और मलेरिया के मामलों में फिर वृद्धि दर्ज हुई है। डेंगू का एक नया मामला सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 32 हो गई है। वहीं, मलेरिया के दो और नए मरीज मिलने से कुल मरीजों की संख्या 66 तक पहुंच गई है। लगातार बढ़ते मामलों ने लोगों को चिंता बढ़ा दी है। चिकित्साधिकारियों के अनुसार अधिकांश मरीज शहरी क्षेत्र के ही हैं। जहां जलजमाव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है।

भले ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से दावा किया जा रहा हो कि संक्रमण के रोकथाम के लिए घर-घर अभियान चलाया जा रहा है लेकिन, धरातल पर तस्वीर बिल्कुल उलट है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में फॉगिंग और एंटी-लार्वा का छिड़काव करवाया जा रहा है। इसके साथ ही आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों को साफ-सफाई और मच्छर रोधी उपायों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर है और अस्पतालों में पर्याप्त दवाइयां एवं बेड की व्यवस्था की गई है। बुखार, सिरदर्द या शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, फिलहाल टीम रोजाना सर्वे और टेस्टिंग अभियान चला रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि यदि मौसम में नमी बनी रही तो संक्रमण के और फैलने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता इसलिए सतर्कता और जन-सहयोग ही संक्रमण पर नियंत्रण का सबसे प्रभावी उपाय है।

बाला साहेब ने हिंदुत्व से समझौता नहीं किया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की 13वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को शिवसेना के जिला प्रमुख नन्हें चौधरी उर्फ दिनेश चौधरी के नेतृत्व में जिला कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई।

शिवसेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के चित्र पर पुष्प अर्जित करके भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शिवसेना के मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी ने बताया कि पूरे मंडल में शिवसेना का विस्तार कर हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उनकी 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जगह-जगह सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बिजनौर, संभल सहित मंडल की हर तहसील पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि बालासाहेब ठाकरे हिंदुत्व के महान योद्धा थे। उन्होंने हमेशा हिंदू हितों के मुद्दे पर बात की और कभी हिंदुत्व के साथ समझौता नहीं किया।कार्यक्रम में राज्य प्रचारक बाबा कुशल सिंह, राज्य सचिव रामप्रसाद प्रजापति, मंडल प्रभारी नितिन वर्मा, महानगर प्रमुख रजत श्रोतिय, युवासेना जिला प्रमुख राकेश कुमार प्रजापति, अनिल कुमार, तिलक सैनीस बाबू सैनी, कपिल कुमार, ओम प्रकाश सैनी, प्रमोद कुमार, रंजीत कश्यप, मंगल सैनी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे।

स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि देते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे को पुण्यतिथि पर दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कोर्ट सोमवार को न्यायालय परिसर में रही गहमा-गहमी, आने -जाने वाले लोगों को पुलिस कर रही थी चेक

तीसरी बार जेल गए आजम और अब्दुल्ला, पुलिस बल रहा तैनात

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचार: सपा नेता आजम खां और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां सोमवार को तीसरी बार जेल चले गए। इससे पहले दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में जेल जा चुके हैं। सुबह से ही सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। कोर्ट के मेन गेट पर चेकिंग अभियान भी चलाया गया।

सपा नेता आजम खां और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां के लिए सोमवार का दिन एक बार फिर मुसीबत लेकर आया। कई सालों से चले आ रहे पैन कार्ड में दोनों को सात-सात साल की सजा सुनाई है। उसके बाद दोनों को पुलिस ने कस्टडी में लेकर जेल भेज दिया। सुबह से ही कलेक्ट्रेट परिसर और कचहरी परिसर में काफी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। कोर्ट में आने जाने वाले लोगों को चेक किया जा रहा था।

उसके बाद सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम के कोर्ट में पेश होने के बाद कुछ देर के लिए लोगों को रोक दिया गया। करीब तीन घंटे तक कस्टडी में रहने के बाद कड़ी सुरक्षा के साथ दोनों को जिला कारागार ले जाया गया। दोनों ही तीसरी बार जेल गए है। जेल जाने से पहले अब्दुल्ला आजम खां अपने बड़े भाई अदीब आजम से मिले। आजम खां जेल में एक बिस्कुट का पैकेट भी लेकर गए।

बड़े बेटे अदीब से मिलते सपा नेता आजम खां ● अमृत विचार

कोर्ट से बाहर आते वादी विधायक आकाश सक्सेना। ● अमृत विचार

आजम के जेल जाते ही सपाइयों में छाई मायूसी

सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के जेल जाने के बाद सपाइयों में मायूसी छा गई है। दो माह पहले ही आजम खां जेल से आए थे।राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से लेकर कई सांसद तक उनसे मिलने आए थे।

मजबूत साक्ष्यों ने दिलाई सजा

कोर्ट द्वारा सजा सुनाने के बाद मामले में वादी शहर विधायक आकाश सक्सेना बोले कि मजबूत साक्ष्यों के आधार पर आजम खां को सजा मिली है। ये उनके कुकर्मों की सजा है कि उन्हें वोट तक डालने का अधिकार नहीं है। विधायक ने कहा कि वो मामले में मजबूती से लड़े और उनको न्याय भी मिला।

10 दिन तक क्वारंटाइन बैरक में रहेंगे पिता-पुत्र

सपा नेता आजम खां और उनके बेटे को सजा का ऐलान होने के बाद जिला कारागार प्रशासन सक्रिय हो गया था। करीब 4:20 पर वह कड़ी सुरक्षा के बीच जिला कारागार के गेट पर पहुंचे। उसके बाद पुलिस ने उन्हें गेट तक छोड़ा। फिर दोनों जिला कारागार में चले गए। उनके बड़े बेटे अदीब ने पीली पन्नी में उन्हें कुछ लाकर दिया। साथ ही एक व्यक्ति ने उन्हें गर्म लोई दी। इस दौरान काफी समर्थक मौजूद रहे। सुरक्षा के लिहाज से गंज, कोतवाली, शहजादनगर और सिविल लाइंस इंस्पेक्टर मौजूद रहे। जेल अधीक्षक राजेश यादव ने बताया कि 10 दिन तक दोनों को क्वारंटाइन बैरक में रखा जाएगा। उसके बाद दोनों को बैरक मिलेगी।

जन्म प्रमाण पत्र में 7 साल की हो चुकी सजा

सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम खां के लिए यह पहली सजा नहीं है। 2023 में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में सात साल की कोर्ट ने पिता-पुत्र सहित तीनों को सजा सुनाई थी। उसके बाद डूंगरपुर से जुड़े मामले में आजम खां को 10 साल की सजा और हेट-स्पीच मामले में 3 साल की सजा हो चुकी है। अब दो पैनकार्ड मामले में दोनों जेल चले गए।आजम खां के ऊपर मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेंडिंग 59 मुकदमे, सेशन कोर्ट में 19 है। जबकि 12 मामलों में फैसला आ चुका है।

आजम दो और अब्दुल्ला नौ महीने पहले आए थे बाहर

सपा नेता आजम खां दो महीने पहले ही 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद जेल से घर आए थे। उसके बाद वह दिल्ली इलाज के लिए रवाना हो गए थे। अब्दुल्ला आजम खां नौ महीने पहले हरदोई जेल से आए थे। सूत्रों की माने तो जल्द ही दोनों को किसी दूसरी जेल में शिफ्ट किया जाएगा।

दुर्घटनाओं में तीन लोगों की जान गई

बिजनौर,अमृत विचार: जनपद में रविवार की रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पहली घटना कोतवाली शहर क्षेत्र के गंज रोड पर संधू फार्म के पास हुई, जहां एक बाइक जंगली जानवर से टकरा गई। इस हादसे में 48 वर्षीय मौ. हनीफ पुत्र हमीद, निवासी मोहल्ला चाहशीरी-बी 24 की मौत हो गई।

दूसरी घटना अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव भूतपुरी रामगंगा पुल के समीप हुई, जहां वाहन को बचाने के प्रयास में बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार गांव शाहपुर जमाल निवासी 40 वर्षीय हरीराज सिंह पुत्र ध्यानी सिंह और उनके साथ शेरकोट थाना क्षेत्र के गांव मंदौरा निवासी 25 वर्षीय अंकित पुत्र जसवंत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल युवकों को धामपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दोनों की मौत हो गई।

सिटी ब्रीफ

आर्थिक रूप से कमजोर 11 बेटियों का सामूहिक विवाह 20 को

मुरादाबाद, अमृत विचार : पिछले साल की तरह इस बार भी चैरिटेबल संस्था आओ हाथ बढ़ाएं-एक मदद पहल की ओर से 20 नवंबर को आर्थिक रूप से कमजोर 11 बेटियों का सामूहिक विवाह कराया जा रहा है। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद व एक्टर मनीष बाधवा होंगे। संस्था की अध्यक्ष गीतांजलि पांडेय ने बताया कि संस्था कमजोर व जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की 11 बेटियों का सामूहिक विवाह संस्था की ओर से 20 को एमडीए वेव सिनेमा के सामने साईं गार्डन बैंक्वेट हाल में आयोजित है। 18 को हल्दी, मेहंदी व संगीत का आयोजन दिल्ली रोड स्थित रेड कारपेट में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटियों को आशीर्वाद देने के लिए लोगों को आमंत्रित किया गया है।

छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

बिलारी,अमृत विचार : एवरग्रीन कोहिनूर इंटर कॉलेज में गणित के मेधावी बच्चों को मैक्स ओलंपियाड द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कॉलेज प्रबंधन मेहंदी हसन ने बताया दस नवंबर को कॉलेज में गणित प्रतियोगिता हुई थी। गोष्ठी में प्रधानाचार्य फिरोज खान, फतेह अली, रंजीत मौर्य, तस्लीम आदि ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। पुरस्कृत होने वाले विद्यार्थियों में दानिया, साजिया, उदीबा, कादिया, अलमीना, अलीना, अब्दुल गनी, अलीशा, अमन सैफी, मोहम्मद अयान, समीर, मोहम्मद अर्श, सिदरा, अभय, अलफिजा, काशिफा, महक अंसारी, अजमीनूर, अरमान, गुलफिजा, बुशरा, सिदरा आदि हैं।

सफाई कर्मियों को दी जाएं गर्म वर्दी

बिलारी,अमृत विचार : स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ की बैठक में प्रदेश प्रमुख महासचिव राजेंद्र सहदेव ने कहा सर्दी में सफाई कर्मियों को गर्म वर्दी का वितरण किया जाए। ईएसआई कार्ड बनाए जाएं। संविदा सफाई कर्मियों को स्थाई किया जाए। सफाई कर्मचारियों को पदोन्नति भी किया जाए। बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री सुनील लश्करी, अमर काका, अजय राजभर, गजराम सिंह वाल्मीकि, सफाई नायक शिंभू आदि ने विचार रखे।

चाकू-तमंचे से डराकर बालिका से किया गैंगरेप

संवाददाता, भोजपुर

अमृत विचार : दो बाइकों पर आए चार युवक 11 वर्षीय बालिका को अगवा कर पशुशाला ले जाकर दुष्कर्म किया। तड़के बेहोशी की हालत में सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए।

प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार को दी तहरीर में पीड़िता की विधवा मां ने बताया है कि पति की पिछले वर्ष बीमारी से मौत हो चुकी है। रविवार की रात बेटा इमरान सो रहा था। वह बेटी और छोटे बेटे के साथ बरामदे में सो रही थी। रात को डेढ़ बजे बेटा शौच करने उठा तो बेटी चारपाई पर नहीं थी। पता लगा कि गांव मोहब्बतपुर भगवंतपुर निवासी शुभम और रवि उसे बाइक से ले गए। बेटी के मुंह पर टेप लगा था। रात में ही आरोपियों के घर जाकर बताया तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। दुराचार के बाद आरोपी सोमवार तड़के बेटी को बेहोशी की हालत में मंगल बाजार में फेंक भाग गए। ग्रामीणों ने जानकारी दी तो वह उसे घर लाई। बेटी ने रेप की जानकारी दी। पुलिस केस दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला महिला अस्पताल ले गए। आरोपी रवि का गांव इस्लाम नगर में मेडिकल स्टोर है। 14 घंटें तक पुलिस घटना को दबाने में लगी रही। पुलिस की टालमटोल से तंग आकर पीड़िता बेटी को कप्तान के पास ले जाने लगे तो इस्लाम नगर चौकी इंचार्ज पंकज राठी और एसएसआई महेश कुमार मलिक ने तहरीर लेकर कार्रवाई शुरू की।

जिला अस्पताल में पेट के मरीजों की भीड़, मिलावटी खाद्य पदार्थ बिगाड़ रहा शरीर का स्वास्थ्य

असंतुलित खानपान बिगाड़ रहा हाजमा, बीमार पड़ रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचारः मौसम में हो रहे बदलाव के बाद जिला अस्पताल की ओपीडी में रोगियों की संख्या बढ़ी हुई है। यहां ओपीडी में कब्ज की समस्या लेकर आने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा है। डॉक्टरों का कहना है कि 40 वर्ष से अधिक उम्र वाले कब्ज के मरीज ज्यादा मिल रहे हैं। इसकी मुख्य वजह असंतुलित खानपान है। ऐसे लोगों को इलाज के साथ ही संतुलित खानपान की सलाह दी जा रही है।

जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को ओपीडी में 180 से अधिक मरीज पहुंचे। इनमें से 40 प्रतिशत मरीज पेट दर्द, कब्ज और बदहजमी के थे। इनकी उम्र 40 से 60 के बीच है। उन्होंने बताया कि इस उम्र में आंत की चाल कम हो जाती है। ऐसे में व्यक्ति को संतुलित खान पान ही स्वस्थ रख सकता है। अक्सर पेट से संबंधित बीमारी उन्हीं को हो रही हैं जो ज्यादातर फास्टफूड, तेल, मसाला युक्त आहार का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ लोग तो होटल पर ही दोनों वक्त निर्भर रहते हैं। जिन्हें खाने में तेल, मसाला युक्त भोजन ज्यादा मिलता है। मिलावटी खाद्य पदार्थ का भी सेवन अनजाने में लोग कर रहे हैं। यही कारण है कि लिवर पर इसका गलत असर पड़ रहा है। मरीजों में फैटी लिवर की समस्या ज्यादातर देखने को मिल रही है। उन्हें दवा देने के साथ परहेज भी बताया जा रहा है।

ये बरतें सावधानी

उन्होंने बताया कि कब्ज एवं बदहजमी की समस्या से प्राकृतिक रुप से निजात पाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की जरूरत है। खाने के साथ गुनगुना पानी का सेवन जरूर करें। खाने में फाइबर युक्त खाद्य सामग्री का उपयोग ज्यादा करें। फल और सलाद का सेवन नियमित करें। संतुलित और ताजा भोजन लें। खाने में साग, हरी सब्जी का इस्तेमाल करें। तली-भुनी चीज से परहेज करें। रात में खाने के बाद कुछ देर पैदल चलें। सुबह टहलना जरूरी है। शुगर और बीपी के मरीज नियमित रूप से दवा लेने के साथ यह सावधानियां बरतें।

पानी की कमी से डिहाइड्रेशन के भी बढ़ रहे अस्पतालों में मरीज

मुरादाबाद, अमृत विचार : सर्दी में पानी कम पीने से लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं। लोगों को किडनी में पथरी व अन्य बीमारियां सताने लगी हैं। ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ी है। केएफटी टेस्ट में रिपोर्ट सही नहीं आ रहीं। जिला अस्पताल में फिजिशियन डॉ. मनोज यादव ने बताया कि किडनी शरीर का एक ऐसा हिस्सा है, जिसके द्वारा हमारे शरीर से गंदगी निकलती है लेकिन सर्दियों में पानी कम पीने से किडनी पर असर पड़ता है। जब कोशिका में 30 फीसदी तक पानी कम हो जाता है तो डिहाइड्रेशन की शिकायत हो जाती है। कमी पूरी करने के लिए हमारा शरीर पेशाब की सांद्रता बढ़ाता है, यानी मूत्र में पानी कम होकर वह अधिक अम्लीय प्रकृति का हो जाता है। इससे ऑक्सलेट, फॉस्फेट, यूरेट, यूरिक एसिड और अमीनो एसिड के छोटे-छोटे कण किडनी में एकत्र होकर पथरी के रूप में संग्रहित हो जाते हैं। महिलाओं को यूरिनरी इंफेक्शन का खतरा अधिक होता है। बताया कि पिछले कुछ दिनों में पथरी के रोगियों की संख्या में 10-15 फीसदी का इजाफा हुआ है। सोमवार को भी ओपीडी में 15 से अधिक लोग पहुंचे।

रन फॉर कोआपरेशन में सहकारिता आंदोलन के प्रति किया जागरूक

लोगों ने लगाई दौड़, स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा उद्देश्य

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

गुब्बारे उड़ाते मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह, जिपं अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह चौहान, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त व अन्य।

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष और 14 से 20 नवंबर तक चल रहे सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को रन फॉर कॉरपोरेशन थीम पर कांठ रोड पर स्थित संयुक्त आयुक्त निबंधक कार्यालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें सामाजिक सहकारिता बढ़ाने के लिए आयोजित दौड़ में लोग शामिल हुए।

सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण अनुभव सिंह, सीडीओ रामपुर गुलाब चन्द्र, चेयरमैन डीसीबी मुरादाबाद विजय भान सिंह, चेयरमैन डीसीबी रामपुर मोहन लाल सैनी,

- जिपं अध्यक्ष, विधान परिषद सदस्य, मंडलायुक्त ने दिखाई हरी झंडी, गुब्बारे उड़ाकर शुरुआत

ज्वाइंट कमिश्नर कोऑपरेटिव वीर विक्रम सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

रन पर कॉरपोरेशन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित दौड़ में स्थानीय नागरिक एवं युवाओं ने भी प्रतिभाग किया। ज्वाइंट कमिश्नर कोऑपरेटिव ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन के प्रति लोगों को जागरूक बनाना है साथ ही सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए स्वस्थ जीवन शैली अपने के लिए आम जनमानस को प्रेरित करना है।

इस दौरान खेल से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और नागरिकों आदि ने शामिल होकर आयोजन को सफल बनाया।

उत्तराखंड के काशीपुर निवासी बादशाह का था शव

भगतपुर, अमृत विचारः कुछ दिन पूर्व क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर के जंगल में मिले युवक के शव की पहचान उत्तराखंड के जनपद उधमसिंह नगर के काशीपुर निवासी बादशाह उर्फ चिनू रूप में हुई है। इस संबंध में दो आरोपियों के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज हुई है।

3 नवंबर को भवानीपुर में किसान रामपाल को करीब बीस वर्षीय युवक का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पन्नी हटाकर देखा तो मृतक का चेहरा व शरीर खराब हो चुका था। शव के पास नमक भी मिला जिससे अंदाजा लगाया जा रहा था कि पहचान छुपाने के लिए उस पर नमक डाला गया है। उत्तराखंड के काशीपुर निवासी ओमपाल सिंह ने मृतक की शिनाख्त अपने पोते बादशाह उर्फ चीनू के रूप में की। ओमपाल का आरोप है कि 21 अक्टूबर को दो युवक बादशाह से रुपए को लेनदेन को लेकर विवाद कर रहे थे। इसके बाद पोते को अपने साथ ले गए।व ह बादशाह की तलाश कर रहे थे। इस संबंध में ओमपाल सिंह ने आरोपी हिमांशु निवासी भवानीपुर थाना भगतपुर, हाल निवासी आवास विकास कॉलोनी काशीपुर उत्तराखंड व अंकुल के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जीवन के उतार-चढ़ाव में सामंजस्य सिखाता है खेल

संबोधित करते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- 12वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता जोश का कुंदरकी विधायक ने किया उद्घाटन

अमृत विचारः मुरादाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट एंड हेल्थ रिसर्च सेंटर द्वारा संचालित विवेकानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में सोमवार को 12वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता जोश का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुंदरकी के विधायक रामवीर सिंह ने किया।

इसके बाद खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई, जिनमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्रिकेट, वॉलीबॉल बास्केटबॉल, कैरम, कबड्डी, टेनिस आदि में खिलाड़ियों ने दम दिखाते हुए टीम भावना का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि कुंदरकी विधायक ने कहा कि खेल हमारे जीवन में शिक्षा जितने ही आवश्यक हैं। खेलों के माध्यम से हम जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच सामंजस्य स्थापित कर पाते हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, निष्ठा और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने इसे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट से युवाओं में नया जोश भरा है। इस दौरान चेयरमैन सुभाष चंद्र ढल, कमल चंद्र अग्रवाल, सचिव नीरज विनोद खन्ना, डॉ. हरजीत सिंह, नजमुल इस्लाम, शैलेश खन्ना, रोहित ढल, प्रधानाचार्य मोहम्मद अरशद, डॉ. टीपी शीवा सहित कॉलेज के अध्यापक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्राओं ने दिया आत्मनिर्भर बनने का संदेश

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

गोकुलदास कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। • अमृत विचार

अमृत विचारः गोकुलदास हिन्दू गर्ल्स कॉलेज में सोमवार को मिशन शक्ति फेस 5.0 के अंतर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका विषय भारत की शीर्ष महिला उद्यमियों एवं महिलाओं के सफल जीवन की विधिक कार्य-प्रणाली रहा।

छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से संदेश दिया कि वर्तमान समय में महिलाओं और बालिकाओं का स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर होना अत्यंत जरूरी है। जिससे वह अपने जीवन को सम्मानपूर्वक और प्रभावी ढंग से जी सकें। प्राचार्या प्रो. चारू मेहरोत्रा ने छात्राओं द्वारा बनाए गए पोस्टरों की सराहना की। कहा कि प्रतिभागियों ने अपने विचारों और रचनात्मकता के माध्यम से भारत

- पोस्टर प्रतियोगिता में इकरा प्रथम तूबा द्वितीय और अंशिका तृतीय स्थान पर रही

की शीर्ष महिला उद्यमियों और महिलाओं के सफल जीवन की कार्य-प्रणाली को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में बी.कॉम प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की 30 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल में प्रो. किरण त्रिपाठी व प्रो. अनुराधा सिंह शामिल रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार इकरा नूर ने, द्वितीय पुरस्कार तूबा खान व तृतीय पुरस्कार अंशिका सक्सेना ने प्राप्त किया

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा मित्तल व सोनम शर्मा ने किया। इस दौरान प्रो. किरण साहू, प्रोफेसर मीनाक्षी शर्मा, प्रो. सुदेश, प्रोफेसर करुणा आनंद, प्रो. प्रवीण सैनी सहित सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के लिए ट्रायल कल

मुरादाबाद, अमृत विचार : खेल निदेशालय के निर्देश पर खेल विभाग और प्रदेशीय क्रीड़ा संघों के समन्वय से वाराणसी में 26 नवंबर से एक दिसंबर तक प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए खिलाड़ी बुधवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय चयन ट्रायल में पहुंच सकते हैं। जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी 22 नवंबर को मंडल स्तरीय चयन ट्रायल में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। शानदार खिलाड़ियों को चयन मंडल की टीम में किया जाएगा।

अपने भाषण से श्रोताओं को जोड़ना अद्वितीय कौशल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

प्रतियोगिता के दौरान मौजूद लोग। • अमृत विचार

अमृत विचारः तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर टीचिंग, लर्निंग एंड डवलपमेंट (सीटीएलडी) की ओर से आयोजित भाषण प्रतियोगिता स्पीचमास्टर 3.0 का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज के बीए एलएलबी ऑनर्स की छात्रा समृद्धि शर्मा विजेता रही। बीएबीएड के छात्र अतिंद्र कुमार झा द्वितीय और बीएससी बीएड की छात्रा मान्या शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सीटीएलडी के डायरेक्टर प्रो. पंकज कुमार सिंह, आईक्यूएसी के डायरेक्टर डॉ. निशीथ कुमार मिश्रा, वीवो के डीजीएम एचआर तक्ष कुमार, असिस्टेंट डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. नेहा आनंद आदि ने आडिटोरियम में मां सरस्वती की

- स्पीच मास्टर प्रतियोगिता में बीए-एलएलबी की समृद्धि रही प्रथम

प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर स्पीच मास्टर का आरंभ किया। 315 छात्रों में से 36 छात्रों ने फाइनल राउंड में जगह बनाकर ऑन-द-स्पॉट स्पीच दी। हर प्रतिभागी को मंच पर जाने से मात्र चार मिनट पहले विषय दिया गया, जिससे उनकी सोचने और त्वरित विचार प्रस्तुत करने की क्षमता का परीक्षण हो सके।

प्रतियोगिता के जरिए छात्रों को ग्लोसोफोबिया (पब्लिक स्पीकिंग) के डर पर विजय प्राप्त करने का अवसर मिला। डायरेक्टर प्रो. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि भाषण देनाऔर श्रोताओं को खुद से जोड़ना एक अद्वितीय कौशल है। वीवो के डीजीएम एचआर तक्ष कुमार ने कहा कि इस तरह के क्रियाशील कार्यक्रम युवाओं में संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और प्रस्तुतिकरण दक्षता को एक नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार जैन, समन्वयक ट्रेनर धीरज कुमार, सह-समन्वयक गौरी तकीयर के अलावा सीटीएलडी के सभी ट्रेनर्स और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे युवा

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचारः विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा सोमवार को एसडीएम इंटर कॉलेज लाइनपार स्थित नशा मुक्ति व विकसित भारत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता बजरंग दल के प्रांत गो रक्षा प्रमुख हेमंत सारस्वत ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी।

महानगर विद्यार्थी प्रमुख शुभम देशभक्त ने कहा कि विकसित भारत की जो सीढ़ी है, वह आज की युवा पीढ़ी है। यदि भारत का युवा नशे से प्रभावित होकर बुरी संगत में चला जाता है तो विकसित राष्ट्र का स्वप्न धूमिल हो जाएगा। आह्वान किया कि टेलीविजन, सोशल मीडिया पर जो तंबाकू एवं

- विकसित भारत कार्यक्रम में युवाओं को नशा मुक्ति के लिए किया जागरूक

मद्य पदार्थों के विज्ञापन चलाए जाते हैं उनसे प्रभावित होने की आवश्यकता नहीं है। आज का युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर संयोजक राजीव ठाकुर ने की। विद्यालय के प्रधानाचार्य उदयराज ने कहा कि विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक कार्यों बल्कि सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करना चाहिए। इस दौरान अश्वनी सूद, तनिष्क बिंद्रा, विशाल श्रीवास्तव, रोहित श्रीवास्तव सहित अन्य छात्र व युवा वर्ग मौजूद रहा।

स्वरोजगार व इकाई लगाने को मिलेगा ऋण

मुरादाबाद, अमृत विचारः मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना वर्ष 2025-26 अन्तर्गत स्वरोजगार एवं नई इकाई स्थापित करने के लिए ऋण की सुविधा मिलेगी। इच्छुक से वेबसाइट पर ऑनलाइन आमंत्रित किये गए हैं। अभ्यर्थी की आयु 21 वर्ष से 40 वर्ष के बीच और उसे मुरादाबाद जिले का निवासी होना चाहिए।

संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार ने बताया कि अभ्यर्थी को ऋण आवेदन पत्र में पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, मशीन की कोटेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक पासबुक की फोटाप्रति एवं ट्रेनिंग प्रमाण पत्र तथा कार्यस्थल निजी होने का प्रमाण पत्र अथवा किराएदारी का अनुबंध पत्र ऑनलाइन संलग्न करना होगा। न्यूनतम अर्हता कक्षा 8 होनी चाहिए। सामान्य जाति को स्वयं का अंशदान 15 प्रतिशत व पिछडी जाति के आवेदक को 12.5 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति/जनजाति का अंशदान 10 प्रतिशत होगा। मार्जिन मनी (सब्सिडी) परियोजना लागत की 10 प्रतिशत देय होगी।

पारकर क्रिकेट अकादमी ने 10 विकेट से जीता मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

गेंदबाज ऋषभ को मैन ऑफ द मैच का खिताब देते आयोजक।

अमृत विचार : पारकर इंटर कॉलेज मैदान पर सोमवार को खेले गए बिशप पारकर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे ग्रुप के आखिरी लीग मुकाबले में पारकर क्रिकेट अकादमी ने चिल्ड्रन क्रिकेट अकादमी को 10 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। जीत के साथ पारकर क्रिकेट अकादमी ने सेमीफाइनल में प्रवेश का दावा मजबूत कर लिया है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चिल्ड्रन क्रिकेट अकादमी की टीम की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज संभल नहीं पाए। टीम की ओर से पुष्कर ने 32 रन और देवराज ने 20 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जबकि अन्य बल्लेबाज एक छोर पर टिक नहीं सके। पूरी टीम निर्धारित ओवरों में 138 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। पारकर क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाज ऋषभ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 18 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनके सटीक लाइन-लेंथ और नियंत्रित गेंदबाजी से चिल्ड्रन अकादमी के बल्लेबाजं दबाव में आ गए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी पारकर क्रिकेट अकादमी की टीम ने बेहद आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की। ओपनिंग जोड़ी ने शुरुआत से ही शॉट खेलते हुए रन गति को बनाए रखा।

काव्यांश ने 56 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि उनके साथी बल्लेबाज अंजार ने 50 रन बनाते हुए टीम को बिना कोई विकेट गंवाए 10 विकेट से जीत दिलाई। ऋषभ को मैन ऑफ द मैच चुना गया। अंपायरिंग दायित्व जेम्स और अक्षय ने निभाए।

राहत | लंबे समय से सड़कों पर हिचकोले खाकर निकलते थे लोग

सड़कों के गड्ढों से मिलने लगी निजात

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

आर आर के स्कूल रोड पर चल रहा है सड़क निर्माण का कार्य। • अमृत विचार

अमृत विचारः महानगर की जर्जर सड़कों व उसके गड्ढे से अब लोगों को निजात मिलने लगी है। इन जर्जर सड़कों पर लंबे समय से लोग गड्ढों में हिचकोले खाते हुए वाहनों से गुजर रहे थे। जिससे हादसे भी हुए। नवंबर में संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन सड़कों की सुध आई।

महानगर के सिविल लाइंस, अटल पथ, वार्ड 18 हरथला के आशियाना फेज एक में कांठ रोड मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़क पर बड़े गड्ढे अब नगर निगम व अन्य कार्यदायी विभागों के द्वारा भरवाए जा रहे हैं। हालांकि इन टूटी व गड्ढायुक्त सड़कों पर लोगों ने बरसात में हादसे की आशंका के बीच आवागमन किया। कई बार दो पहिया वाहन इन पानी भरे गड्ढों में असंतुलित होकर गिर गया जिससे वाहन से जाने वाले चोटिल भी हुए। लेकिन न तो नगर

- बरसात में इन गड्ढों में पानी भरने से बढ़ गई थी हादसे की आशंका

निगम व अन्य विभागों लोनिवि, एमडीए आदि ने सुधि ली। अब आशियाना फेज एक, फेज दो के अलावा रामगंगा विहार सहित अन्य कॉलोनियों व मुख्य मार्गों पर गड्ढे की पैच मरम्मत कराई जा रही है। जिससे लोगों को भले ही चमचमाती सड़क न मिल रही हो मगर गड्ढामुक्त सड़क की सुरक्षित लग रही है।

गुणवत्ता को लेकर सवाल

गुणवत्ता को लेकर लोगों के मन में सवाल अब भी है कि क्या फौरी तौर पर गड्ढे भरकर की जा रही पैच मरम्मत कुछ महीने या साल तक टिकाऊ रहेगी या नहीं। फिलहाल लोग राहत महसूस कर रहे हैं। क्योंकि इन मार्गों पर स्कूल, निजी हास्पिटल, मैरिज हाल, बैंक्वेट हाल आदि भी स्थित हैं जहां से होकर हजारों लोगों की आवाजाही होती है।

अमृत विचार

मुरादाबाद , मंगलवार, 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ग्राम रमपुरा के लोगों ने नरेश टिकैत से की मुलाकात

छजलैट, अमृत विचार : शोरम में चल रही भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की महापंचायत के दूसरे दिन बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत से छजलैट ब्लॉक के रामनगर उर्फ़ रमपुरा गांव के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। मुलाकात करने वालों में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष वीर सिंह ढाका, चौधरी नागेंद्र सिंह ढाका, विक्रांत ढाका, यतेन्द्र ढाका, सुरजीत ढाका, सोंटी ढाका, रॉबिन चौधरी, राजपाल सिंह ढाका, योगेश, वीर सिंह, बच्चन और गजराज सिंह ढाका शामिल रहे।प्रतिनिधिमंडल ने कृषि व ग्रामीण मुद्दों को लेकर चौधरी नरेश टिकैत से विचार-विमर्श किया।

प्रभारी निरीक्षक ने छह गोतस्करों पर लिखाया मुकदमा

भोजपुर,अमृत विचार : जिलाधिकारी अनुज कुमार की संस्तुति लेने के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने कस्बे के मोहल्ला जमींदारान गुलाबबाड़ी निवासी गैंग लीडर आस मौहम्मद पुत्र कलुआ,मोनीस पुत्र शफीक व नसीम उर्फ नन्दू पुत्र बाबू,जामा मस्जिद निवासी कमर पुत्र हफीजुल, तकिया वाला निवासी अल्तमस पुत्र शहजादे एवं मोहल्ला नक्कालान निवासी जुनैद पुत्र भूरा के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद व समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। एसएचओ ने बताया आरोपी गैंग लीडर आस मौहम्मद के साथ मिलकर गौवंशीय पशुओं का कटान कर समाज में वैमनस्यता पैदा करते हैं। इनके खिलाफ विभिन्न अदालतों में गोकशी के मुकदमें विचाराधीन है।

सरकारी अस्पताल से बाइक चोरी

कांठ, अमृत विचार : थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम आलमपुरी निवासी अर्जुन सिंह पुत्र खेम सिंह 10 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ से दवाई लेने आया था। उसने अपनी स्प्लेंडर बाइक अस्पताल के समीप ही खड़ी कर दी। दवा लेकर जैसे ही वह वापस आया उसने अपनी मोटरसाइकिल नहीं थी। पुलिस ने करीब 21 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

50 मीटर दौड़ में देव और सिमरा ने भरा सबसे तेज फर्राटा

उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी में न्याय पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित, छात्र-छात्राओं में दिखा भारी उत्साह

संवाददाता, कांठ

खेलकूद प्रतियोगिता आरंभ करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: न्याय पंचायत स्तरीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी में किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्रधान मेहरुनीशा ने किया।

खेल कूद प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर 50 मीटर दौड़ बालक वर्ग में देव, कंपोजिट विद्यालय अकबरपुर चौदरी ने प्रथम स्थान, बालिका वर्ग में सिमरा, कंपोजिट विद्यालय अकबरपुर चौदरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में फरदीन, कंपोजिट विद्यालय डाइट परिसर कांठ, बालिका वर्ग में सिमरा, कंपोजिट विद्यालय अकबरपुर चौदरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में फरदीन, कंपोजिट विद्यालय डाइट परिसर कांठ, बालिका वर्ग में सिमरा, कंपोजिट विद्यालय अकबरपुर चौदरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद बालक वर्ग में फजल, प्राथमिक विद्यालय सलेमपुर प्रथम ,बालिका वर्ग में राधा कंपोजिट विद्यालय भागीजोत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उच्च प्राथमिक स्तर 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में सानिब उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी ,बालिका वर्ग में वंशिका कंपोजिट विद्यालय बेगमपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में सानिब उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी,बालिका वर्ग में वंशिका कंपोजिट विद्यालय बेगमपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।400 मीटर बालक वर्ग में दीपांशु कंपोजिट विद्यालय भागीजोत,बालिका वर्ग में संजना कंपोजिट विद्यालय पाइंदापुर से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

लंबी कूद बालक वर्ग में सानिब उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी,बालिका वर्ग में आफ़िया कंपोजिट विद्यालय कांठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।गोला फेंक बालक वर्ग में अजीम कंपोजिट विद्यालय कासमपुर,बालिका वर्ग में जीनत उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद बालक वर्ग में सानिब उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी,बालिका वर्ग में आफिया कंपोजिट विद्यालय कांठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चक्का फेंक बालक वर्ग में हर्ष उच्च प्राथमिक गढ़ी,बालिका वर्ग में ज़ीनत उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम का संचालन जुबैर अहमद द्वारा किया गया।प्रधानाध्यापक अजमा नाज का सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

फत्तेपुर विश्नोई स्कूल में खेल प्रतियोगिता आयोजित

कांठ, अमृत विचार : न्याय पंचायत फत्तेपुर विश्नोई की न्याय पंचायत स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय हकीमपुर में किया गया। प्रतियोगिता का आरम्भ डॉ. कपिल सिरोही, अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक करतार सिंह व संकुल प्रभारी हेतराम सिंह ने किया। प्राथमिक बालक वर्ग में 50 मीटर, 100 मीटर व 200 मीटर में रचित, प्राथमिक विद्यालय चंगेरी ने प्रथम,जूनियर स्तर में 100 मी में बासु, जूनियर विद्यालय फत्तेपुर प्रथम ने प्रथम स्थान,200 मीटर में अल्फाज जूनियर हाई स्कूल चंगेरी ने प्रथम स्थान व 400 मीटर में तोहिद जूनियर हाई स्कूल फत्तेपुर प्रथम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग प्राथमिक स्तर 50 मीटर, 100 मीटर,200 मीटर में राधिका, जूनियर हाई स्कूल फतेहपुर (कंपोजिट) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जूनियर स्तर बालिका वर्ग में 100 मीटर में सामिया, 200 मीटर में साक्षी ने प्रथम व 400 मीटर में दीव्यांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी में बालक वर्ग में जूनियर हाई स्कूल फत्तेपुर (कम्पोजिट) व बालिका वर्ग में जूनियर हाई स्कूल फत्तेपुर प्रथम ने जीत दर्ज की। व्यायाम शिक्षिका मीनू कुमारी,संकुल शिक्षक रामचंद्र, शिवानी चौधरी, दीपशिखा विश्नोई का विशेष योगदान रहा। सर्मेन्द्र सिंह, हरवीर सिंह, दिनेश कुमार, अशोक विश्नोई,श्रुति श्रीवास्तव, दीपक चौहान, अनुपमा रानी वर्मा, चंद्रपाल सिंह, मिनाक्षी वर्मा,नरेन्द्र सिंह,जितेंद्र सिंह, जौली, सलिल चौधरी, किरण बाला, हरपाल सिंह,पूजा, शिप्रा शर्मा, मंजू शर्मा, विवेक सागर,सुनील कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

युवक का लहूलुहान हालत में शव मिला

कुंदरकी, अमृत विचार: लहूलुहान हालत में युवक का शव मिला। युवक के सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

बहजोई के मोहल्ला नई बस्ती दुर्गा कालोनी निवासी अनिकेत शर्मा पुत्र बाबूराम शर्मा मुरादाबाद में एक फर्म में काम करता था। रविवार की शाम उसके दोस्त की कुंदरकी में शादी थी। वह शादी में शामिल होने के बाद चला गया लेकिन घर नहीं पहुंचा । चंदौसी, मुरादाबाद, कुंदरकी बाइपास स्थित गांव जैतपुर निवासी भीमसेन दिवाकर के खेत में सोमवार तड़के उसका शव ग्रामीणों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। कुंदरकी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने की कोशिश की लेकिन कोई भी शिनाख्त नहीं हो पाई थी। इसके बाद पुलिस ने सोशल मीडिया के सहारे युवक की शिनाख्त की तो परिजनों का जानकारी दी। क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों ds शिकायती पत्र मिलने के बाद कार्यवाही की जाएगी।

मेला में छात्रों को करियर चुनाव के बारे में बताया

कैरियर मेले में उपस्थित स्टाफ व अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता,कांठ

अमृत विचार: राजकीय हाई स्कूल बेगमपुर में करियर मेला का आयोजन किया गया।

डा. रीना तोमर ने छात्रों को रुचि, क्षमता और करियर झुकाव को समझने में मदद की। उन्होंने छात्रों को एटिट्यूडऔर एप्टिट्यूड के बीच अंतर समझाया कि एटिट्यूड किसी विषय के प्रति हमारा दृष्टिकोण, विचार और व्यवहार है, जबकि एप्टिट्यूड किसी क्षेत्र में हमारी प्राकृतिक योग्यता और क्षमता को दर्शाता है। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. अनिल यादव, प्रवक्ता, डाइट कांठ, तथा डॉ. शशिवाला, प्रवक्ता (एजुकेशन एवं अंग्रेजी), डाइट कांठ, डा. राजीव चौधरी (समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ) ने मार्गदर्शन किया। एसएमडीसी उपाध्यक्ष डॉ. राजकुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। प्रभारी राजवीर सिंह ने संचालन किया। प्रधानाचार्य डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा ने कहा कि करियर मेला छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत उपयोगी है। ब्यूटीशियन पूजा ने भी मार्गदर्शन किया।

शहीद भगत सिंह आर्मी दौड़ प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल

संवाददाता,कांठ

सम्बोधित करते स्वामी प्रणवानन्द जी महाराज। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर के डीएसएम कॉलेज मैदान में शहीद भगत सिंह आर्मी दौड़ प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

भीमगोडा हरिद्वार के महंत स्वामी प्रणवानन्द महाराज ने कहा कि युवाओं के अंदर अनुशासन, साहस, निष्ठा और देशप्रेम जैसे गुण सेना की ही तरह होने चाहिए। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि मन में एकाग्रता और लक्ष्य प्राप्ति की क्षमता भी बढ़ाते हैं। युवा पीढ़ी जितनी अधिक खेलों से जुड़ेगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत बनेगा। उपनिरीक्षक संजीव कुमार, सेंट पॉल्स इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर जितेंद्र विश्नोई, अखिल भारतीय विश्नोई सभा के जिलाध्यक्ष भानु विश्नोई सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभागियों की हौसलाफजाई की। 1600 मीटर रेस में भूरा बिजनौरी प्रथम, अर्जुन द्वितीय एवं नितिन यादव तृतीय स्थान पर रहे।

800 मीटर में मुसीम, मोंटी गुज्जर एवं वाशु चौधरी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर में अतुल कुमार, अमित पाल, राजकुमार चौधरी एवं 100 मीटर में अरमान, गौरव एवं आदित्य चौधरी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये। जुल्फिकार अहमद ठेकेदार, विष्णु प्रजापति, विशाल बिश्नोई, हरिओम प्रजापति, मोहम्मद आसिफ, दिव्यांश विश्नोई भाजपा, यश बिश्नोई (फौजी), हैप्पी विश्नोई भारतीय किसान यूनियन टिकैत युवा जिला उपाध्यक्ष मुरादाबाद, मोहित थापर हिमांशु बिश्नोई, मुनिराज, अनिरुद्ध, वासुदेव , अनिकेत, मनजीत बिश्नोई, अवनीश आदि लोग रहे।

स्कूटी सवार मां–बेटी घोड़ा बुग्गी से टकराकर घायल

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : सोमवार दोपहर हुई सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार मां–बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब ठाकुरद्वारा की ओर आ रही स्कूटी के सामने अचानक घोड़ा बुग्गी आ गई, जिससे स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर गिर गई । दोनों मां बेटी घायल हो गए और स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई । दोनों घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया ।

थाना क्षेत्र के गांव मिलक निवासी सुनील कुमार की पत्नी मनु व उनकी मां रिंकू देवी किसी काम से ठाकुरद्वारा आ रही थीं कि तभी आलियाबाद भट्टे के पास सामने से आई घोड़ा बुग्गी स्कूटी से टकरा कर स्कूटी सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई जिससे मां–बेटी सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत

घायल मनु।

घायल रिंकू।

हादसे की सूचना 108 एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस कर्मियों ने दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार मनु और रिंकू दोनों को कई स्थानों पर चोटें आई हैं।

धर्म रक्षा समर्पण अभियान के तहत जुटाई निधि

धर्म रक्षा निधि एकत्र करते विहिप बजरंगदल कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता,कांठ

अमृत विचार: विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा रविवार को ग्राम पैगंबरपुर में धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान के तहत घर-घर जाकर निधि एकत्र की।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि धर्म रक्षा निधि का उद्देश्य समाज में हिंदू धर्म को मजबूत करना, धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देना, तथा धर्म के संरक्षण से जुड़े विविध कार्यों को आगे बढ़ाना है। यह निधि मंदिरों, धार्मिक आयोजनों, धर्म शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण तथा संगठनात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ करने में उपयोग की जाती है। कार्यकर्ताओं ने लोगों से कहा कि हिंदू समाज की एकता, जागरूकता और धार्मिक शक्ति बढ़ाने में हर व्यक्ति का सहयोग महत्वपूर्ण है। इस मौके पर चौधरी मोनू बिश्नोई बजरंगी, अखिलेश चौहान, डॉ. राहुल पाल, बिट्टू ठाकुर, अंकित चौहान सहित संगठन के कई सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और नई कार्ययोजना पर किया गया मंथन

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

ठाकुरद्वारा के कृषि विज्ञान केंद्र पर सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेते वैज्ञानिक।

अमृत विचार : कृषि विज्ञान केंद्र ठाकुरद्वारा पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति एसएसी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गत वर्ष की उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा के साथ आगामी वर्ष के लिए कार्ययोजना व तकनीकी कार्यक्रमों पर गहन चर्चा की गई।

बैठक में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रसार निदेशालय से संयुक्त निदेशक डॉ. सतेंद्र खारी, डॉ. मुकेश (प्राध्यापक, एग्रोनॉमी), डॉ. पी.के. सिंह (प्राध्यापक) तथा प्रो. एसके लोधी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, मत्स्य सहायक निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, निदेशक गन्ना शोध काशीपुर, सहायक निदेशक मृदा परीक्षण (मुरादाबाद), जिला गन्ना अधिकारी, भूमि संरक्षण प्रभारी अधिकारी डॉ. रवींद्र कुमार ने किया।

दोनों केंद्रों के प्रमुख वैज्ञानिकों दीपक कुमार, डॉ. शिवशंकर वर्मा, अविनाश चौहान, डॉ. विश्ववेन्द्र और डॉ. सौरभ तोमर ने गत वर्ष की गतिविधियों, उपलब्धियों और तकनीकी हस्तांतरण से जुड़े प्रकरणों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. पी.के. सिंह ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र किसानों और वैज्ञानिकों के बीच मजबूत सेतु है। किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तकनीक का प्रभावी प्रसार हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

संचालन अविनाश चौहान वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान, के वी के मुरादाबाद-द्वितीय ने किया। पुष्पराज यादव, जीडी देवरारी, रणवीर सिंह, दिनेश कुमार आदि मौजूद रहे ।

● वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

अधिकारी सहित अनेक विभागीय प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। अतिथियों का स्वागत कृषि विज्ञान केंद्र मुरादाबाद-द्वितीय के

एनडीआरएफ ने दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

कांठ/ छजलैट, अमृत विचार: डीएसएम इंटर कॉलेज कांठ एवं राजेंद्रा एकेडमी भीकनपुर में सोमवार को एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन गाजियाबाद द्वारा आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डीएसएम इंटर कॉलेज में इंस्पेक्टर समन किशोर गुप्ता के नेतृत्व में पहुंची टीम ने बाढ़, भूकंप, आग लगने की स्थिति, सांप के काटने, बिजली गिरने, हादसे में घायल होने पर प्राथमिक उपचार, पट्टी बांधने और उपलब्ध संसाधनों से स्ट्रेचर बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रैक्टिकल प्रदर्शन किया। टीम ने छात्रों को सचेत ऐप और दामिनी ऐप के उपयोग की भी जानकारी दी। सीकेगुप्ता और उनकी टीम ने आपदा प्रबंधन की बारीकियों से रूबरू कराते हुए प्राकृतिक आपदाओं भूकंप, बाढ़, सड़क दुर्घटना, सर्पदंश आदि से बचाव के तरीकों की प्रयोगात्मक जानकारी दी। बताया कि आपदा काल में भयभीत न हों और संयम रखें। प्रधानाचार्या सरिता रानी ने टीम का आभार जताया।

एसआईआर के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

सहसपुरी में जागरूक करते भाजपा नेता ठाकुर अजय प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता ,ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : देश भर में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों को पारदर्शी बनाने को लेकर मतदाता गहन परीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया गया है।

ठाकुरद्वारा विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी ठाकुर अजय प्रताप सिंह ने सोमवार को ब्लॉक डिलारी क्षेत्र के अल्हेपुर, दौलावाला, सुल्तानपुर मुण्डा, सहसपुरी, इग्रहा, एवं नारायणपुर तेजू गांवों में एसआईआर अभियान को लेकर बैठक की। इस बैठक में उन्होंने बूथ अध्यक्षों एवं बीएलए-2 से मतदाताओं के निर्वाचन कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की।

ग्रामीणों को बताया की एसआईआर अत्यंत महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूचियां को शुद्ध, त्रुटिहीन, सटीक बनाया जाना हैं। ताकि प्रत्येक योग्य नागरिक का मत सुरक्षित रूप से चुनाव में शामिल हो सके। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष हरपाल सिंह, शक्ति केंद्र सायोज़क कपिल सैनी, बूथ अध्यक्ष नरेंद्र सैनी, देवेंद्र चौधरी, मुकेश चौहान,सोनू कुमार,रजनी जाटव, राजवीर चौधरी एवं भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो. 7906815587

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने, मेरे परिवार ने अपने सगे पुत्र राजकुमार के गलत कृत्य के कारण संबंध विच्छेद कर लिए। इसका मेरी चल, अचल संपत्ति, भूमि , लेनदेन, विवादो से कोई लेना देना नहीं है। **बिशम्बर सिंह पुत्र लल्लू सिंह निवासी आसेपुर नत्थन गांवड़ी, नौगांवा सादात, तहसील व थाना नौगांवा सादात अमरोहा।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

तालाब पर कब्जा से किसान परेशान

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

जिला पंचायत सदस्य से बात करते किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गांव गोपीवाला में तालाब पर अवैध कब्जे और जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर किसानों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। नाराज किसानों ने भाजपा के जिला पंचायत सदस्य दिनेश सिंह का घेराव कर तालाब को पुनः खुदवाने और नाला निर्माण की मांग की।

ग्रामीणों के मुताबिक, गांव का पानी वर्षों से तालाब में इकट्ठा होता था, लेकिन कुछ दबंग ग्रामीणों द्वारा तालाब की लगभग आधी जमीन पर कब्जा कर उसे पाटा जा चुका है। पहले तालाब करीब 8 बीघा में फैला था, लेकिन कब्जे के बाद अब केवल 4 बीघा जमीन ही बची है।तालाब पाटे जाने के कारण पानी का बहाव बाधित हो गया है, और अब गांव का पानी सीधे किसानों की गेहूं की फसल में घुस रहा है, जिससे फसलें खराब होने लगी हैं।कई बार ग्राम प्रधान पति जाकिर अहमद से भी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सोमवार को किसानों नेजिला पंचायत सदस्य दिनेश सिंह के सामने समाधान की मांग रखी। सत्यपाल सिंह, गजराम सिंह, जयप्रकाश सिंह, दिनेश सिंह, किशन सिंह, होरी सिंह, हरगोबिंद सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

● किसानों ने तालाब खुदवाने व नाला निर्माण की उठायी मांग

मंडलायुक्त से अस्पताल निर्माण रुकवाने की मांग

संवाददाता ,ठाकुरद्वारा

शिव मढी मंदिर की भूमि पर अवैध निर्माण दिखाता प्रतिनिधि मंडल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : ठाकुरद्वारा मुरादाबाद हाईवे किनारे स्थित प्राचीन श्री शिव मढी मंदिर की भूमि पर अनाधिकृत रूप से आयुर्वेदिक अस्पताल के निर्माण को रोकने के संबंध में प्रतिनिधि मंडल ने मंडलायुक्त से मिलकर निर्माण रोके जाने की मांग की ।

सोमवार को ठाकुरद्वारा के प्रतिनिधि मंडल ने मंडलायुक्त से मिलकर ज्ञापन दिया। कहा कि गाटा संख्या 595, 617, 618 और 660 राज्य अभिलेखों में चकबंदी के समय से ही मढी मंदिर के नाम पर दर्ज है। उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार इस भूमि पर मालिकाना हक मंदिर का है। कुछ लोगों द्वारा मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। कुछ हिस्से पर आयुर्वेदिक अस्पताल के निर्माण का प्रयास हो रहा है। इससे मंदिर की भूमि और प्राचीन पीठ को खतरा हो सकता है। ज्ञापन में मंडलयुक्त से जांच कराये जाने और तब तक निर्माण पर रोक लगाने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने मुरादाबाद से वापस लौटकर मंदिर की भूमि पर चारदीवारी करने का लिया संकल्प । ज्ञापन देने वालों में पूर्व सभासद राजेंद्र पांडे, शिवेंद्र गुप्ता,आशीष अग्रवाल, संजयसिंघल, सौरभ अग्रवाल,सचिन अग्रवाल, राज सिंघल, भाजपा के मंडल अध्यक्ष दीपक वाल्मीकि, कमलेश कुमार आदि मौजूद रहे ।

● शिव मढी मंदिर की भूमि पर आयुर्वेदिक अस्पताल का विरोध, दिया ज्ञापन

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री योगी से मिले विधायक आकाश

रामपुर,अमृत विचार : शहर विधायक आकाश सक्सेना रविवार को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले। उन्हें गुलदस्ता देकर स्वागत किया। शहर के विकास को लेकर चर्चा हुई। कई राजनीतिक बातों को लेकर भी चर्चा हुई।

नि:शुल्क तैयारी के लिए करें आवेदन

रामपुर,अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत राजकीय रजा इंटर कॉलेज में संचालित कोचिंग में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सिविल सेवा परीक्षा नीट-यूजी और वनडे एग्जाम की कक्षाएं चल रही हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सूरज कुमारी ने योजना के तहत परीक्षा की तैयार के लिए अभ्यर्थियों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जनपद में चल रही है। अभ्यर्थी कॉलेज में प्रात: 10 बजे से अपराह्न 2 तक शैक्षणिक रिकार्ड की छायाप्रति सहित आवेदन कर सकते हैं।

अधिकारियों संग प्रमुख सचिव ने की बैठक

रामपुर,अमृत विचार : प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद, उपभोक्ता मामले तथा राजस्व विभाग रणवीर प्रसाद ने सोमवार को जनपद रामपुर का दौरा किया। उन्होंने संत शिरोमणि रविदास सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ राजस्व विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी स्वार अमन देओल व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खाली पदों के लिए एक दिसंबर तक करें आवेदन

रामपुर, अमृत विचार : जिले में शासकीय अधिवक्ताओं के रिक्त पदों के सापेक्ष पैनल गठित कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) 1 एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व)1 एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) 2 रिक्त पदों के लिए आवेदन 1 दिसंबर तक आमंत्रित किए गए हैं। जो 1 दिसंबर तक उपलब्ध करा सकते हैं। जिला मजिस्ट्रेट अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि अधिक जानकारी कार्यालय से ली जा सकती है।

शादी से लौट रहे ममेरे-फुफेरे भाइयों की दुर्घटना में मौत

भोट के कोयली के पास वाहन ने मारी टक्कर, बाइक पर थे तीन लोग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अस्पताल में खड़े परिजन। ● अमृत विचार

मृतक रामपाल।

मृतक वीर सिंह।

अमृत विचार: रविवार शाम को एक वाहन ने बाइक पर सवार तीन रिश्तेदारों को टक्कर मार दी। जिसमें ममेरे-फुफेरे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिवार में एक साथ दो मौतों से कोहराम मच गया।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव हरदापुर कोठरा निवासी वीर सिंह (35) का गांव मुस्तफाबाद निवासी ममेरा भाई रामपाल (35) एक अन्य रिश्तेदार नरेश के साथ बाइक से रविवार सुबह शहजादनगर थाना क्षेत्र में किसी शादी में शरीक होने गए थे। शाम को तीनों बाइक से घर लौट रहे थे।

भोट थाना क्षेत्र के गांव कोयला के पास उनकी बाइक में किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों लोग घायल हो गए। आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। सूचना के बाद पुलिस भी आ गई। तीनों घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। जहां वीर सिंह और रामपाल को मृत घोषित कर दिया। जबकि नरेश की हालत गंभीर होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सूचना के बाद परिजन पहुंच गए। सभी का रो रोकर बुरा हाल है।

शव घर पहुंचते ही मची चीख पुकार

दोपहर बाद दोनों वीर सिंह और रामपाल के शव दोनों घर पहुंचे तो दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया। घर की औरतों का रो रोकर बुरा हाल था। शाम को दोनों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक वीर सिंह ने अपने पीछे चार बच्चें तो रामपाल ने दो बच्चे छोड़े है। अब इनका पालन पोषण कैसे होगा। पूरे दिन गांव में लोगों का तांता लगा रहा।दोनों के शव अलग-अलग गांव से निकलते ही हर व्यक्ति की आंख नम हो गई।

मारपीट में जख्मी वृद्ध की उपचार के दौरान मौत

शाहबाद, अमृत विचार: रंजिश को लेकर हुई मारपीट में जख्मी वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई।

कोतवाली क्षेत्र के गांव धुरियाई निवासी बलवीर का बेटा रणवीर अंबाला में काम करता है। गांव निवासी गुड्डू और रोहन भी अंबाला में काम करते हैं। आरोप है 3 नवंबर को आरोपी रणवीर के पास पहुंचे और उसके साथ मारपीट की। रणवीर ने जानकारी परिजनों को दी। जिस पर मृतक बलवीर शिकायत लेकर आरोपियों के घर पहुंचा तो वहां मौजूद लोगों ने बलवीर पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। बलवीर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मुरादाबाद के निजी अस्पताल में उसका उपचार चल रहा था। सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उसे दिल्ली रेफर कर दिया। दिल्ली ले जाते समय बलवीर ने दम तौड़ दिया। पुलिस ने अजब सिंह, महताब, धर्मपाल एवं रविंद्र के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया था। शाहबाद कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था, कार्रवाई जारी है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

किसानों का शोषण किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

पंचायत को संबोधित करते किसान नेता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

● भारतीय किसान यूनियन भानु की पंचायत में जुटे पदाधिकारी व कार्यकर्ता

अमृत विचार: सोमवार को भारतीय किसान यूनियन भानु की पंचायत ग्राम मिलक बिचौला स्थित मंडल कोषाध्यक्ष सैयद जमाल आरिफ मियां के फार्म हाउस पर हुई। जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम वारसी ने कहा कि किसानों का शोषण व अपमान किसी भी कीमत बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम वारसी ने कहा कि किसानों का शोषण व अपमान किसी भी कीमत बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसान मजदूर एक हो जाए। अपना अधिकार मांगने से नहीं छीनने से मिलेगा। 24 नवंबर को आंबेडकर पार्क में भारी संख्या में किसान एकत्रित हो। जिले भर के पदाधिकारी कार्यकर्ता अपनी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी से मिलेंगे।

गन्ना किसानों का रेट 500 कुंतल होना चाहिए।धान क्रय केंद्रों पर किसानों के धान पूरे जिले में नहीं तोला जा रहा है। पंचायत की अध्यक्षता फरीद अली खान की की। संचालन संजीव ने किया। इस मौके पर आरिफ अली, गुड्डू, शाकिर अली, जमुना प्रसाद, मुराद खान, इमरान खान, शाने अली, नाजिम, फरजाना, इलियास अहमद, मुबारक हसन शामिल हुए।

वन विभाग की मिलीभगत से काटे जा रहे शीशम के पेड़

मिलक, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम एमी में अवैध रूप से छह पेड़ों को काट लिया गया। सूचना पर पहुंची। वन विभाग की टीम ने मौका मुआयना किया। वहीं विभाग ने खेत स्वामी और ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही की बात की है।

मामला क्षेत्र के ग्राम एमी का है। जहां गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने खेत में लगे छह शीशम के पेड़ों को बिना परमिशन के रविवार को वन विभाग के अधिकारियों की मदद से कटवा दिया। मामला तूल पकड़ा तो अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर वीडियोग्राफी की। वन विभाग के अधिकारियों की माने तो उन्होंने लकड़ी के ठेकेदार और खेत स्वामी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

वन विभाग की अनदेखी के चलते आए दिन हरे पेड़ों की कटान खुलेआम विभागीय मिलीभगत से की जा रही है। वन रेंजर संतोष ने बताया कि मामला संज्ञान आने पर मौके पर जाकर देखा गया तो शीशम के 6 पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है। खेत स्वामी और ठेकेदार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

समस्याओं को लेकर किसानों ने की पंचायत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते किसान। ● अमृत विचार

● प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की सोमवार को कलेक्ट्रेट में पंचायत हुई। उसके बाद ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया। पंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार ने कहा की जनपद में धान खरीद व्यवस्था पूरी ध्वस्त है।

तहसील मिलक मंडी, शाहबाद मंडी में अनियमितताएं पाई गई है। मंडियों में रजिस्टर नहीं बनवाए गए हैं,कौन किसान आया कितने धान की खरीद की गई। उसका ब्यौरा मंडी के सचिव मनोज सूजी व मिलक मंडी के सचिवालय 18 धान केंद्रों के प्रभारी नहीं दिखा पाए। उद्यान विभाग को सरकार ने सब्सिडी पर आलू, मिर्ची, लाई लहसुन आदि का प्रमाणित बीज किसानों को वितरण के लिए दिया था, जो दुकानदारों को बेच दिया। ताकि घोटाले का पर्दाफाश ना हो सके। उसकी जांच कराई जाए। सहकारिता विभाग में जनपद में 64 पेज समितियां है। पुलिस कानून व्यवस्था में थाना मिलक व थाना कमरी, थाना शाहबाद व थाना खजुरिया शिकायतकर्ताओं से पुलिस कर्मियों द्वारा निजी कार्य के लिए मिट्टी घर पर ले जाने पर भी जबरन ट्रैक्टर ट्रॉली बंद कर वसूली करते हैं।

ज्ञापन देने वालों में विजयपाल कश्यप,सुनील मौर्य,फरीद खां, बाबर खां, शाहिद खां, अमित गंगवार, नीरज कुमार, हाजी रफीक अहमद, रामनाथ मौर्य, नीरज सागर, फूल सिंह गंगवार,अनिल बघेल, अनोखेलाल, भूरा अहमद,आसिफ अली, बाल किशोर पांडे, मुताहित खां, सामी खां, मुशीब, अब्दुल रज्जाक खान समेत अधिक संख्या में किसान मौजूद रहे।

जागरुकता रैली को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम डीएम अजय कुमार द्विवेदी और सीएमओ डॉ. दीपा सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार: डीएम अजय कुमार ,द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत आयोजित जागरुकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली आंबेडकर पार्क से गांधी समाधि, नवाब गेट, मिस्टनगंज चौराहा, किला गेट, बापू मॉल होते हुए फिजिकल ग्राउंड में समाप्त हुई।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे तंबाकू मुक्त युवा अभियान भाग 3 के तहत स्वास्थ्य विभाग ने स्कूटी एवं बाइक रैली का आयोजन किया। रैली का आरंभ डीएम अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा आंबेडकर पार्क से हरी झंडी दिखाकर किया। जागरुकता रैली अंबेडकर पार्क से गांधी समाधि, नवाब गेट, मिस्टनगंज चौराहा, किला गेट, बापू मॉल होते हुए फिजिकल ग्राउंड में समाप्त हुई।

● मिस्टनगंज चौराहा, किला गेट बापू मॉल होते हुए फिजिकल ग्राउंड में हुआ समापन

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने जनमानस को तंबाकू का उपयोग न करने और अन्य को तंबाकू संबंधी रोगों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। रैली में स्वास्थ्य विभाग से अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी अधिकारी, नोडल अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, डॉ. चहल डॉ. वर्मा चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

उपेक्षा करने वाले दलों को सिखाएंगे सबक

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

बैठक के दौरान मौजूद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● भोट में रविवार को तुरैहा मछुआ समाज की बैठक

अमृत विचार: तुरैहा मछुआ समाज के जिलाध्यक्ष कमल कुमार तुरैहा ने कहा कि समाज के लोग पंचायत चुनाव संगठित होकर मजबूती के साथ लड़े। अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं। साथ ही समाज की अपेक्षा करने वाले राजनीतिक पार्टियों को भी जवाब दें।

रविवार को वह संगठन के उपाध्यक्ष हरिशंकर के आवास पर आयोजित बैठक में बोले,कहा कि समाज को कमजोर करने वालों का पर्दाफाश करने तथा युवाओं को संगठन की नीतियों से जोड़ने का भी निर्णय लिया। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने की अपील की गई। कहा की भगवान निषाद राज की प्रतिमा रामपुर शहर में स्थापित करने की मांग नगर विधायक आकाश सक्सेना से करेंगे।

भगवान निषाद राज भगवान श्री राम के परम भक्त रहे हैं। उनके नाम से एक चौक बनाया जाएं। समाज इसकी भी मांग करेगा।इस मौके पर अजय कुमार, मुरारी लाल, लाल सिंह, जबर सिंह, दिलीप चंद, द्वारका प्रसाद, नंदकिशोर, राजीव कुमार, ओमप्रकाश, राम प्रकाश, डालचंद, शिवकुमार, दिनेश कुमार, विनोद कुमार, विजयपाल, हरपाल सिंह, महेंद्र मास्टर, पूरनलाल रामगोपाल, रवि कुमार, राहुल सिंह, मोहित कुमार, संजय, यश तुरैहा आदि मौजूद रहे।

रुख बदल देता है अदना सा इशारा तेरा

संवाददाता,सैदनगर

● खेमपुर में रात भर कव्वालियों का मुकाबला सुनते रहे लोग

अमृत विचार: देश के मशहूर कव्वाल तसनीम आरिफ ने रुख बदल देता है अदना सा इशारा तेरा गाया तो मजमें में मौजूद पब्लिक झूमने लगी। कव्वाली मुकाबला देखने के लिए दूर दराज से लोग आए थे।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के इमरती खेमपुर स्थित हजरत गाजी शाह मियां के मजार पर सालाना उर्स जारी है। सोमवार रात हिंदुस्तान के फेमस कव्वाल तसनीम आरिफ अपने कलाम पेश किया। कव्वाल ने शुरुआत में हजरत की शान में कव्वाली सुनाई तो पब्लिक झूमने लगी। आरंभ स्वार विधायक के भाई रफीक व प्रधान खेमपुर फिरोज पाशा ने फीता काटकर किया। बरेली से आईं कव्वाल वफा नियाजी ने भी कलाम पेश किया। रात 2 बजे तक कार्यक्रम चलता रहा। पुलिस का इंतजाम रहा। गुरुवार को देश के मशहूर कव्वाल अरशद कमली और रोशनी चंचल के बीच जोरदार मुकाबला होगा।

कार्यक्रम में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

सिटी डायरी

आध्यात्मिक हरित दौड़ से दिया हरी वसुंधरा का संदेश

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर हाईवे स्थित हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र द्वारा आंबेडकर पार्क से गांधी समाधि तक ग्रीन हार्टफुलनेस रन कार्यक्रम हुआ। हार्टफुलनेस इवेंट कोऑर्डिनेटर एवं आयुर्वेद मनोचिकित्सक डॉ. कुलदीप सिंह चौहान ने कहा कि इस ईवेंट का उद्देश्य हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक पदम विभूषण कमलेश देसाई पटेल द्वारा ध्यान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और आंतरिक शांति के लिए जन समुदाय को जागरूक करना है। हार्टफुलनेस संस्थान ने गतिविधि संपूर्ण भारत के सभी जिलों सहित 168 देशों के प्रमुख शहरों में एक साथ आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले अभ्यासियों ने सुबह आंबेडकर पार्क में आधा घंटा ध्यान किया। आठ बजे वरिष्ठ ध्यान प्रशिक्षक जगदीश सरन और देवतोष चंद ने झंडी दिखाकर ग्रेन्यूल्स ग्रीन हार्टफुलनेस रन शुरू कराई। प्रमोद कुमार, पंकज सक्सेना, वीर सिंह, डॉ. ओम, जया, कृष्ण, सर्वेश देवी, मोहित कुमार, राजेश कुमार, लोकेश, धर्मपाल, एसके जौहरी आदि ने प्रतिभाग किया।

अफसरों को हटाने के लिए प्रदर्शन

रामपुर, अमृत विचार : सोमवार को भारतीय किसान संघ द्वारा मिलक बिजली घर पर प्रदर्शन किया। किसानों ने बिजली विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनुशासनहीनता के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। टीजीटू सरोज यादव को निलंबित करने की मांग उठाई। एसडीओ और जेई को एक माह में हटाया जाए। एसडीओ शाहबाद अलंकृत मिश्रा ने समस्याएं सुन निस्तारण करने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष वीरेश शर्मा ने कहा कि मांगें नहीं माने जाने पर संघ आंदोलन को बाध्य होगा। प्रदर्शन में जिले भर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कहा कि संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक न्याय नहीं मिलता। इस दौरान प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार, मथुरा प्रसाद,अरविंद कुमार, आशीष चंद, राम बहादुर भगत, घनश्याम कुर्मी, टिटू पांडे,अजय गंगवार, अनमोल दिवाकर, रेवतीनंदन गंगवार, सुमित कश्यप उपस्थित रहे।

कैंप में आई 14 शिकायतें, 11 निपटीं

शाहबाद, अमृत विचार : बिजली संबंधी समस्याओं के निदान के लिए शाहबाद बिजलीघर में मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान केवल 14 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। अन्य शिकायतों को संबंधित कर्मचारियों को सौंप दिया। कर्मचारियों को जल्द से जल्द निस्तारण के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया की सरकार की मंशा के अनुरूप बिजली निगम उपभोक्ताओं की समस्याओं का निस्तारण में लगा हुआ है। इसी क्रम में कैंप का आयोजन किया जा रहा है।जिससे अधिक से अधिक समस्याओं का निस्तारण किया जा सके। इस अवसर पर कार्यकारी सहायक विनेंद्र सिंह रावत, अमित यादव, राहुल कुमार, आकाश मिश्रा, रामवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत आठ पर रिपोर्ट

शाहबाद,अमृत विचार: ढकिया चौकी क्षेत्र के गांव ओसी ओसी निवासी रशीद की बेटी मेनाज के मुताबिक उसकी शादी चार वर्ष पूर्व शाहबाद के मोहल्ला नखासा निवासी इकराम के साथ हुई थी।

शादी में उसकी विधवा मां व विकलांग भाई ने अपनी हैसियत के मुताबिक दान दहेज दिया था। लेकिन दिये गये दान दहेज से उसका पति इकराम, सास मुन्नी, देवर निजाम, देवरानी मैराज, जेठ भूरा, रिजवान, जेठानी राहत ननद सीमा खुश नहीं थे। शादी के बाद से ही कम दहेज लाने का ताना देकर वे उसे प्रताड़ित करने लगे। बुरी तरह से मारपीट करने के साथ-साथ शारीरिक व मानसिक यातनाएं देते थे। इसी के साथ वे पीड़िता से पांच लाख नगद और कार की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने पीड़िता को घर से बाहर निकाल दिया। मामले में पुलिस ने एसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

देखूं कभी जो ख्वाब में खैर-उल-अनाम को...

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

खानकाह अहमदिया कादरिया में हुए मुशायरे में कलाम पेश करते शायर।

● खानकाह अहमदिया में हुआ मुशायरा

अमृत विचार: खानकाह अहमदिया में हजरत सैय्यदना शाह अहमद अली खां और हजरत खतीब-ए-आजम मौलाना शाह वजीहुद्दीन अहमद कादरी मुजद्दिदी (र.अ.) के उर्स के दूसरे दिन मुशायरा हुआ। रविवार को बाद नमाजे मगरिब डॉ. शायरउल्लाह खां वजीही, मौलवी मोहम्मद नासिर खां कादरी और मौलवी अब्दुल वहाब खां फैजान की सरपरस्ती में कार्यक्रम हुआ।

अजहर इनायती ने मुशायरे की अध्यक्षता की। कारी फरहत सुलतान खां की तिलावत कुरआन मजीद से मुशायरे का आगाज हुआ। प्रसिद्ध शायर अजहर इनायती ने कहा कि अजहर तमाम उम्र न जागूं मैं ख्वाब से-देखूं कभी जो ख्वाब में खैर-उल-अनाम को। शहर के व्यस्ततम बाजार मिस्टन गंज स्थित खानकाह अहमदिया कादरिया मुजद्दिदिया में 166वें सालाना उर्स मुबारक के मौके पर फुरकानिया हाल में हुए मुशायरे में शायरों ने कलाम पेश कर खूब वाहवाही पाई। मौलवी मोहम्मद मुशाहिद फुरकानी ने नात पेश की। जाबिर अहमद ने पढ़ा कि सरकार ने बुलाया है अब मुझ गुलाम को-जाता हूं मैं हबीब-ए-खुदा के सलाम को।

कमर रामपुरी ने पढ़ा- उन पर दुरूदे पाक का शायद हो यह सिला-जाता हूं मैं हबीबे खुदा के सलाम को। मजहर रामपुर ने इस शेर पर खूब वाहवाही मिली- जुल्मत के खात्मे के लिए अपने नूर से-मबऊस रब ने कर दिया खैरउल अनाम को। शारिक नोमानी ने कहा- जाते नबी में जिस ने फना खुद को कर दिया-शारिक कोई न पहुंचेगा उस के मकाम को। अलिफ नाजिम ने कहा कि ऐ काश संगे दर पे हो नाजिम जबीन मेरी-पहुंचे मेरी हयात वहीं इखतिताम को। मुजाहिद फराज ने कहा कि रुसवाईयों के गार में गिरना ही था उसे-उम्मत ने जब भुला दिया इन के पयाम को। आजर नोमानी ने कहा- सच पूछिये तो अब है यही मेरा मशगला-करता हूं याद दिल से मैं खैर-उल-अनाम को। मौलवी मोहम्मद नासिर खां ने कहा- नादान यह भी मेरी गुलामी का है सुबूत-जो सुन के चूम लेता हूं आका के नाम को। दिलकश जालौनवी ने कहा- वह शख्स जन्नती है मुकद्दर का है बुलंद-देखा है जिस ने ख्वाब में खैर-उल-अनाम को।

डॉ. अब्दुल वहाब सुखन ने कहा कि देखा है जब से रौजा ए खैर-उल-अनाम को। इनके अलावा हस्सान आफंदी, जावेद नसीमी, जुनैद अकरम फारूकी, जफर सुखनैन, नूर वजीही, कारी यासीन अहमद खां नातिक नोमानी, बिलाल राज बरेली, शाह फजल अहमद अमरोहवी, अनीस अहमरोहवी, नईम नजमी, हक रामपुरी, फरीद शम्सी, आजर नोमी, शकील कमर, अनीस अमरोहवी, शाह फजल अहमद अमरोहवी, जफर सुखनैन आदि ने कलाम पेश किए।

श्रीमद्भागवत कथा से पहले निकाली कलश यात्रा

शाहबाद, अमृत विचार : शाहबाद के गांव अफगान में सोमवार को श्रीमद भागवत कथा से पहले कलश यात्रा निकाली गई। भाजपा नेता सुरेश बाबू गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर यात्रा का आरंभ किया। आचार्य ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। कलश यात्रा ने क्षेत्र में भ्रमण किया। भक्तों के जयकारे से माहौल भक्तिमय हो गया। चुनरी धारण किए हुए कन्याओं व महिलाओं ने कलश को सिर पर रखकर प्रभु का स्मरण करते हुए भक्तिमय वातावरण में भक्ति संगीत के साथ नृत्य करते कथा स्थल तक लाईं। इस दौरान विहिप के नगर अध्यक्ष शोभित गुप्ता, मीडिया प्रभारी मनीष शर्मा, महेंद्र कुमार, सियाराम समेत तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद , मंगलवार, 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रुपयों के विवाद में युवक को पीटा, दो पर रिपोर्ट

रामपुर, अमृत विचार : कोतवाली थाना क्षेत्र के मदरसा कोना निवासी असमित कुमार का कहना है उसका शाजेब खां से रुपयों के लेन देन को लेकर पुराना विवाद चला आ रहा है। उसी के चलते आरोपी शाजेब खां ने 10 नवंबर को रास्ते में रोककर उसके साथ गाली गलौज कर दी थी। विरोध करने पर आरोपी शाबेज और ज्वालानगर के रहने वाले अभिषेक बालियान ने उसके साथ मारपीट कर दी थी।इस दौरान जातिसूचक शब्दों को प्रयोग किया।लोगों को आता देखकर आरोपी फरार हो गए थे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने दोनों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

डेंगू मरीज मिलने के बाद ककरौआ में फॉगिंग

रामपुर, अमृत विचार : मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने ग्राम ककरौआ में स्वास्थ्य विभाग की टीम को भेजकर फॉगिंग कराई। ककरौआ में डेंगू के मरीज मिले हैं, डेंगू और मलेरिया पर अंकुश लगाए जाने के लिए फॉगिंग कराई गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्षेत्र के निवासियों से अपील की है कि वे अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखें। पानी जमा न होने दें ताकि, मच्छरों का प्रजनन न हो सके। उन्होंने लोगों को भी सलाह दी है कि वे मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करें।

ड्रग इंस्पेक्टर ने बंद कराया मेडिकल स्टोर

सैफनी, अमृत विचार : सोमवार को सैफनी में शिकायत के आधार पर ड्रग इंस्पेक्टर मुकेश कुमार ने टीम के साथ छापामार कार्रवाई कर साबरी लतीफी मेडिकल स्टोर को बंद करा दिया। ड्रग इंस्पेक्टर मुकेश कुमार ने बताया कि शिकायत मिली थी कि बिना बिल के दवाइयां खरीदी व बेची जा रहीं थीं जिसकी जांच की गई। जिसमें सामने आया कि मेडिकल संचालक द्वारा औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 के रूल नियम 65 का उल्लंघन किया जा रहा था। जिसे लेकर 22(1) डी लगाकर मेडिकल स्टोर का क्रय विक्रय अग्रिम आदेश तक बंद कर दिया गया। साथ ही दो नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

एसपी ने सुनीं समस्याएं

रामपुर, अमृत विचार : सोमवार को पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने सुबह कार्यालय पर जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याओं को सुना। उसके बाद प्राप्त शिकायतों के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित को दिशा-निर्देश दिए।

सुबह से चल रही सर्द हवा, सड़कों पर बिछी कोहरे की चादर

तापमान में गिरावट से बढ़ी सर्दी, बरतें सावधानी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: 10 डिग्री पारा गिरने से सर्दी का एहसास बढ़ गया है, ऐसे में सावधानी बरतना जरूरी है। लापरवाही बरतने पर बीमार पड़ सकते हैं। सुबह से सर्द हवा चलना शुरू हो गया है। तड़के से कोहरा होने के कारण सड़कों पर वाहन फॉग लाइटें जलाकर चलें। शाम को भी कोहरा उतरने के बाद सड़कों पर वाहन रेंगने लगे।

शाम ढलते ही कोहरे की चादर सड़कों को अपने आगोश में लिया और तड़के भी सड़कों पर कोहरे की चादर बिखरी रही। पिछले चार दिन में पारा 10 डिग्री तक लुढ़क गया है। कोहरा होने के कारण वाहन रफ्तार नहीं पकड़ पा रहे हैं। कोहरे के दौरान सड़क हादसों को अंदेशा बढ़ गया है। इसके अलावा लोगों में बीमारी का अंदेशा बढ़ गया है। जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. डीके वर्मा ने बताया कि मौसम के मिजाज में तेजी से परिवर्तन के कारण इन दिनों डेंगू फैल रहा है। मौसम में आ रहा यह बदलाव अन्य बीमारियों का भी कारण बन सकता है। इसलिए बदलते मौसम में सेहत का ख्याल रखें। मौसम में तेज उतार चढ़ाव के अनुसार शरीर अपने आप को ढाल नहीं पाता और बीमारी का शिकार हो जाता है। सर्दी से गर्मी और गर्मी से सर्दी में बदलता मौसम लोगों के स्वास्थ्य पर असर डालता है। इसलिए जरूरी है कि इस मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए।

हाईवे पर धुध के बीच गुजरते वाहन।

> सर्दी के मौसम में बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ध्यान रखें। सुबह का मौसम बहुत ठंडा होता है इसलिए मार्निंग वॉक पर जाते समय गरम कपड़े पहनकर ही निकलें। लापरवाही बरतने पर बीमार हो सकते हैं। सर्दी में बीमार होने पर स्वयं दवाई नहीं लें और झोलाछाप को कदापि नहीं दिखाएं।
>
> – डॉ. डीके वर्मा, फिजीशियन जिला अस्पताल

हाल-ए-मौसम

अधिकतम तापमान	19 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान	12 डिग्री से.
आद्रता	51 प्रतिशत
वायु वेग	12 किमी. प्रति घंटा

मंडलीय वाद विवाद प्रतियोगिता में मुरादाबाद की आसना नाज प्रथम

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचार: सोमवार को पीएमश्री राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज के सभागार में ''वर्तमान जीवन प्रणाली एवं पनपता अवसाद'' विषयक मंडलीय महीयसी महादेवी वर्मा वाद विवाद प्रतियोगिता हुई।मंडल के सभी जनपदों के पक्ष एवं विपक्ष के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर विषय वस्तु को निरूपित किया। मंडलीय वाद विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में प्रभादेवी आदर्श कन्या इंटर कॉलेज मुरादाबाद की छात्रा आसना नाज ने पक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।इसी विद्यालय की इफरा वसीम ने विपक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पीएमश्री राजकीय खुर्शीद कन्या प्रधानाचार्य शिव शंकर ने कहा कि ,राजकीय जुल्फिकार इंटर कॉलेज के शिक्षक राकेश भट्ट एवं पीएम श्री खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज की प्रवक्ता हेमलता वर्मा रहीं, तो वहीं प्रतियोगिता के आयोजन में डॉ. संगीता गुप्ता ,रीता वर्मा ,इंदु वर्मा ,शेष कुमारी, सुनीता देवी, उर्वशी गुप्ता, गीता रानी सिंह, पुष्पा सैनी, सीमा गुप्ता, ज्योति, मोहनी का सराहनीय योगदान रहा।

पुरस्कार के साथ विजयी छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

● पीएमश्री राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज के सभागार में हुआ प्रतियोगिता का आयोजन

50 व 100 मी. दौड़ में अमर प्रथम

ऐंचोरा न्याय पंचायत में वार्षिक क्रीड़ा एवं शैक्षिक प्रतियोगिता आयोजित

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचार: ऐंचोरा न्याय पंचायत के तहत परिषदीय विद्यालयों में सोमवार को वार्षिक क्रीड़ा एवं शैक्षिक प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सुबह 9 बजे से ही विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं उनके टीम लीडर्स प्राथमिक विद्यालय ऐंचोरा पहुंचने लगे थे।

उसके बाद कई प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। जिसमें दौड़ प्रतियोगिता प्राथमिक स्तर के बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर अमर पीएस ऐंचोरा, द्वितीय स्थान पर आशु पीएस ऐंचोरा और तृतीय स्थान पर राहुल पीएस कमरुद्दीन नगर का छात्र रहा।100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर अमर पीएस ऐंचोरा का रहा। द्वितीय स्थान पर कृष्णा पीएस ताजपुर रहा। तृतीय स्थान पर अरुण पीएस ऐंचोरा का छात्र रहा है। दौड़ प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर बालिका वर्ग 50 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर फलक रही।100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर बवली द्वितीय स्थान पर सावित्री तृतीय स्थान पर आफिया रही। दौड़ प्रतियोगिता जूनियर स्तर में बालक वर्ग100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर अरुण द्वितीय स्थान पर मानिक तृतीय स्थान पर प्रशांत रहा।200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर आकाश, द्वितीय स्थान पर अमन और तृतीय स्थान पर हिमांशु रहा। दौड़ प्रतियोगिता जूनियर स्तर बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर निक्की, द्वितीय स्थान मधु, तृतीय स्थान पर हिमांशी रही। 200 मीटर दौड़ में प्रथम पर अरीबा, द्वितीय पर इरम, तृतीय स्थान पर स्वालेहा रही। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

ऊंची कूद में हिस्सा लेती छात्रा।

पुरस्कार के साथ विजयी छात्राएं। ● अमृत विचार

लंबी कूद में राज, सूरज, निक्की और सावित्री प्रथम

लंबीकूद प्रतियोगिता प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर राज, द्वितीय स्थान पर अरुण,तृतीय स्थान पर शिवा रही। जूनियर स्तर में प्रथम स्थान पर सूरज, द्वितीय पर समीर, तृतीय स्थान पर हरिओम रहा। जूनियर स्तर बालिका वर्ग में प्रथम में निक्की, द्वितीय पर स्वाति रही। प्राथमिक स्तर में प्रथम स्थान पर सावित्री, द्वितीय स्थान पर उर्मी, तृतीय स्थान पर कनक रही।

ऊंची कूद में शिव प्रथम

ऊंची कूद प्राथमिक स्तर पर बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर शिवा,द्वितीय पर राहुल, तृतीय स्थान पर राज रहा। जूनियर स्तर पर बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर आकाश, द्वितीय पर शादाब,तृतीय मोहित रहा।जूनियर स्तर बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर निक्की ,द्वितीय स्थान पर अरीबा तृतीय स्थान पर स्वाति रही। निर्णायक मंडल में सैयद आफाक हुसैन, अनूप पांडे, मयंक, गुरेंदर, सोनू सिंह, ओमप्रकाश, रितेश, नरेश एवं अरुण रहे।

दरगाह गाजी शाह बाबा का दस दिवसीय उर्स शुरू

स्वार, अमृत विचार: गांव इमरती खेमपुर स्थित दरगाह गाजी शाह बाबा का दस दिवसीय उर्स रविवार की रात परंपरागत रीतियों के साथ शुरू हो गया। उद्घाटन स्वार–टांडा के विधायक शफीक अहमद अंसारी के भाई रफीक अहमद अंसारी ने फीता काटकर किया।

उद्घाटन के साथ ही दरगाह परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मजार पर चादरपोशी कर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने अमन, सलामती और खुशहाली की दुआएं मांगी। पूरी रात दरगाह परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा।उर्स की शुरूआत होते ही बाबा का लंगर भी आरंभ हो गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा व आस्था के साथ प्रसाद ग्रहण किया।आयोजक कमेटी के अनुसार दस दिनों तक उर्स में रोजाना कव्वाली, मिलाद शरीफ, दुआ-खैर और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि उर्स के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

लोगों ने बताया कि गाजी शाह बाबा का उर्स क्षेत्र की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है और हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं।

महात्मा गांधी स्टेडियम का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 23 नवंबर से महात्मा गांधी स्टेडियम पर हसन आगा मेमोरियल स्टेट हॉकी प्रतियोगिता होगी। सोमवार को पालिकाध्यक्ष पति मामून शाह खां समेत कमेटी के पदाधिकारियों ने मैदान का निरीक्षण किया। प्रतियोगिता में स्थानीय समेत बाहर की 30 टीमें हॉकी का प्रदर्शन करेंगे। पूर्व निदेशक उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सैयद एजाज हसन की अध्यक्षता में प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता सचिव जमशेद आगा ने बताया कि भारतीय हॉकी के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कई वर्ष बाद रामपुर में हॉकी प्रेमियों को खेल देखने को मिलेगा। निरीक्षण के दौरान आयोजन समिति के मुख्य सदस्य सैयद इशरत अली, आदिल हसनैन, मुकेश कुमार, शेखर शर्मा, यूसुफ अली खान, अय्यूब खान, फरहत अली खान आदि मौजूद रहे।

● 23 से होगी हसन आगा मेमोरियल स्टेट हॉकी

महात्मा गांधी स्टेडियम का निरीक्षण करते कमेटी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

व्यापारियों ने नोटिस पर जताई आपत्ति

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा के नेतृत्व नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी से मिला। नगर पालिका द्वारा लोगों को को नोटिस भेजे जाने पर आपत्ति जताई। कहा कि लोगों को डरा धमकाकर आरसी काटकर वसूली करने की बात की जा रही है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह अनुचित एवं अन्यायपूर्ण बात है कि जिस हाउस टैक्स और वॉटर टैक्स का अभी तक निर्धारण नहीं हो पाया है। काल्पनिक आधार पर नोटिस बनाया जा रहा है और लाखों लाख रुपये का बकाया दिखाकर व्यापारी एवं आम जनता को डराया धमकाया जा रहा है। लाखों रुपये की काल्पनिक डिमांड बनाकर आरसी द्वारा वसूल करने की धमकी भरे नोटिस भेजना केवल पैसा वसूली करना है। कहा कि उत्तर प्रदेश उद्योग मंडल इस को किसी भी प्रकार स्वीकार नहीं करेगा। इस मौके पर वसीमुल हसन खां, हारिस शम्सी, वसी खान, शाह खालिद, चंद्र प्रकाश रस्तोगी, मुकर्रम मियां, तिब्बयान अहमद, शिराज शम्सी, शिब्बू खां, छोटे लाल, अमन गुप्ता, अशोक कुमार, अरविंद गुप्ता, मुजम्मिल खां, राहुल सक्सेना, सनी अग्रवाल, मनी सिंह आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी से वार्ता करते व्यापारी। ● अमृत विचार

● उद्योग व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल अधिशासी अधिकारी से मिला

छोटे उद्योग लगाने के लिए 5 लाख रुपये तक लें ऋण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है। यह योजना विशेष रूप से उन युवाओं के लिए है, जो अपना स्वयं का व्यवसाय या उद्यम स्थापित करने की इच्छा रखते हैं, लेकिन वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण ऐसा नहीं कर पाते।

इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त व बिना गारंटी के ऋण दिए जाने का प्रावधान है। सहायक आयुक्त उद्योग निहारिका जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा उन्हें परियोजना लागत के अनुसार ऋण सुविधा उपलब्ध कराकर नए उद्योगों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करना है। इच्छुक अभ्यर्थी योजना के लिए स्वयं ऑनलाइन आवेदन या अपने नजदीकी जनसेवा केंद्र के माध्यम से वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

18 नवंबर को आरसेटी पहाड़ी गेट पर सुबह 10 बजे से अपराहन 3 बजे तक कैंप लगेगा। 19 नवंबर को ब्लॉक शाहबाद, बिलासपुर में, 20 नवंबर एवं 21 नवंबर को आरसेटी पहाड़ी गेट पर कैंप का आयोजित होंगे।

न्यूज डायरी

सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं छात्र-छात्राएं

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय रजा नगर में मिशन शक्ति के तहत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी संबंधी कार्यक्रम विषय पर गोष्ठी हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आरएस गिरि ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के संबंध में छात्र-छात्राओं को विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी दी। कहा कि छात्र-छात्राएं सरकार की योजनाओं का लाभ लें। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर केसी दिवाकर ने महिलाओं के स्वावलंबन के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम संयोजक डॉ. कपिल देव ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महान प्रयासों को छोड़कर इस दुनिया में कुछ भी बहुमूल्य नहीं है। अपने भविष्य के लिए सूत्र को आत्मसात करें। इस अवसर पर डॉ. जोगेंद्र कुमार, डॉ. अनुपम मित्र, डॉ. पवन कुमार, डॉ. बाल मुकुंद वर्मा, डॉ. मनीषा रानी ने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. जोगेंद्र कुमार ने किया।

पान दरीबा से जामा मस्जिद तक सड़क बदहाल

रामपुर, अमृत विचार : जन सेवा समिति के प्रदेशाध्यक्ष वसीम उल हसन खां ने कहा कि पान दरीबा से जामा मस्जिद तक सड़क बदहाल है। नगर पालिका द्वारा आज से दो वर्ष पहले पान दरीबा किला गेट से लेकर जामा मस्जिद सर्राफा बाजार तक की सड़क की पैमाइश कराई थी। लेकिन दो वर्ष बाद भी सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। इस मामले में जन सेवा समिति का एक प्रतिनिधिमंडल अधिशासी अधिकारी से मिला था और सड़क बनवाने की मांग की थी। किला गेट पान दरीबा से जामा मस्जिद सराफा बाजार की मुख्य सड़क है जहां पर दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस ने साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर किया जागरूक

पटवाई,अमृत विचार : महिला सुरक्षा दल द्वारा थाना पटवाई स्थित एमपीएस स्कूल ग्राम नया गांव में छात्र,छात्राओं को साइबर सुरक्षा, यातायात नियमों के बारे में बताया। महिला सुरक्षा दल, थाना पटवाई द्वारा छात्र,छात्राओं को महिला संबंधी अपराध, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया।इस दौरान बताया कि जागरुकता अभियान का उद्देश्य महिलाओं,बालिकाओं में सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना है।

दिल्ली में होने वाले अंर्तराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में शामिल होंगे मुनीश

रामपुर, अमृत विचार : पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली के विज्ञान भवन में 21- 22 नवंबर को आयोजित अंर्तराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में देश-विदेश के विशिष्ट विद्वानों के साथ-साथ मुनीश चंद्र शर्मा अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक पंडित दीनदयाल उपाध्याय विषय पर सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य हिंदी भाषा के वैश्विक प्रसार, अनुसंधान, साहित्यिक आदान-प्रदान तथा नए भाषाई आयामों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है। देश-विदेश के भाषाविद, शिक्षाविद, साहित्यकार और शोधकर्ता हिंदी की उपयोगिता और अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते प्रभाव पर विचार-विमर्श करेंगे।

अवैध अस्पताल सील

संभल/कुढफतेहगढ़, अमृत विचार : चंदौसी के थाना कुढफतेहगढ क्षेत्र के गांव छाबड़ा में सोमवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. विश्वास अग्रवाल ने त्रिवेणी हेल्थ केयर पर छापा मारा। संचालिका रजिस्ट्रेशन नहीं दिखा सकी। क्लीनिक अपंजीकृत मिलने पर सील कर दिया गया। डॉ. विश्वास ने बताया कि 13 अक्तूबर को अस्पताल बंद मिला था। अवैध अस्पताल संचालन में मुकदमा भी दर्ज कराया जायेगा।

छात्राओं को पढ़ाया कानून का पाठ

रामपुर,अमृत विचार: सोमवार को महिला सुरक्षा दल जनपद स्तर द्वारा थाना कोतवाली क्षेत्र में आने वाले हरि इंटर कॉलेज में छात्राओं को साइबर सुरक्षा, यातायात नियमों के बारे में बताया।

महिला सुरक्षा दल जनपद स्तर द्वारा छात्राओं को महिला संबंधी अपराध, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1930- साइबर क्राइम,1090- वूमेन पावरलाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एंबुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा,102-स्वास्थ्य सेवा एवं साइबर क्राइम से बचने के उपाय की जानकारी देकर जागरूक किया।इस जागरुकता अभियान का उद्देश्य महिलाओं,बालिकाओं में सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना है।

प्रश्नोत्तरी में प्रथम रही कंपोजिट उच्च माध्यमिक चमरौआ की टीम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: भारत विकास परिषद के तत्वाधान में राष्ट्रीय चेतना राष्ट्र निर्माण की भावना को सोमवार को जिला स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में कंपोजिट उच्च माध्यमिक विद्यालय चमरौआ की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर सेंट पॉल स्कूल गर्ल्स की टीम रही।

अध्यक्ष विकास पांडेय ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय इतिहास, संस्कृति, भूगोल, विज्ञान, महान व्यक्तित्वों तथा समकालीन राष्ट्रीय विषयों के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। सीनियर वर्ग में सेंट पॉल स्कूल बॉयज प्रथम एवं सेंट पॉल स्कूल गर्ल्स द्वितीय स्थान पर रही। जूनियर वर्ग में कंपोजिट उच्च माध्यमिक विद्यालय चमरौआ की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर सेंट पॉल स्कूल गर्ल्स की टीम रही। निर्णायक मंडल में पुष्पा गुप्ता और रजनी अग्रवाल रहे। संचालन रविंद्र पाल सिंह और दीपक पुंडीर ने किया। कार्यक्रम में सतीश चंद्र सक्सेना, जगन्नाथ चावला, माधव गुप्ता, रविंद्र गुप्ता, अशोक कुमार, अभय शंकर अग्रवाल, समीर वात्सल्य, संजय रस्तोगी, संजीव अग्रवाल, गौरव, आलोक अग्रवाल, पीयूष सक्सेना आदि मौजूद रहे।

विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

● भारत विकास परिषद के तत्वावधान में हुई प्रतियोगिता

शिव मंदिर के पास पसरी गंदगी ग्रामीणों में आक्रोश

मसवासी, अमृत विचार: चौकी क्षेत्र के गांव मिलक नौखरीद में गांव की जल निकासी शिव मंदिर की ओर कर देने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है। डीएम समेत अन्य अफसरों को शिकायती पत्र देकर निकासी पूर्व की भांति तालाब में कराए जाने की मांग की है।

मिलक नौखरीद गांव में जल निकासी तालाब की ओर जा रही थी। जिसे रोक कुछ लोगों ने शिव मंदिर की ओर मोड़ दिया। जिससे मंदिर के पास गंदगी फैल गई है। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएम समेत अन्य अफसरों से कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायती पत्र पर लाखन सिंह, गुणानंद सिंह,गणेश लाल, चंद्रपाल,कौशल कुमार, हुकम सिंह, मुकेश कुमार,जगवीर सिंह,मानसिंह, रूप सिंह, प्रमोद कुमार,रामवीर सिंह आदि के हस्ताक्षर हैं।

नारी समृद्धि के लिए छात्राओं ने लिखे स्लोगन

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में नारी समृद्धि के लिए स्लोगन लेखन कार्यक्रम हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जागृति मदान ढींगरा ने कहा कि अर्थशास्त्र विभाग द्वारा समाज के प्रत्येक स्तर पर व्यक्तिगत, पारिवारिक, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संतुलन और समरसता स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्राचार्य ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को स्लोगन लेखन के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण एवं जागरूक करना है। नोडल अधिकारी प्रो. मीनाक्षी गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए स्लोगन लेखन के महत्व पर जोर दिया तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के बारे में बताया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. मोनिका खन्ना, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. ललित कुमार, डॉ. अमीनुद्दीन अंसारी, डॉ. माया भारती, डॉ. जेबी नाज और डॉ. रेशमा परवीन आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण का शव नहर में मिला

बिजनौर, अमृत विचार : अफजलगढ क्षेत्र के गांव कादराबाद के एक व्यक्ति का शव सोमवार की सुबह नवाबपुरा गांव में नहर की पुलिया के पास पानी में मिला। पुलिस ने शव निकलवाया। व्यक्ति की पहचान आलमपुर निवासी चमन के रूप में हुई। चमन रविवार शाम को समीप के गांव तुरतपुर में रिश्तेदार के यहां सगाई में शामिल होने गया था। सीओ आलोक कुमार के अनुसार चमन नशे की हालत में निकला था और संभवत : पुलिया से या किसी वाहन से टकराकर पानी में गिर गया, जहां से वह बाहर नहीं निकल सका।

मृतक चमन।

नींद में छत से गिरकर मजदूर गंभीर घायल

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर निवासी जयचंद पुत्र हरनारायण मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता है। रविवार की रात छत पर बनी झोपड़ी में सो रहा था, सोमवार की सुबह जब वह सो कर उठा तो नींद के कारण टीनशेड पर गिर कर गंभीर घायल हो गया। घायल जयचंद को परिजन उपचार के लिए नगर स्थित सीएचसी लेकर पहुंचे। हालत को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

फातिमा जेहरा तमाम ही औरतों के लिए नमूना ए अम्ल

सैदनगली/उझारी, अमृत विचार : कस्बे में स्थित इमामबाड़गाह ए बाबुल हवाईज (बड़े इमामबाड़े) में मरहूम एडवोकेट जावेद कैसर और मरहूम नेता नसीम उल हसन की मजलिस आयोजन किया गया। मर्सिया ख्वानी सलमान हैदर रिज़वी ने की। मजलिस में पेशवानी नजीर बाक़री, मौलाना मुनाजिर मैरठी, सोहेल अब्बास आदि ने की। लखनऊ से तशरीफ़ लाए मौलाना हबीब हैदर आब्दी ने कहा कि फातिमा जेहरा तमाम औरतों के लिए नमूना अमल हैं। बीबी ने अपनी सारी जिंदगी इस्लाम के लिए सर्फ कर दी। मौलाना सरकार मेहंदी, मौलाना मनाजिर मैरठी, मौलाना जिया अब्बास नक़वी, मौलाना हसनैन हैदर, सफदर अब्बास, नुरुल हसन, चमन हैदर, बिलाल बाक़री, जीशान हैदर, चौधरी बुद्धन, फहीम चौधरी, हसन मेहंदी, अकबर मेहंदी, शफी उल हसन, मेहंदी हसन, आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एकता यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती महोत्सव के तहत निकाली गई एकता यात्रा

संवाददाता मंडी धनौरा

- विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया गया
- लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् का घोष किया

पटेल जयंती पर एकता यात्रा में बड़ी संख्या में उमड़े लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में सोमवार को एकता यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद सतपाल सैनी सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की।

यात्रा का शुभारंभ गांव पत्थर कुटी स्थित प्राचीन शिव मंदिर से मुख्य अतिथि सतपाल सैनी व विधायक राजीव तरारा द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना कर व नारियल तोड़कर किया गया। यात्रा का विभिन्न मार्गों से होते हुए शेरपुर रोड स्थित उत्सव मंडप पर विशाल जनसभा के साथ समापन किया गया। कार्यकर्ताओं व नगर वासियों द्वारा जगह-जगह यात्रा को रोककर फूलमालाओं से स्वागत व सम्मान किया गया।

यात्रा मार्ग में लोगों ने भारत माता की जय व वंदे मातरम के जयघोष लगाए और विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया, जिससे कार्यक्रम देशभक्ति और एकता के भाव से सराबोर हो उठा।

मुख्य अतिथि सत्यपाल सैनी ने कहा कि सरदार पटेल ने राष्ट्र की अखंडता और एकता के लिए जो अद्भुत योगदान दिया, वह सदैव प्रेरणादायक रहेगा। आज की एकता यात्रा उनके सपनों के भारत को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराती है। विधायक राजीव तरारा ने कहा कि धनौरा की जनता ने आज जो ऐतिहासिक समर्थन दिया है, वह हमारी सामूहिक शक्ति और राष्ट्रभक्ति का प्रमाण है। यह जनसैलाब इस बात का संदेश है कि जनता विकास, सुशासन और राष्ट्रीय एकता के संकल्प के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने जिस अखंड भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए हमारा प्रयास निरंतर जारी रहेगा। समाज के हर वर्ग की भागीदारी ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिला प्रभारी राजीव सिसोदिया, अतुल चौधरी, राजीव चौहान, कृष्ण कुमार, कपिल भड़ाना, रोहित आर्य,गिरीश त्यागी, पूरन सिंह सैनी, सुनील गुप्ता, सतपाल सिंह पाल, हरेंद्र सिंह, सतवीर सिंह ,धर्मेंद्र उर्फ लालू, सुशील मौर्य, सुशील सिद्धू, निहार त्यागी, सीताराम, जितेंद्र सैनी सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों व विभिन्न क्षेत्रों के लोग मौजूद रहे।

फैक्ट्रियों में स्थानीय युवाओं को मिले रोजगार

गजरौला,अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा की पंचायत सोमवार को शहर के एक वेंकट हॉल में आयोजित हुई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी का स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिक्षित युवाओं को रोजगार देने के नाम पर प्रदेश सरकार जुमले बाजी कर रही है। उन्होंने कहा कि शहर की फैक्ट्रियां और कारखाने युवाओं को लोकल होने की वजह से नौकरी देने में आनाकानी कर रहे हैं। जिले के 80 प्रतिशत युवाओं को जिले की फैक्ट्री में नौकरी देनी होगी। जो फैक्ट्री नौकरी नहीं देगी तो उस फैक्ट्री के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

20 नवंबर को टोल की लूट बन्द कराई जाएगी। आकाश चौधरी को जिला उपाध्यक्ष व कोशिंदर को तहसील उपाध्यक्ष, संदीप ओलक को गजरौला ब्लॉक अध्यक्ष और रिंकू चौधरी को युवा तहसील अध्यक्ष बनाया गया। कैलाश नाथ उपाध्याय, अंकुर चौधरी, जयंत चौधरी हरपाल सिंह, चंद्रपाल सिंह आदि किसान लोग मौजूद रहे।

छात्राओं को थाने का भ्रमण करा किया जागरूक

छात्राओं को जागरूक करते प्रभारी निरीक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गजरौला

- मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी दी

अमृत विचार: मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत सोमवार को शिव इंटर कॉलेज की छात्राओं को थाना का भ्रमण कराया। इस दौरान विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली, शिकायतों के पंजीकरण की प्रक्रिया तथा महिला सुरक्षा से सम्बन्धित पुलिस द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने छात्राओं को महिला हेल्पडेस्क, बीट व्यवस्था, डायल-112 की कार्यप्रणाली, त्वरित पुलिस सहायता की उपलब्धता, महिला सुरक्षा से सम्बन्धित 1090, बच्चों से सम्बन्धित 1098, आपातकालीन 112, साइबर अपराध हेतु 1930, तथा एंबुलेंस सेवा 108 के हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में जानकारी दी गई। यातायात नियमों का पालन करने को कहा। साइबर अपराधों के मद्देनजर छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पासवर्ड सुरक्षा, अनजान कॉल,मैसेज से सावधान रहने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने के जानकारियां दी गई। साइबर अपराध की स्थिति में हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क कर ने को कहा।

काफी दिनों बाद दिखा गिद्धों का जोड़ा

संवाददाता हसनपुर

यूकेलिप्टिस पर बैठा गिद्ध।

- प्राइमरी स्कूल में यूकेलिप्टिस पर बैठा देख उमड़े लोग

अमृत विचार: क्षेत्र के एक गांव में स्थित प्राइमरी स्कूल में यूकेलिप्टिस के पेड़ पर गिद्धों का जोड़ा देखने को मिला। जहां गिद्धों के जोड़ा को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

सोमवार की सुबह गांव हथियाखेड़ा में प्राइमरी स्कूल परिसर में खड़े एक यूकेलिप्टस के पेड़ पर गिद्धों का एक जोड़ा देखा गया। इन पक्षियों को देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। पर्यावरण प्रेमियों और वन्यजीव विशेषज्ञों के लिए यह खबर विशेष रूप से उत्साहजनक है, क्योंकि गिद्धों की कई प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं और पिछले कई दशकों से इनकी संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि इतने लंबे समय बाद क्षेत्र में गिद्धों के जोड़े को देखना एक शुभ संकेत है। ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन से गिद्ध गांव के अलग-अलग पेड़ों पर देखे जा रहे हैं।

सड़क पर गिरकर युवक घायल

हसनपुर,अमृत विचार: नगर निवासी एक युवक सड़क पर चलते समय अचानक ठोकर लगने से गिर गया और उसके सिर पर चोट लग गई। चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

नगर के रहरा रोड निवासी प्रेम पुत्र यादराम मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। सोमवार की सुबह वह किसी कार्य से घर से जा रहा था, अचानक सड़क पर ठोकर लगने से वह गिर गया। सड़क पर गिरने के कारण उसके सिर में चोट लग गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल प्रेम को उपचार के लिए परिजन सीएचसी लेकर आए, जहां पर चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया गया। लेकिन हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर धुर्वेंद्र सिंह ने बताया कि एक युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गया था। हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता हसनपुर

खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

- खेलकूद प्रतियोगिता में ढेकला एवं रहरई के छात्रों का रहा दबदबा

अमृत विचार: सोमवार को न्याय पंचायत खरपड़ी की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय खरपड़ी में किया गया। खेलों का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार,प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह एवं जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार ने किया।

प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 50 मीटर दौड़ में रोहित प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर प्रथम एवं मोहित प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक द्वितीय स्थान पर, जबकि 100 मीटर दौड़ में मनोज प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर मिश्र प्रथम एवं रोहित प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर दौड़ में मोहित प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक प्रथम जबकि नन्द किशोर प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में भावना प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर प्रथम एवं प्रियंका प्राथमिक विद्यालय भूवरा द्वितीय स्थान पर रही। जबकि 100 मीटर दौड़ में मंजू प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम एवं कामिनी प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय स्थान पर रही।

200 मीटर दौड़ में मधु प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम एवं भावना प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय स्थान पर रही। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग 200 मीटर दौड में अजय उच्च प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर मिश्र प्रथम एवं धर्मेश उच्च प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक द्वितीय स्थान पर रहे। विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया।

खेल प्रभारी प्रमोद कुमार, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लाक अध्यक्ष पवन अग्रवाल,ग्राम प्रधान डा.विजय कुमार, एआरपी महीपाल सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, हेमराज कोहली, महताबउद्दीन, हरिओम सिंह, मनोज कुमार शर्मा, डा.राजेन्द्र सिंह, भगीरथ सिंह, अभिनव मलिक, संजय सिंह, कन्हैया सैनी, धर्मेंद्र सिंह, सोनू प्रकाश, सोमवीर सिंह, संदीप कुमार ,सुरेश सिंह चौहान, विनोद कुमार, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

बाइक गिरवी रख दो भाइयों ने की पांच लाख की धोखाधड़ी

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: मेरठ के दो युवकों ने महंगी बाइक गिरवी रखकर अमरोहा के एक युवक से पांच लाख रुपये ले लिए। बाद में युवक ने अपने रुपये वापस मांगे तो उन्होंने देने से इनकार कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नौगजा निवासी समीर के परिवार की मेरठ के पीलोकड़ रोड श्यामनगर निवासी इकबाल हुसैन से रिश्तेदारी है। इकबाल हुसैन के बेटे सिकंदर और मोहसिन का समीर के घर आना-जाना लगा रहता था। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2022 में सिकंदर और मोहसिन ने समीर को बताया कि उन्हें पांच लाख रुपये की तत्काल आवश्यकता है और इसके बदले उन्होंने अपनी महंगी बाइक देने की पेशकश की। वादा किया कि वे जल्द ही पैसे लौटाकर अपनी बाइक ले लेंगे। समीर ने उन्हें पांच लाख रुपए दे दिए और बाइक रख ली। बाद में समीर को पता चला कि बाइक फाइनेंस पर खरीदी गई थी। जब समीर ने अपने पैसे वापस मांगे, तो दोनों भाइयों ने लौटाने से साफ इनकार कर दिया। न्होंने पुलिस से शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। जिसके बाद पीड़ित समीर ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद से की थी। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि आरोपी मोहसिन और सिकंदर के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

यातायात नियमों का पालन जरूर करें: एसपी

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

हेल्मेट वितरित करते एसपी अमित कुमार आनंद। ● अमृत विचार

- एसपी अमित आनंद ने लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया

अमृत विचार: यातायात माह के तहत विशेष जागरुकता अभियान में एसपी अमित आनंद ने लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया। साथ ही बिना हेल्मेट के गुजर रहे दोपहिया वाहन चालकों को हेल्मेट वितरित किए। इस दौरान एसपी ने लोगों से कहा कि जीवन अमूल्य है, सड़क पर चलते समय नियमों का पालन जरूर करें।

सोमवार को थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के बंबूगढ़ चौराहे पर यह जागरुकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने सडक से जा रहे वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने का प्रमुख आधार स्वयं चालक की जिम्मेदारी एवं नियमों का अनुपालन है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के अनिवार्य उपयोग पर जोर दिया। इस दौरान एसपी ने बिना हेलमेट के गुजर रहे 30 वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि जीवन अमूल्य है, ऐसे में यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अवधभान सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना अमरोहा देहात एवं अन्य पुलिस अधिकारी ने भी आमजन को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया।

न्यूज डायरी

स्पोर्टस मीट एसवीयू ओयसिस का आयोजन

गजरौला,अमृत विचार : श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में सोमवार को वार्षिक स्पोर्टस मीट एसवीयू ओयसिस का आयोजन किया गया। जिसमें वेंकटेश्वरा की टीमों के साथ जनपद की दो दर्जन से अधिक टीमों के लगभग 1200 से अधिक खिलाड़ियों ने दो दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। पांच दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुम्भ में शनिवार को समापन पर विजेता टीम एवं खिलाड़ियों को संस्थान की ओर से ट्रॉफी, मेडल एवं सर्टीफिकेट देकर सम्मानित किया जायेगा। शुभारम्भ अन्तर्राष्ट्रीय निशानेबाज एवं एशियाड चौम्पियन अनु तोमर, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, प्रतिकुलाधिपति डॉ .राजीव त्यागी, डॉ .मधु चतुर्वेदी, अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम चौधरी, कुलसचिव डॉ . पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने किया। इस दौरान संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ .राजीव त्यागी ,संयोजक डॉ .नीतू पंवार, डॉ . सुमन कुमारी, डॉ . ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ .ओमप्रकाश गोसाई, डॉ .अश्विन सक्सेनाआदि लोग उपस्थित रहे।

दूल्हा लेकर पहुंचा बरात, प्रेमिका ने कर दिया हंगामा

सैदनगली, अमृत विचार : थाना सैदनगली क्षेत्र के कस्बा ढक्का में शादी के माहौल में खलल पड़ गया। प्रेमिका ने हंगामा करने के बाद दूल्हा बने अपने प्रेमी को जेल पहुंचा दिया। दरअसल सोमवार की शाम हापुड़ जनपद के थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव मूदाफरा से अफसार पुत्र असरार की बरात ढक्का पहुंची । दूल्हे का स्वागत हो रहा था, तभी उसकी प्रेमिका मौके पर पहुंच गई। प्रेमिका ने आते ही हंगामा शुरू कर दिया। फिर 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी और दावा किया कि दूल्हे के साथ उसका पिछले छह साल से प्रेम संबंध है। बरात में अचानक हुए इस हंगामे के चलते दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया। प्रेमिका कई घंटे मौके पर ड्रामा करती रही। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सैद नंगली थाने से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस दूल्हे अफसार और उसकी प्रेमिका को थाने ले गई ई। थाने में दोनों पक्षों के बीच कई घंटों तक पंचायत चली। थाना प्रभारी विकास शहरावत ने बताया कि मामला संज्ञान में है। दोनों पक्षों को थाने लाया गया है। जांच के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सुखदेवी इंटर कॉलेज प्रबंध समिति के 12 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन

हसनपुर, अमृत विचार : श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज संस्था की प्रबंध समिति की चुनाव प्रक्रिया के दौरान सोमवार को नामांकन पत्र वापसी के दौरान चार लोगों ने अपना नामांकन वापस लेने से समिति के बड़े पदों पर सभी लोग निर्विरोध निर्वाचित हो गए। सोमवार को श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज संस्था की प्रबंध समिति के चुनाव प्रक्रिया के दूसरे दिन उपाध्यक्ष पद पर विनीत कुमार अग्रवाल एवं सदस्य पद से रवि शंकर शर्मा, विवेक गुप्ता एवं मनोज अग्रवाल के द्वारा नामांकन पत्र वापस लेने से समिति के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचित हो गए। अब अध्यक्ष पद पर पराग अग्रवाल, उपाध्यक्ष पद पर बाल शंकर गौड़ एवं मुकेश कुमार अग्रवाल, सचिव पद पर विनय कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पर प्रशांत अग्रवाल, संयुक्त सचिव पर अभिनंदन अग्रवाल एवं सदस्य के लिए मोहित अग्रवाल,अमित गर्ग, शोभित गर्ग,अनुराग कुमार अग्रवाल, मोहित कुमार अग्रवाल एवं विभोर अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हो गए। श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज के प्राधिकृत नियंत्रक डॉ धर्म सिंह ने बताया कि एक उपाध्यक्ष पद एवं तीन सदस्य के नामांकन पत्र वापस लेने के कारण कॉलेज की प्रबंध समिति के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गए हैं।

डीसीएम अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई, चालक-परिचालक घायल

गजरौला,अमृत विचार : सोमवार की दोपहर नेशनल हाईवे पर दिल्ली की दिशा से मुरादाबाद की दिशा को जा रही डीसीएम गजरौला स्थित नेशनल हाईवे पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिसमें चालक व परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों के अनुसार परिचालक डीसीएम के अंदर फंस गया था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने डीसीएम के अंदर फंसा परिचालक को किसी तरह बाहर निकालकर दोनों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डायल 112 पर युवक के साथ मारपीट का आरोप

गजरौला, अमृत विचार : मामूली विवाद के चलते दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। डायल 112 पुलिस पर एक युवक को हिरासत में लेकर मारपीट करने का आरोप है। मोहल्ला आजाद नगर निवासी विशाखा ने बताया कि रविवार की रात उनके पति जोगिंदर शराब के नशे में अपने घर आ रहे थे। किसी बीच किसी बात को लेकर उनकी पड़ोसी कहासुनी हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने जोगिंदर को रास्ते से हिरासत में लेकर उसके साथ मारपीट कर घायल करने का आरोप है। । प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाखों की चोरी में 13 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

गजरौला,अमृत विचार: निजी कंपनी के इंजीनियर के घर से हुई लाखों रुपये की डेढ़ लाख रुपये की नगदी और लाखों रुपये के सामने चोरी के मामले में पुलिस के 13 दिन बाद भी हाथ खाली है।

मानसरोवर कालोनी निवासी अमित शर्मा निजी कंपनी में इंजीनियर है। उनके पिता शिवकुमार शर्मा बीएसएफ से एसआई के पद से रिटायर्ड हैं। चार नवंबर को अमित के बेटे वेदांत भारद्वाज का तिगरी गंगा में मुंडन संस्कार था। परिवार के सभी लोग ताला लगाकर तिगरी गंगा चले गए थे। इसी बीच चोरों ने डेढ़ लाख रुपये की नकदी व सोने-चांदी के जेवरात समेत करीब सात लाख रुपये कीमत का माल चोरी करके ले गए थे। 13 दिन बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर है। जिससे लेकर लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहे।

किसानों की समस्याओं पर की चर्चा

संवाददाता, हसनपुर

बैठक को संबोधित करते विभाग संगठन मंत्री रमेश चंद्र। ● अमृत विचार

- भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिला अधिकारी को सौंपा

अमृत विचार: सोमवार को भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक करनपुर माफी स्थित कृषि कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई।

प्रांत उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह ने कहा कि हर घर नल हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी की जो टंकी बनाई गई है वह कई गांव में अभी तक चालू नहीं कराई गई है। आपूर्ति विभाग द्वारा अनेकों पात्र राशन कार्ड धारकों के कार्ड से यूनिट काट दिए गए हैं,जांच कराकर यूनिटों को पुनः जोड़ा जाए। विभाग संगठन मंत्री रमेश चंद्र ने कहा कि निराश्रित पशुओं से समस्या का सामना करना पड़ रहा है ।

गांव रामपुर भूड़ से डगरपुरी तक की सड़क बहुत अधिक खराब है। जिससे किसानों को अपना गन्ना आदि मिल तक ले जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है । जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने कहा की दि किसान सहकारी चीनी मिल गजरौला में किसानों को गन्ना लेकर जाने पर उन्हें तीन से चार दिन तक रहना पड़ रहा है। जिससे किसानों को ठंड में रहना पड़ता है । समस्या के समाधान हेतु सफल योजना बनाई जाए। रमेश चंद्र, राजेश सैनी, महिपाल सिंह, चंद्रप्रकाश शर्मा, हरि प्रकाश राणा ,धर्मपाल सिंह चौहान ,ओमवीर सिंह चौहान, चौधरी नरेंद्र सिंह, सतीश कुमार आदि मौजूद रहे।

माफियाओं ने काटे 12 आम के पेड़

हसनपुर,अमृत विचार: संभल मार्ग किनारे नगर की अब्दुल्ला कॉलोनी के निकट लकड़ी माफियाओं ने बाग से आम के 12 पेड़ काट लिए।

तहसील क्षेत्र में लकड़ी माफिया के हौसले इस कदर बुलंद है कि उन्हें वन विभाग या प्रशासन का बिल्कुल भी डर नहीं है। वह बेखौफ होकर लगातार हरियाली को नष्ट करने पर लगे हुए हैं। बताया जा रहा है कि रविवार रात किसी वक्त पेड़ों को काटा गया। सोमवार सुबह खबर लगते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। वन दरोगा पलटराम ने बताया कि बाग से आम के कई पेड़ काटे गए हैं। कोतवाली में तहरीर दी जा रही है। गौरतलब है कि क्षेत्र में आम के बाग काटने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वन क्षेत्राधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेजा गया था। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अमृत विचार

मुरादाबाद, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

नौकरी व बीमा क्लेम के नाम पर 4 लाख की ठगी

संभल/ओबरी, अमृत विचार: सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने, सरकारी नौकरी दिलाने व बीमा क्लेम दिलाने का झांसा देकर चार लाख रुपये ठग लिये गये। महिला ने मुकदमा दर्ज कराया है।

असमोली थाना क्षेत्र के खाबरी भोला गांव निवासी महिला लक्ष्मी देवी पत्नी ओमप्रकाश का कहना है कि पवन कठेरिया निवासी गांव मुल्हैटा थाना बहजोई ने उसे झांसे में लेकर उसके चार लाख रुपये ठग लिये। लक्ष्मी का कहना है कि पवन कठेरिया ने आंगनबाड़ी में उसकी नौकरी लगवाने, सरकारी कालोनी दिलाने, सिलाई सेंटर खुलवाने और एक्सीडेंटल बीमा दिलाने के नाम पर उससे पैसा ले लिया। उससे कई बार में फोन पे व अन्य माध्यमों से पैसा ट्रांसफर कराया गया। अब तक कुल चार लाख रुपये पवन उससे ले चुका है। पता चला कि आरोपी और उसका गैंग अन्य लोगों को भी गुमराह कर ऐसी ही ठगी को अंजाम दे चुका है। महिला ने जब ठगी की अहसास होने पर दिए गए रूपए मांगे तो उसने गाली गलोच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया।

एएसआई टीम से अभद्रता में आरोपी हाफिज गिरफ्तार

काशिफ की तलाश, 8 अक्टूबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान पुरातत्व विभाग की टीम को दोनों ने गुंबद में नहीं जाने दिया

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: संभल शहर की भारतीय पुरातत्व विभाग की संरक्षित इमारत जामा मस्जिद में सर्वेक्षण कार्य के लिए पहुंची ने पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की टीम के कार्य में बाधा डालकर अभद्रता व माहौल खराब करने के मामले में पुलिस ने हाफिज नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरे आरोपी काशिफ खान को पुलिस तलाश रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा है कि जामा मस्जिद में पुरातत्व विभाग के काम में जो बाधा डालेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

संभल की जामा मस्जिद पुरातत्व विभाग की संरक्षित इमारत है। इसके संरक्षण का कार्य पुरातत्व विभाग का मेरठ कार्यालय देखता है। 8 अक्टूबर को एएसआई मेरठ मंडल की टीम अभियंता विनोद कुमार रावत के नेतृत्व में जामा मस्जिद के संरक्षण संबंधी निरीक्षण के लिए पहुंची थी। एएसआई का कहना है कि जैसे ही उनकी टीम जामा मस्जिद परिसर में पहुंची तो वहां मौजूद हाफिज नाम के व्यक्ति ने काम में बाधा डालना शुरु कर दिया। टीम मुख्य गुंबद में प्रवेश के लिए आगे बढ़ी तो हाफिज ने मोहम्मद काशिफ खान को मौके पर बुला लिया और दोनों ने अभद्रता करते हुए टीम को अंदर नहीं जाने दिया। इन दोनों ने एक अन्य व्यक्ति को बुला लिया और फिर इन लोगों ने विवाद की स्थिति पैदा कर माहौल खराब करने का प्रयास किया। एएसआई टीम को अपना काम किये बिना ही वापस लौटना पड़ा।

इस मामले में दो दिन पहले भारतीय पुरातत्व संरक्षण विभाग मेरठ कार्यालय के अभियंता विनोद कुमार रावत की ओर से संभल कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमा दर्ज होते ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी तो एक आरोपी हाफिज पुत्र मो. हसीन निवासी कोट गर्बी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस दूसरे आरोपी काशिफ खान की गिरफ्तारी के लिए भी प्रयास कर रही है। कोतवाल गजेंद्र सिंह ने बताया कि जल्द ही दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी हाफिज। ● अमृत विचार

बाधा डालने वालों पर होगी कार्रवाई:एसपी

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि संभल में जिसे जामा मस्जिद के नाम से जाना जाता है वह एएसआई द्वारा संरक्षित इमारत है। एएसआई की जिम्मेदारी इमारत के रखरखाव की है। उच्च न्यायालय ने भी इस इमारत में रंग रोगन और साफ सफाई कराने का निर्देश एएसआई को दिया है। हाफिज और काशिफ ने एएसआई टीम के साथ अभद्रता कर राजकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद हाफिज को गिरफ्तार कर लिया गया है। काशिफ की गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी है। यदि कोई एएसआई के कार्य में बाधा डालेगा तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जामा मस्जिद कमेटी ने कहा, एएसआई से अभद्रता करने वाले हमारे सदस्य नहीं

संभल, अमृत विचार: संभल की जामा मस्जिद में सर्वेक्षण कार्य के लिए पहुंची भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की टीम के साथ अभद्रता कर सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में एएसआई द्वारा मुकदमा दर्ज करा दिये जाने के बाद जामा मस्जिद कमेटी ने दोनों आरोपियों से पल्ला झाड़ लिया है। कमेटी सदर ने दोनों पर मस्जिद में नमाज पढ़ने के बहाने आकर अवैध रूप से चंदा उगाही करने का भी आरोप लगाया है।

सोमवार को जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली ने पत्रकारों सेकहा कि एएसआई द्वारा जिन हाफिज और मोहम्मद कासिफ खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है उनका जामा मस्जिद कमेटी से कोई ताल्लुक नहीं है। वे केवल मुसलमान होने के नाते नमाज पढ़ने आते रहे हैं। जफर अली ने आरोप लगाया कि हाफिज व मोहम्मद कासिफ जबरन मस्जिद में घुसकर चंदा करने और अवैध धन इकट्ठा करने की गतिविधियों में शामिल रहते हैं। कमेटी उन्हें कई बार चेतावनी दे चुकी है। वे मुसलमान हैं इसलिए मस्जिद में आने और नमाज पढ़ने से रोकना वाजिब नहीं है। जफर अली ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कमेटी मस्जिद परिसर में अपने सदस्यों की तैनाती करेगी।

जफर अली एडवोकेट, सदर जामा मस्जिद कमेटी।

● आरोपियों पर लगाया नमाज के बहाने मस्जिद में आकर चंदा उगाही करने का आरोप

सिटी मजिस्ट्रेट ने अल्ट्रासाउंड एक्स-रे सेंटर किया सील

संभल, अमृत विचार: सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने यशोदा चौराहा स्थित यूनिक अल्ट्रासाउंड एक्स-रे सेंटर सील कर दिया।

सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार पुलिस व पीएसी बल के साथ सोमवार शाम लगभग चार बजे यूनिक अल्ट्रासाउंड सेंटर पर पहुंचे। सेंटर में रेडियोलॉजिस्ट मौजूद नहीं मिले, जबकि मशीनें चालू थीं और रिपोर्टें निकाली जा रही थीं। कई अस्पतालों से संबंधित कागजात भी पाए गए। लगभग दो घंटे की कार्रवाई के दौरान संचालक और कर्मचारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

रेसिटी मजिस्ट्रेट ने सेंटर को तत्काल बंद कराकर ताले लगाने के निर्देश दिए। कार्रवाई की जानकारी फैलते ही शहर में अवैध रूप से चल रहे अन्य अल्ट्रासाउंड सेंटरों ने शटर गिरा लिए। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने बताया कि बिना लाइसेंस चल रहे सभी अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

युवा उत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार: युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में जनपद स्तरीय युवा उत्सव व विज्ञान मेले में लोक नृत्य समूह, लोकगीत समूह, कविता, लेखन कहानी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बहजोई महाविद्यालय में आयोजित युवा उत्सव एवं विज्ञान मेले का आरंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव ने किया। इसके बाद लोक नृत्य समूह, लोकगीत समूह, कविता लेखन, कहानी लेखन, डिक्लेमेशन पेंटिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डिक्लेमेशन में प्रथम स्थान सिल्वरस्टोन स्कूल की नव्या कहानी लेखन में प्रथम स्थान, सर्वोदय इंटर कॉलेज के अमित कुमार, विज्ञान मेले में जेएलएम इंटर कॉलेज सिरसी प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर रही। चित्रकारी में सिल्वर स्टोन की कीर्ति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं लोकगीत समूह में जीजीआईसी संभल के प्रतिभागियों ने बाजी मारी। लोक नृत्य में बहजोई महाविद्यालय के प्रतिभागी प्रथम स्थान पर रहे। प्राचार्य डॉ वीरेंद्र कुमार गुप्ता, युवा कल्याण विभाग से क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अनुज कुमार, चित्रवीर सिंह, संजू रानी, जगजीत सिंह, नितिन कुमार व विभा सिंह सहित आदि ने सहयोग किया। संचालन जिला युवा कल्याण अधिकारी हरि प्रेम ने किया।

युवा उत्सव व विज्ञान मेला में लोकनृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

● लोक नृत्य, कविता, कहानी लेखन, डिक्लेमेशन, पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन

परकोटे की परिक्रमा पर जामा मस्जिद सदर ने जताई आपत्ति

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: संभल के विवादित स्थल शाही जामा मस्जिद बनाम श्री हरिहर मंदिर को लेकर नए विवाद ने जन्म ले लिया है। मुकदमे के पक्षकार महंत ऋषिराज गिरी द्वारा हरिहर मंदिर परकोटे की परिक्रमा पर शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने कड़ा एतराज जताते हुए प्रशासन से यात्रा को अनुमति न देने की मांग की है।

कैला देवी धाम के महंत व अदालत में जामा मस्जिद बनाम श्री हरिहर मंदिर मुकदमे के पक्षकार ऋषिराज गिरी ने 19 नवंबर को हरिहर मंदिर परकोटे में ढाई किलोमीटर लंबी पदयात्रा करने की घोषणा की थी। सोमवार को जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट ने बयान जारी करते हुए कहा कि शाही जामा मस्जिद के चारों ओर कभी किसी प्रकार की परिक्रमा की परंपरा नहीं रही है। इसलिए इसे शुरू करना एक नई परंपरा होगी। इससे शहर का साम्प्रदायिक माहौल बिगड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मैं पुलिस-प्रशासन से अनुरोध कर रहा हूं कि ऐसी किसी भी परिक्रमा को अनुमति न दी जाए। यात्रा निकालने से भाईचारा प्रभावित होगा और तनाव बढ़ सकता है। जो लोग इस तरह की गतिविधि करना चाहते हैं, वह शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। जफर अली ने नागरिकों से शांति बनाए रखने, अफवाहों से बचने और परस्पर भाईचारा कायम रखने की अपील की। वहीं परिक्रमा के ऐलान और विरोध को लेकर पुलिस-प्रशासन सतर्क है।

● मस्जिद सदर ने कहा– नई परंपरा से शहर का माहौल बिगड़ने का खतरा

एसआईआर में न ही कोई नाम गलत तरीके से कटेगा न ही जोड़ा जाएगा

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार: डीएम राजेंद्र पैंसिया ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एसआईआर को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग निर्देशानुसार मतदाताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने व सुगमता बढ़ाने के लिए एक मतदेय स्थल पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की सीमा निर्धारित की गई है। जिन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है उसी पोलिंग स्टेशन लोकेशन पर अन्य मतदेय स्थल भी हैं और उन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है तो इस संभावना और विकल्प पर भी विचार कर लिया जाए। एडीएम ने बताया कि जनपद में 1862 मतदेय स्थल हैं सात केन्द्र जिनमें दो चंदौसी तथा दो संभल तथा तीन गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र में परिवर्तन हुआ है। डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि अगर कोई बीएलओ क्षेत्र में नहीं जा रहा है तो बताएं। कहा कि किसी भी मतदाता का गलत तरीके से नाम नहीं हटाया जाएगा और न ही जोड़ा जाएगा। एडीएम प्रदीप वर्मा, एसडीम संभल रामानुज, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल, समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, राज्य मंत्री गुलाब देवी के प्रतिनिधि चन्द्रसैन दिवाकर, भाजपा के जिला महामंत्री कमल कुमार कमल, सपा जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार, बीएसपी से विधानसभा अध्यक्ष चंदौसी सुभाष खागी आदि मौजूद रहे।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते डीएम राजेंद्र पैंसिया।

● डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

वाहन की टक्कर से बाइक सवार मजदूर की मौत

कार्यालय संवाददाता, संभल/ओबरी

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र में दोस्त की भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए जा रहे बाइक सवार मजदूर की गांव सैंधरी के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। मजदूर की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गांव सिसौटा निवासी 50 वर्षीय ऋषिपाल मजदूरी कर परिवार का पेट पालता था। ऋषिपाल मुरादाबाद के हरथला मऊ में किराये का कमरा लेकर रहता था और मुरादाबाद में ही बेलदारी का काम करता था। सोमवार को गांव में ही ऋषिपाल के दोस्त की भतीजी की शादी थी। ऋषिपाल शादी समारोह मं शामिल होने रविवार रात बाइक से आ रहा था। जैसे ही वह असमोली थाना क्षेत्र के गांव सैंधरी में धर्मकांटे के नजदीक पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मारी दी। हादसे में ऋषिपाल बुरी तरह घायल हो गया। सूचना मिलने पर गश्त कर रहे पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए सीएचसी असमोली पहुंचाया। सीएचसी में डाक्टरों ने देखते ही ऋषिपाल को मृत घोषित कर दिया।

● दोस्त की भतीजी की शादी में शामिल होने जा रहा था ऋषिपाल

मृतक ऋषिपाल।

धोखाधड़ी से बचने को बनें जागरूक

संवाददाता, चंदौसी

अमृत विचार: एनकेबीएमजी पीजी कॉलेज में गृह विज्ञान विभाग द्वारा उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सदस्य नमिता दुबे ने कहा कि उपभोक्ता को अधिकारों की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। सलाह दी कि किसी भी वस्तु को खरीदते समय उसके मूल्य, एक्सपायरी डेट की जांच अवश्य करें और बिल अवश्य लें।

अधिवक्ता लव मोहन ने उपभोक्ता अदालत में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से छात्राओं को अवगत कराया। छात्राओं द्वारा पूछे गए उपभोक्ता संबंधित सवालों के समाधान भी दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने आरटीआई और महिला हेल्पलाइन के बारे में जागरूक किया। प्राचार्या प्रोफेसर अलका रानी अग्रवाल ने कहा कि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और खरीदारी करते समय आवश्यक बातों की पड़ताल अवश्य करनी चाहिए। विभाग अध्यक्ष डॉ. अलका ठाकुर ने सभी का आभार व्यक्त कर छात्राओं को उपभोक्ता अधिकारों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर आरती त्रिपाठी ने किया। इस दौरान डॉ. प्रीति चौधरी, डॉ. बबीता, डॉ. हेमलता भारती, डॉ. सपना अग्रवाल, डॉ. नीता गुप्ता, डॉ. इमराना, डॉ. मनीषा अग्रवाल, डॉ. सुमन श्रेष्ठ आदि रहे।

संबोधित करतीं उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सदस्य नमिता दुबे।

● उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सदस्य नमिता दुबे ने किया जागरूक

न्यूज डायरी

फार्मेसी मानवीय सेवा का महत्वपूर्ण स्तंभ

बहजोई, अमृत विचार : बीएमबीएल जैन कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी में पोस्टर, फार्मेसी एवं चिकित्सा मॉडल तथा फर्स्ट एड बॉक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आरंभ निदेशक सम्भव जैन व डा .लव कुमार आर्य ने किया। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के पोस्टर, चिकित्सा मॉडल और फर्स्ट एड बॉक्स का गहन निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से व्यक्तिगत संवाद कर सुधार एवं नवाचार से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रदान किए। निदेशक सम्भव जैन ने कहा, फार्मेसी वीक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने का उत्कृष्ट माध्यम है। विभागाध्यक्ष नागेश कुमार, अखिलेश कुमार, कुश नंदन, नेत्रपाल सिंह, अंकित कुमार, अक्षय राठौर, डॉ. मनोज, सौरभ सक्सेना सहित फैकल्टी सदस्य मौजूद रहे। संचालन विभागाध्यक्ष नागेश कुमार ने किया।

पार्वती का स्वरूप हैं माता अन्नपूर्णा

चंदौसी, अमृत विचार : नगर के कैथल गेट स्थित श्री देवी गंगा मंदिर में माता अन्नपूर्णा का सत्रह दिवसीय महोत्सव में सर्वप्रथम पंडित भूदेव शंखधार एवं पंडित मनोज शर्मा ने स्वस्ति वाचन के साथ श्री गणेश पूजन कराया। वेदमंत्रों के साथ माता अन्नपूर्णा का पंचामृत अभिषेक एवं षोडशोपचार पूजन किया गया। कथा व्यास पंडित भूदेव शंखधार ने माता अन्नपूर्णा की कथा सुनाते हुए कहा कि माता अन्नपूर्णा पार्वती जी का ही स्वरूप हैं ।माता अन्नपूर्णा का व्रत पूजन करने से मनुष्य को धन धान्य, संपत्ति, यश, कीर्ति संतान आदि समस्त सुखों की प्राप्ति होती है ।माता अन्नपूर्णा की भक्ति व्रत और पूजन करने वाला मनुष्य अंत में शिवलोक को प्राप्त होता है ।महिलाओं ने कीर्तन-भजन किए।

नेहरू चौक पर ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौत

बबराला, अमृत विचार : गांव नदरोली निवासी सीमा (35) पत्नी अरविंद 14 वर्षीय बेटे प्रशांत के साथ गुड़ खरीदने के लिए नेहरू चौक के पास स्थित एक कोल्हू पर आई थी। शाम करीब पांच बजे मां-बेटा पैदल नेहरू चौक पहुंचे, तभी जुनावई की ओर से तेज रफ़्तार आ रहे ट्रक का चालक नियंत्रण खो बैठा और सड़क की पटरी पर चल रही सीमा को रौंद डाला। मां को ट्रक के नीचे देख बदहवास प्रशांत की चीख निकल गई। मौके पर भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल सीमा को ई-रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुन्नौर भेजा। वहां चिकित्साधिकारी डॉ. अजहर अली ने सीमा को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने चालक सहित ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

महिला ने खाया जहरीला पदार्थ

बबराला, अमृत विचार : थाना जुनावई क्षेत्र के गांव काशीपुर में पारिवारिक विवाद के चलते सोमवार को पूजा पत्नी राजेश ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। उसकी तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने तुरंत गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया ।सीएचसी के चिकित्साधिकारी डॉ. अजहर अली ने बताया कि महिला की स्थिति में सुधार है और चिकित्सीय निगरानी जारी है।

यह अंधेरे जहां भी जाएंगे खून से हम दिए जलाएंगे.....

बहजोई, अमृत विचार : सृजन साहित्यिक अभिरुचि मंच के तत्वाधान में कवि सम्मेलन व साहित्यकार सम्मान समारोह में कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से मंत्रमुग्ध किया। बदायूं के कवि रमेश चंद्र सहज ने कहा- कैसे दीप जलाऊं तम में रही फूंक से बुझा पवन। रजपुरा के युवा कवि कुमार अवधेश विद्यार्थी ने कहा - आप क्या मिल गए जिंदगी मिल गई, हर दुआ को नई बंदगी मिल गई। वरिष्ठ साहित्यकार रूप किशोर गुप्ता ने कहा -यह अंधेरे जहां भी जाएंगे खून से हम दिए जलाएंगे। दीपक गोस्वामी चिराग ने कहा कि कभी-कभी मन करता है मैं पाती मां के नाम लिखूं। डॉ. राजेंद्र आर्य ने कहा - गम ने हंसने न दिया वक्त ने रोने न दिया, इसी उलझन ने कोई फैसला होने न दिया। हास्य कवि सुभाष चंद्र शर्मा, बागपत के श्रीपाल शर्मा इदरीशपुरी, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, डॉ. सुनीता शंकवार, मनीष गौतम, डॉ. संदीप सचेत, वेंकट कुमार, अरशद रसूल आदि ने भी रचनाएं सुनाईं। संचालन अवधेश विद्यार्थी ने किया।

शिक्षा के जरिये कौशल निखारें छात्र-छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, संभल/जुनावई

अमृत विचार: विकासखंड जुनावई के नंदरौली स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में सोमवार को करियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को भविष्य में उपलब्ध करियर विकल्पों, प्रवेश परीक्षाओं, छात्रवृत्ति योजनाओं और रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आरंभ जनता इंटर कॉलेज जुनावई के प्रधानाचार्य मधु कुमार आर्य ने किया। संचालन शिक्षक गौरव कुमार शर्मा ने किया। मेले में उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मार्गदर्शन दिया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए छात्र अपने कौशल को निखार कर बेहतर करियर बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने तथा बाधाओं से निराश न होने की प्रेरणा दी। विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विशेषज्ञ अतिथियों ने छात्रों द्वारा तैयार किए गए चार्ट एवं मॉडलों का निरीक्षण किया। कॉलेज की प्रधानाचार्या नाजिया नुमान ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर आभार व्यक्त किया। मणिकावली के प्रधानाचार्य राजाराम यादव ने पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने, नियमित विद्यालय आने और समय-प्रबंधन को प्राथमिकता देने की सलाह दी।

जुनावई के नंदरौली में करियर गाइडेंस मेले में बोलते वक्ता। ● अमृत विचार

● करियर गाइडेंस मेले में बेहतर भविष्य के लिए कौशल निखारने का आह्वान

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल का कारावास

संभल/चंदौसी, अमृत विचार: पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने दुष्कर्म करने के मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद सिर्फ सात दिन में अपना फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी को 10 वर्ष का कारावास और 23 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। बीएनएस के तहत सबसे कम समय में यह जनपद संभल में पहली सजा और उत्तर प्रदेश में तीसरी सजा है।

मामला तहसील चंदौसी के कोतवाली बहजोई क्षेत्र का है। 5 जुलाई 2025 को आरोपी सोनू पुत्र पदम सिंह ने किशोरी को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस केस में 10 नवंबर को पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की थी। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अवधेश कुमार सिंह ने वाद में त्वरित सुनवाई करते हुए सात दिन में ट्रायल पूरा कर सोमवार को फैसला सुना दिया। अदालत ने इस मामले में धारा 137(2) में 3 वर्ष का कारावास और 3000 रुपये अर्थदंड, धारा 87 में 5 वर्ष का कारावास और 5000 रुपये अर्थदंड तथा धारा 4 में 10 वर्ष का कारावास और 15000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। जुर्माना न देने पर अलग-अलग अवधि का साधारण कारावास भी आरोपी को भुगतना होगा। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आदित्य सिंह ने बताया कि इस मामले में 6 नवंबर को चार्जशीट दाखिल हुई थी, 7 नवंबर को चार्ज फ्रेम हुआ और 10 नवंबर से ट्रायल शुरू हुआ। न्यायाधीश अवधेश कुमार सिंह फिरोजाबाद में 12 दिन और अमरोहा में 6 दिन में फैसला सुनाने का रिकॉर्ड बना चुके हैं।

● चार्जशीट दाखिल होने के सिर्फ सात दिन में कोर्ट ने सुनाया फैसला

न्यूज ब्रीफ

सलखन फॉसिल्स पार्क में वैज्ञानिक अभिलेखन

अमृत विचार, लखनऊ : सोनभद्र के सलखन में मौजूद अवसादी संरचनाओं में पृथ्वी पर 1.4 अरब वर्ष पुराने जीवन के शुरूआती चरणों के प्रत्यक्ष प्रमाण मिले हैं। ये संरचनाएं केवल जीवाश्म नहीं बल्कि रासायनिक-जीव वैज्ञानिक स्मारक हैं, जो पृथ्वी के निर्जीव से सजीव ग्रह बनने की कहानी समेटे हुए हैं। उक्त प्रमाणों का सूक्ष्म वैज्ञानिक अभिलेखन शुरू हो गया है। दो दिवसीय इस फील्ड अध्ययन की शुरुआत सोमवार को विशेषज्ञ टीम ने शुरू की। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सलखन फॉसिल पार्क में उप्र. इको टूरिज्म विकास बोर्ड और बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पाली साइंसेज (बीएसआईपी), लखनऊ की संयुक्त टीम ने अभिलेखन शुरू किया। बताया कि वैज्ञानिकों की टीम ने 17 नवम्बर को कैमूर की प्राचीन चट्टानों पर संरक्षित करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्मों का विस्तृत सर्वेक्षण किया।

जूनोटिक रोगों की रोकथाम को समझौता

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विधानभवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में पशुपालन विभाग और जपाइगो (जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय से संबद्ध स्वास्थ्य संगठन) के बीच लखनऊ में जूनोटिक रोगों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों की रोकथाम और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर हस्ताक्षर पशुपालन विभाग के निदेशक-रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, डॉ. नेमपाल सिंह और जपाइगो के कंट्री डायरेक्टर डॉ. अमित शाह ने किए। इस मौके प्रमुख सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास, मुकेश मेश्राम, विशेष सचिव देवेंद्र पांडे और निदेशक (प्रशासन एवं विकास) डॉ. योगेन्द्र सिंह पंवार भी मौजूद रहे।

कम्प्यूटर ट्रेनिंग स्कीम के लिए आवेदन 20 से

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी। इस उद्देश्य से संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना (ओ लेवल एवं सीसीसी) के दूसरे चरण के लिए समय-सारिणी जारी कर दी गई है। यह योजना उन प्रतिभागियों के लिए है, जो इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हों और जिनके माता-पिता या अभिभावकों की वार्षिक आय अधिकतम 1 लाख रुपये हो। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि संस्थाओं का चयन किया जा चुका है। इन संस्थाओं में प्रशिक्षण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 20 नवंबर से 1 दिसम्बर तक विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रशिक्षणार्थियों के जिला-स्तरीय चयन के बाद 12 दिसम्बर से पूरे प्रदेश में एक साथ प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ कराए जाएंगे।

कृषि विशेषज्ञों ने गोष्ठी में रखे सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक छह ट्रिलियन यूएस डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें कृषि क्षेत्र से एक ट्रिलियन यूएस डॉलर के योगदान का रोडमैप तैयार है। विजन डॉक्यूमेंट 2047 को साधने के लिए 22 उद्देश्य रखे गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के मरकरी ऑडिटोरियम में विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के अंतर्गत बेस्ट प्रेक्टिस एवं विजन डॉक्यूमेंटेशन पर आयोजित विचार मंथन गोष्ठी में प्रतिभाग किया। इसमें कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्रों के विशेषज्ञ और प्रगतिशील किसान शामिल हुए हैं, जिन्होंने बदलते कृषि परिदृश्य और भावी आवश्यकताओं पर विचार रखे।

आतंकी भाई-बहन के सीधे संपर्क में थे लखनऊ के सात लोग

दिल्ली बम धमाका मामला : होटल में लोगों से मुलाकात कर बनती थी योजना, केंद्रीय व स्थानीय जांच एजेंसियां खंगाल रहीं सभी की कुंडली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दिल्ली लाल किला बम धमाका कांड में खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद और उसके भाई डॉ. परवेज का नाम सीधे तौर पर जुड़ा है। जहां डॉ. शाहीन मास्टर माइंड तो डॉ. परवेज सबसे करीबी मददगार बताया जा रहा है। जांच एजेंसयां भाई-बहन के लखनऊ नेटवर्क को खंगाल रही हैं। एटीएस, स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियां शहर में उन लोगों को तलाश रही हैं, जिनसे दोनों भाई-बहन लगातार संपर्क में रहते थे। शुरुआती जांच में यह बात स्पष्ट हुई है कि शाहीन और परवेज लखनऊ में सात से आठ लोगों के बेहद करीबी थे। उनसे हर दूसरे दिन बातचीत होती थी। इस मामले में राजधानी के करीब 25 संदिग्ध लोगों से सुरक्षा एजेंसियां व स्थानीय पुलिस ने पूछताछ किया है।

एटीएस ने रविवार को पारा के कुंदन विहार कालोनी से भाई-बहन को पकड़ा है। उनके नंबर पर भी डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज के कॉल आने की बात सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियां दोनों के मोबाइल नंबरों की डिटेल व चैट रिकार्ड खंगालने में जुटी है। जिनमें से कुछ नंबर ऐसे मिले हैं। जो काफी लंबे समय से शाहीन व परवेज से संपर्क में रहे। जांच में सामने आया कि संदिग्ध लोग राजधानी के अलग-अलग इलाके में रहते हैं। इनमें ज्यादातर पेशे से डॉक्टर, लैब तकनीशियन, पैरामेडिकल कर्मचारी और निजी अस्पतालों के कर्मचारी शामिल हैं। जांच टीमों ने ऐसे सभी लोगों की चिह्नित कर लिया है। जिनसे दोनों भाई-बहन की बातचीत होती थी। इनमें कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने हाल ही में अपने नंबर बदल लिए हैं। वहीं कुछ ने लखनऊ छोड़ने की तैयारी कर ली थी। जांच एजेंसियां उनकी तलाश में जुटी हुई है। उन सभी लोगों को लगातार ट्रेस किया जा रहा है। उनकी गतिविधियों को चेक किया जा रहा, शक होने पर उनसे पूछताछ की जाएगी। पकड़ने के बाद उन सभी लोगों के मोबाइल, लैपटाप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जा सकते हैं ताकि डिजिटल फोरेंसिक के जरिए उनकी गतिविधियों का पूरा रिकार्ड निकाला जा सके। एजेंसियों को उम्मीद है कि लखनऊ में मिले इन संपर्कों के आधार पर दिल्ली विस्फोट प्रकरण की कड़ियों को जोड़ने में मदद मिलेगी।

ले रहे लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की मदद

जांच एजेंसियों को जिनका पता नहीं मिल रहा है। उसको तलाशने के लिए लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआइयू) की मदद ली जा रही है। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर का कहना है कि किसको चिह्नित किया गया है। यह जानकारी नहीं है, लेकिन कुछ नाम व पते के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। उसे टीम द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

तीन पासपोर्ट, सभी पर पते अलग-अलग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पासपोर्ट में जांच रिपोर्ट लगाने वाले पुलिसकर्मी भी संदेह के घेरे में
- पिता व भाई पर गहराया संदेह निगरानी बढ़ी

अमृत विचार: दिल्ली धमाके में पकड़ी गई खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद के पास से तीन पासपोर्ट मिला है। एजेंसियों ने जब इसकी जांच शुरू की तो फर्जीवाड़ा भी सामने आया। तीनों पासपोर्ट पर अलग-अलग पते, अलग-अलग अभिभावक के नाम दर्ज हैं। एजेंसियां इसे आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के लिए बनवाये जाने की बात कह रहीं हैं। इन पासपोर्ट को बनवाने व जांच करने वाले अधिकारियों के बारे में भी एजेंसियां जांच कर रही है।

दिल्ली लाल किला धमाका और फरीदाबाद में पकड़े गये भारी मात्रा में विस्फोटक में सफेद पोश आतंकी माड्यूल का खुलासा हुआ। इस मामले में अब तक देश की बड़ी सुरक्षा एजेंसियों एनआईए, एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 6 डॉक्टर, दो मौलवी समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी तक की जांच में सामने आया कि इस मॉड्यूल की प्रमुख सदस्यों में अल-फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद की डॉ. शाहीन शाहिद है। एजेंसियों ने शाहीन की पासपोर्ट की जांच की तो कई चौंकाने वाले राज सामने आये। डॉ. शाहीन शाहिद के पासपोर्ट की जांच में कई संदिग्ध खुलासे हुए हैं। डॉ. शाहीन, जो लखनऊ की रहने वाली है। शुरुआत में वह कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़ी थी, तब उसने अपने पासपोर्ट को उसी अपडेट करवाया था। जिसमें पते और अभिभावक के नाम बदलते रहे। सूत्रों के अनुसार, यह बदलाव उनके धार्मिक कट्टरवाद और आतंकी घटना के बाद फरार होने की साजिश का हिस्सा है।

अंतिम पासपोर्ट इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पते पर जारी

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट में पहले कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज का पता दर्ज था, जहां वे नौकरी करती थी। नौकरी छोड़ने के बाद दूसरे पासपोर्ट में लखनऊ का पता जोड़ा गया। तीसरे में फरीदाबाद का पता आया, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा था। अंतिम पासपोर्ट में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ का पता दर्ज है, जहां उसके भाई परवेज अंसारी नौकरी करता है। परवेज को भी धार्मिक कट्टरवाद के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। साथ ही डॉ. शाहीन ने अपने अभिभावक का नाम भी कई हर बार बदल दिया है। पहले पासपोर्ट में पिता का नाम दर्ज है। वहीं दूसरे में पति और तीसरे में भाई का नाम दर्ज कराया है। जांच कर रही एजेंसी की माने तो यह सब डॉ. शाहीन की पहचान छिपाने और विदेश भागने की तैयारी में किया गया। तीन नवंबर को उसे गिरफ्तार किया गया तो वह दुबई भागने की तैयारी कर चुकी थी। इसके भी प्रमाण मिले हैं।

पाकिस्तान समेत नौ विदेश यात्राओं का खंगाला जा रहा ब्योरा

जांच एजेंसियों ने डॉ. शाहीन के विदेश यात्राओं का ब्योरा भी खंगालना शुरू कर दिया है। पासपोर्ट जांच से पता चला कि वह तीन बार पाकिस्तान गई। जहां जैश-ए-मोहम्मद के कैंपों से संपर्क किया है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं, छह अन्य देशों की यात्राएं की हैं। 2013 में कानपुर नौकरी छोड़ने के बाद वे थाईलैंड गई। जिसके मॉड्यूल की शुरुआती फंडिंग या ट्रेनिंग से जुड़े होने की संभावना है। दिल्ली स्पेशल सेल, एनआईए और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन ने 2023 में मस्जिद के फर्जी पते पर सिम कार्ड लिया और परिवार के पतों से परहेज किया। इसकी भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां इस बात की जांच कर रही है कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट बनवाने के समय की गई पुलिस जांच में रिपोर्ट किसने लगाई? किस आधार पर उसके पते को सही माना गया? ऐसे पुलिसकर्मी भी चिह्नित किये जा रहे हैं। जांच एजेंसियां इन पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ करेगी।

छह दिसंबर को बड़े आतंकी हमले की थी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुरक्षा एजेंसियों की जांच व डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज से पूछताछ में हुआ खुलासा
- शाहीन के पास मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी व नोट्स में दर्ज है पूरा प्लान

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त में आई डॉ. शाहीन शाहिद का कुबूलनामा चौंकाने वाला है। एजेंसियां डॉ. शाहीन को दिल्ली बम धमाके का मास्टर माइंड बता रहीं हैं। शाहीन के पास से मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी, उसके नोट्स की जांच की गई। जिसमें 6 दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के प्लान के बारे में विस्तार से बताया गया है। प्लान का एकमात्र उद्देश्य 1992 के बाबरी मस्जिद विध्वंस का बदला लेना था। एजेंसियां पूरे गिरोह के पर्दाफाश के लिए जुटी हैं।

एजेंसियों की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन पर करीब चार वर्ष पूर्व एक करीबी रिश्तेदार ने शादी कर परिवार बसाने और नौकरी के बारे में दबाव बनाया। इस पर शाहीन ने कहा कि उसके परिवार नहीं कौम के लिए कुछ करने का समय आ गया है। जांच में सामने आया कि शाहीन जैश-ए-मोहम्मद से काफी पहले जुड़ी थी। वर्षों से इसका प्लान तैयार कर रही थी। इस मिशन की वह मास्टर माइंड है। डॉ. शाहीन को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ''मैडम सर्जन'' कहकर बुलाते थे। शाहीन छह दिसंबर (बाबरी विध्वंस) का बदला लेना चाहती थी। इसके लिए साथी डॉक्टरों के साथ मिलकर छह शहरों में आतंकी हमला करने की योजना बनाकर काम कर रही थी। जांच एजेंसियों ने हर बिंदु पर जांच शुरू कर दिया है। साथ ही हर सामान की जांच कर रही है जो शाहीन के पास से मिली हैं। इनमें डिजिटल सबूत, डायरियां और आतंकी मिशन के नोट्स शामिल हैं। इन नोट्स में छह दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के षडयंत्र के बारे में विस्तार से बताया गया है।

तीन शहर और सात बैंक खाते

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन और कश्मीरी मूल के डॉ. मुजम्मिल अहमद गनी व डॉ. उमर उन नबी को क्या काम सौंपे गये थे। सभी डॉक्टर 2021 में जैश-ए-मोहम्मद समर्थित एक ग्रुप में शामिल हो गए थे। जांच में उमर, मुजम्मिल और शाहीन के पास जैश हैंडलर के माध्यम से आए 20 लाख रुपये हवाला के जरिये आने की पुष्टि हुई है। इसका प्रयोग नए आतंकियों की भर्ती, उन्हें सुरक्षित ठिकाना दिलाना और एक दूसरे से संपर्क स्थापित करने के लिए करनी थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन को विदेशों से फंडिंग की जा रही थी। डॉ. शाहीन के नाम पर कानपुर में 3, लखनऊ और दिल्ली में दो-दो बैंक खाते मिले हैं। इन बैंक खातों से हुए प्रत्येक ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। विदेशी फंडिंग वाले मॉड्यूल से किसी भी तरह के संबंध की तलाश जारी है। टीमें कानपुर में, खासकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पड़ताल कर ही है। यहीं पर डॉ. शाहीन लापता होने तक काम करती थी। जांच एजेंसी लखनऊ, कानपुर, फरीदाबाद समेत उससे जुड़े हर ठिकानों पर नजर रखे है। ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी शाहीन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वीडियो कॉल व जूम मीटिंग पर घंटों देती थी प्रशिक्षण
- युवकों के पकड़े जाने पर युवतियों को आगे कराने की थी योजना

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की जांच और डॉ. शाहीन व उसके भाई डॉ. परवेज के पास से मिले दस्तावेजों से कई राज सामने आ, । इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस व अन्य सामग्री से यह बात सामने आई कि डॉ. शाहीन व उसका भाई डॉ. परवेज यूपी समेत अन्य प्रदेशों में आतंक की पाठशाला चला रहे थे। दोनों ने इसका खुलासा पूछताछ में भी किया। जूम मीटिंग व वीडियो कॉल के माध्यम से डॉ. शाहीन शाहिद युवतियों को आतंकवाद के लिए प्रशिक्षण दे रही थी। वह युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी। ताकि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अगर युवकों को निशाना बनाया जाए तो युवतियां मिशन पूरा करें।

जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन, डॉ. परवेज व डॉ. आरिफ युवतियों से ऑनलाइन बातचीत करते थे। उनका ब्रेनवॉश करते थे। धार्मिक कट्टरवाद को बढ़ाते थे। तीनों मुस्लिम युवकों और युवतियों को कहते थे कि 'यह आतंक की राह नहीं है। यह अल्लाह का पैगाम है। अल्लाह के लिए कुर्बानी देनी होगी। इसके लिए अल्लाह ने हमें चुना है। अब तक की पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि डॉ. शाहीन की इस वीडियो पाठशाला में कानपुर से गिरफ्तार डॉ. आरिफ, उसका भाई डॉ. परवेज और हापुड़ से गिरफ्तार डॉ. फारूक अहमद भी जुड़ा हुआ था। डॉ. शाहीन मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों को भड़काऊ भाषणों से जिहाद के लिए तैयार कर रही थी। वह शादीशुदा महिलाओं से कहती थी कि इसके लिए उन्हें अपने शौहर को तलाक भी देना होगा और परिवार छोड़ना होगा।

जैश की लेडी विंग की कमांडर डॉ शाहीन शाहिद खुद अपने पति को तलाक दे चुकी है। तलाक देने के बाद वह अपने बच्चों कभी मिलने नहीं गई। इतना ही नहीं वह लखनऊ भी अपने परिवार से मिलने नहीं आती थी। जांच में सामने आया कि वह अपने भाई डॉ. परवेज से संपर्क में थी। दोनों कई बार सहारनपुर में मिले भी थे। तलाक के बाद भाई परवेज को अभिभावक बनाया था।

धैर्य, संतुलन व अडिग होकर बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित

बीबीडीयू के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित बीबीडी यूनिवर्सिटी में मेधावी छात्रा को उपाधि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व अन्य।

- युवाओं से कहा, जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं, तकनीक से आगे बढ़ें गुलाम नहीं

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं होता। धैर्य, संतुलन और अडिग होकर समाधान की ओर बढ़ेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने युवाओं को एआई के सही उपयोग की सीख देते हुए कहा कि तकनीक आपके द्वारा संचालित हो, आप उसके द्वारा संचालित न हों। उन्होंने संस्थानों से स्केल और स्किल के साथ संस्कारों पर भी जोर देने को कहा। साथ ही बीबीडीयू में स्किल व स्केल के समन्वय की सराहना की।

मुख्यमंत्री सोमवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडीयू) के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए। कहा कि प्रयास करने से सब कुछ हो सकता है। जीवन में सफलता के दो ही मार्ग हैं। समाधान की तरफ जाएंगे तो सफलता प्राप्त होगी। समस्या को बार-बार गिनाते रहेंगे तो सफल नहीं हो सकते। समस्या की बजाय समाधान पर ध्यान दीजिए। सभी लोग मिलकर जब सामूहिक रूप से प्रयास करेंगे तो समाधान मिलेगा। जीवन में सदा नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। अलग-अलग सेक्टरों में हमें नए अवसरों को ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं है, बल्कि योग्य योजक चाहिए। संस्थान, बॉस, आचार्य, अभिभावक और व्यक्ति भावी पीढ़ी के लिए योजक बन सकते हैं। जीवन में धैर्य, संतुलन खोए बिना अडिग होकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता कदम चूमेगी। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने स्केल को स्किल में बदलने का कार्य किया।

तकनीक के साथ संस्कारों को भी जोड़ें

मुख्यमंत्री योगी ने संस्थानों को नसीहत दी कि युवाओं को टेक्नोलॉजी के साथ ही संस्कारों से भी जोड़े, जिस पर विकसित भारत के रूप में मजबूत इमारत का निर्माण करना है। पीएम मोदी के विकसित भारत का विजन विकसित यूपी से साकार होगा और इसके लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा। कहा कि जनसहभागिता के बिना कोई भी स्कीम सफल नहीं होती है। उन्होंने सभी को आगाह किया कि कानून का पालन करना ही होगा।

योगी ने बस्ती जाकर दी नंदा बाबा को श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखनाथ मंदिर से रहा नंदा बाबा का गहरा लगाव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बस्ती पहुंचकर धार्मिक आयोजनों के लिए विख्यात रहे नंदा बाबा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नंदा बाबा का 3-4 नवंबर की रात निधन हो गया था।

नंदा बाबा (देशबंधु नंदानाथ महाराज) को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज मैदान में बने हेलीपैड पर उतरे। यहां से वह दक्षिण दरवाजा स्थित नंदा बाबा के आश्रम में पहुंचे और नंदा बाबा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। नंदा बाबा 1970 में जिला अस्पताल के पास दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना करने और सावन माह में कांवड़ियों की सेवा के लिए सुपरिचित रहे। उनका गोरखनाथ मंदिर से भी गहरा लगाव था। उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि सभा में आए साधु-संतों से मुलाकात की और सनातन हित में नंदा बाबा के योगदान को याद किया।

बस्ती पहुंचकर नंदा बाबा के चित्र पर पुष्पांजलि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियान | नदी पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण के लिए रिवर रैंचिंग महत्वपूर्ण : निषाद

मत्स्य विकास को आंदोलन बनाएगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोमती रिवर फ्रंट पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रम के दौरान मंत्री डॉ. संजय निषाद।

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में नदी संरक्षण और मत्स्य विकास को जनांदोलन का रूप देगी। यह अभियान रिवर रैंचिंग का होगा, जो नदी पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल इसके माध्यम से प्रदेश को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनर्जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीकों को बढ़ावा देना इसका मुख्य उद्देश्य है।

ऐसे ही एक अभियान की शुरुआत करते हुए मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय निषाद की अगुवाई में सोमवार को यहां न्यू लक्ष्मण पार्क, गोमती रिवर फ्रंट पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनांतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम रिवर रैंचिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर उप्र. मत्स्य विकास निगम लि. गोमती हैचरी, लखनऊ से 2 लाख भारतीय मेजर कार्प मत्स्य बीज (रोहू कतला और नैन) 80 से 100 एमएम का संचय किया गया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम योजना और मछुआ दुर्घटना बीमा के कुल 6 लाभार्थियों को मत्स्य मंत्री ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान डॉ. निषाद ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनर्जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीकों को बढ़ावा देना, मछुआ समुदाय की आजीविका को मजबूत बनाना तथा जलीय जैव विविधता में वृद्धि करना है।

मुख्यमंत्री ने निर्माण में ढिलाई पर फटकारा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम गोरखपुर में उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपी एसएसएफ) की द्वितीय वाहिनी के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने महज 10 फीसदी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई। निर्देश दिए कि कार्य गति दोगुनी की जाए ताकि लक्ष्य से चार माह पहले जून 2026 तक काम हर हाल में पूरा हो सके। मुख्यमंत्री योगी ने मौके पर पहुंचकर मॉडल का अवलोकन करने के बाद स्थल पर निर्माण की स्थिति देखी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक केवल 10 प्रतिशत निर्माण पूरा हो सका है और 500 श्रमिक कार्यरत हैं।

एप बताएगा शराब की क्वालिटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदिरा खरीद की व्यवस्था पारदर्शी बनाने के लिए यूपी एक्साईज सिटिजेन ऐप लांच

अमृत विचार: शराब पीने के शौकीन भी अब एक एप से अपनी शंकाओं का समाधान कर सकेंगे। इस ऐप से वह मदिरा की क्वांटिटी और क्वालिटी ही नहीं बल्कि संबधित अन्य जानकारियां भी हासिल कर सकेंगे। कुछ कमी मिलने पर टोलफ्री हेल्पलाइन नं. 14405 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दरअसल, मदिरा खरीद की व्यवस्था पारदर्शी बनाने के लिए यूपी एक्साईज सिटिजेन ऐप लांच किया गया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर क्यूआर कोड स्कैन करते ही मूल्य, मात्रा, दुकान का नाम सहित अन्य विवरण चेक किया जा सकेगा। सोमवार को आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने गन्ना संस्थान सभागार में 'यूपी एक्साईज सिटिजेन ऐप'की शुरुआत की। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर एवं ऐप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मोबाइल स्क्रीन पर ब्राण्ड का नाम व भरी हुयी मदिरा की तीव्रता प्रदर्शित होने लगेगी। पैकिंग टाइप (ग्लास बोतल, पेट बोतल, एसेप्टिक ब्रिक पैक (टेट्रा पैक), कैन आदि को भी देखा जा सकता है। इसके अलावा मदिरा आपूर्ति का प्रकार, एमआरपी, संबंधित फुटकर दुकान का नाम व शॉप आईडी सहित अन्य विवरण पर ऐप पर प्रदर्शित होंगे। दुकान पर स्टाक-इन किये जाने की तिथि की भी जानकारी मिल जायेगी।

किसी फुटकर दुकान से मदिरा, बीयर की कोई बोतल क्रय करते समय एप से परीक्षण कर लें। कोई भी विसंगति प्रकाश में आती है तो इसकी सूचना संबंधित जिला आबकारी अधिकारी अथवा आबकारी विभाग के टोलफ्री हेल्पलाइन नं. 14405 पर दें। इसके अतिरिक्त ऐप में उपलब्ध ग्रिवांस मीनू का प्रयोग करते हुये आईजीआरएस से शिकायत भी दर्ज करायी जा सकती है।

– नितिन अग्रवाल, आबकारी मंत्री

प्रेम की कोई भाषा नहीं होती है, प्रेम का फूल मौन में खिलता है। प्रेम संगीत है, प्रेम अंतर्नाद है और प्रेम ही अनाहद नाद है। - **ओशो**

इसरो की छलांग

इसरो की अगले तीन वर्षों में अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को तीन गुना करने की तैयारी मात्र तकनीकी विस्तार नहीं, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। साफ है कि इसरो मात्र प्रक्षेपण सेवा प्रदाता या वैज्ञानिक मिशनों तक सीमित नहीं रहना चाहता, वह वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक खिलाड़ी बनना चाहता है। वर्तमान में इसरो की क्षमता अवसंरचना और अल्प प्रक्षेपण अवसरों के चलते सीमित है। एक साथ कई वैज्ञानिक और वाणिज्यिक मिशनों को संभालने में इससे दिक्कत होती है। क्षमता को तीन गुना करना वैज्ञानिक अभियानों की गति बढ़ाने के साथ वैश्विक बाजार के वाणिज्यिक अवसरों को भी भुनाने में मददगार होगा। यह भविष्य में इसरो को मिशनों के ओवरलैप के दबाव से मुक्त करेगा और निजी उद्योगों तथा नई अंतरिक्ष कंपनियों को भी बड़े पैमाने पर जोड़ेगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी अभी लगभग दो प्रतिशत है, जिसे 2030 तक बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने का लक्ष्य है। क्षमता विस्तार, उद्योग साझेदारी, तेज प्रक्षेपण चक्र और सस्ते, लेकिन भरोसेमंद मिशनों से इसरो इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंच सकता है। भारत की कम लागत वाली तकनीक और बढ़ती विश्वसनीयता विदेशी ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रही है। इसरो जिन कार्यक्रमों पर काम कर रहा है, वे अभूतपूर्व हैं-चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ का अध्ययन करने वाला जापान-भारत संयुक्त मिशन 'लूपेक्स', 2028 के लिए निर्धारित चंद्रयान-4, भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित पहला पूरी तरह स्वदेशी पीएसएलवी और भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल की तैयारी। इनमें से हर एक परियोजना न केवल तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ इसरो की वैश्विक विश्वसनीयता को नई ऊंचाई देगी।

भारतीय निजी उद्योग निर्मित पीएसएलवी अंतरिक्ष क्षेत्र में ठीक उसी तरह भागीदार बनेगा-जैसे अमेरिका में स्पेसएक्स और अन्य निजी कंपनियां नासा के लिए सहायक हैं। इससे न केवल प्रक्षेपण क्षमता बढ़ेगी, बल्कि एक विशाल घरेलू अंतरिक्ष पारिस्थितिकी भी बनेगी। चूंकि इसरो अब अधिकांश, परियोजनाओं को अलग-अलग समर्पित केंद्रों और उद्योग भागीदारी के साथ आगे बढ़ा रहा है इसलिए उसके चलते दूसरे अभियानों में विलंब की आशंका कम है। हालांकि मानवीय उड़ान मिशन बेहद जटिल होते हैं और सुरक्षा के मानक सर्वोपरि रहते हैं, इसलिए समय में नैसर्गिक बदलाव असामान्य नहीं होगा। भारत का प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन, जिसके पांच मॉड्यूल 2035 तक कक्षा में स्थापित होने की योजना है, राष्ट्रीय अंतरिक्ष शक्ति के विकास का निर्णायक कदम होगा। पहला मॉड्यूल 2028 तक बन पाने की संभावना मजबूत है और यह भारत को "लो अर्थ ऑर्बिट रिसर्च पॉवर" के रूप में वैश्विक क्लब में शामिल करेगा। इन सभी उपलब्धियों और लक्ष्यों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि इसरो का भविष्य उज्ज्वल है। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का विस्तार नहीं, यह भारत की आत्मनिर्भरता, प्रौद्योगिकीय नेतृत्व और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी बढ़ाने की लंबी छलांग है। इससे देश को वैज्ञानिक प्रतिष्ठा, आर्थिक अवसर, वैश्विक साझेदारियां और युवाओं के लिए नई शोध-संभावनाएं प्राप्त होंगी। इसरो की नई छलांग उसे वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में बहुत आगे ले जाएगा। भारत अब अंतरिक्ष में पहुंचने की ही नहीं, बल्कि वहां अपनी ऊंची जगह बनाने की तैयारी कर चुका है।

प्रसंगवश

आखिर क्यों नहीं टूटते बेड़िया प्रथा के बंधन

हाल ही में राजस्थान के भरतपुर जिले के एक छोटे से गांव की 12 वर्षीय राधा (बदला हुआ नाम) की मर्मस्पर्शी कहानी सामने आई। राधा रोज सुबह स्कूल के दरवाजे तक जाती है, लेकिन अंदर नहीं जाती। वजह पूछो तो धीरे से बताती है कि मां कहती है कि पढ़ाई हमारे लिए नहीं होती। उसके घर में पीढ़ियों से यह तय है कि लड़कियां पढ़ें नहीं, बल्कि घर चलाने में मदद करें। बाहर से देखने पर यह मदद नाच-गाने की लगती है, लेकिन असल में यह बेड़िया प्रथा का दर्द है। यह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है, जहां बेटियों की जिंदगी परिवार की परंपरा के बोझ तले कुचल जाती है। असल में यह दर्दनाक बेड़िया की प्रथा की सच्चाई है। बेड़िया समुदाय के बारे में माना जाता है कि यह मूलतः घुमंतू या अर्ध-घुमंतू समुदाय है। इसकी मध्य भारत (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश), राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों में उपस्थिति रही है। राजस्थान की बात करें तो यहां बेड़िया समुदाय की स्थिति विकट है। राजस्थान के भरतपुर,

डॉ. नीलू तिवारी

लेखिका

धौलपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ और सवाई माधोपुर जिलों में बेड़िया समुदाय के परिवार बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भरतपुर जिले के घाटोली गांव में लगभग 70 बेड़िया परिवारों में से 58 परिवारों ने अपनी बेटियों को इस प्रथा में झोंक दिया है। राजस्थान महिला आयोग और ग्रामीण शिक्षा संस्थान की रिपोर्ट में पाया गया कि बेड़िया समुदाय में महिला साक्षरता दर केवल 21 प्रतिशत है और अधिकांश लड़कियां 14-16 वर्ष की उम्र में स्कूल छोड़ देती हैं। वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में कुल 363 मानव तस्करी के मामले पाए गए, जिनमें से 98 फीसदी बच्चे थे। इनमें बड़ी संख्या उन समुदायों से आती है, जहां बेड़िया जैसी परंपराएं सामाजिक रूप में मौजूद हैं। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में लगभग 8,000 से 10,000 लड़कियां ऐसे पेशे से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। इनमें से अधिकांश दलित या घुमंतू जनजातीय समुदाय से हैं, जिनमें बेड़िया भी शामिल है। भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक और सवाई माधोपुर जिलों में इस तरह की गतिविधियां सक्रिय रूप से देखी गईं।

आज जब भारत नारी शक्ति वंदन अधिनियम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे कानूनों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसी भारत के कुछ कोनों में बेड़िया समुदाय की बेटियां अब भी परंपरा के नाम पर देह व्यापार में धकेली जा रही हैं। मध्य प्रदेश के मुरैना, श्योपुर, राजस्थान के कोटा, बूंदी और उत्तर प्रदेश के झांसी जिलों में यह प्रथा गहराई से जमी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इन समुदायों में लगभग 65-70 प्रतिशत महिलाएं अनिच्छा से इस प्रथा का हिस्सा हैं, जबकि पुरुष समुदाय इसे रिवाज के रूप में देखते हैं। इन क्षेत्रों में महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। जहां भारत में महिला साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत है, वहीं इन क्षेत्रों में यह मुश्किल से 35-40 प्रतिशत तक पहुंचती है। इसका सीधा प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। हालांकि अब बदलाव की बयार भी चल पड़ी है। राजस्थान सरकार ने एक नई राह योजना और मिशन परिवर्तन के तहत इस समुदाय की महिलाओं के लिए रोजगार और शिक्षा के अवसर बढ़ाए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना इन महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है। वहीं कई गैर सरकारी संगठन इन समुदायों में जाकर शिक्षा केंद्र और पुनर्वास शिविर चला रहे हैं।

सम्मानित प्रोफेशन में विध्वंस की पनपती सोच

अजय दयाल

लखनऊ

बुद्धिजीवी वर्ग में भी विध्वंस की सोच आतंकवाद का एक घिनौना रूप है, जो दिल्ली धमाके में स्पष्ट तौर पर सामने आ गया। फिलवक्त आतंकवाद से पूरी दुनिया त्रस्त है और इसका जड़ से खत्मा करने को हर स्तर पर पुरजोर कोशिशें की जा रहीं हैं, पर चिंता इस बात की है कि जहां आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के भरसक प्रयास जारी हैं, वहीं इसका सामने आ रहा घिनौना रूप हमारे देश की जड़ों, संस्कृति को विषाक्त कर रहा है। जाहिर है लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहे आतंकवाद के इस घिनौने रूप का नाम है- बौद्धिक आतंकवाद।

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके के पीछे कई डॉक्टरों के नाम सामने आए, जिसमें विस्फोट हुआ, उस कार को डॉक्टर उमर चला रहा था। इस घटना के बाद तो एक के बाद उसके कनेक्शन, जो सामने आ रहे हैं, उनमें से तमाम डॉक्टर ही हैं। पुलवामा का उमर उन तीन डाक्टरों का साथी पाया गया, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग तीन हजार किलो विस्फोटक और हथियार मिले थे। इनमें डॉ. मुजम्मिल और डॉ. आदिल कश्मीरी हैं, जबकि तीसरी साथी डॉ. लखनऊ की है। इसी नेटवर्क का एक अन्य मिला डॉ. मोहिउद्दीन, जो गुजरात पुलिस के हत्थे चढ़ा। यह अपनी शैक्षक बौद्धिकता का दुरुपयोग अरंडी के बीज से बेहद घातक जहर राइसिन बना रहा था ताकि सामूहिक नरसंहार के नापाक इरादे को अंजाम दे सके।

हालांकि डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और प्रोफेसर पहले भी आतंकवाद के सूत्रधार के रूप में सामने आ चुके हैं। उस पुणे वाले डॉ. अदनान अली को याद कीजिए, जिसे 2023 में दबोचा गया था, शहर का प्रतिष्ठित चिकित्सक माना जाता था, पर वह आतंकी समूह आइएस के लिए काम कर रहा था। दरअसल, डाक्टर्स, इंजीनियर्स, प्रोफेसर के अलावा तमाम हाई एजुकेटेड मुस्लिम युवा आतंकी के रूप में हमारे सुरक्षा दस्ते के हाथ लग चुके हैं, जो समाज में अपने बौद्धिक प्रोफेशनल्स की छवि बनाए हुए थे, लेकिन पर्दे के पीछे घिनौना विध्वंस करने में जुटे थे। तमाम को तो सुरक्षा एजेंसियों ने चिन्हित कर लिया, लेकिन वे समय रहते सीरिया और अफगानिस्तान पहुंचकर आइएस या अलकायदा की गोद में जा बैठे। भारत ही नहीं दुनियाभर की लोकतांत्रिक सरकारों के लिए यह चिंता का विषय होगा कि अब उच्च शिक्षित तमाम युवा भी आतंकवाद की नींव को मजबूत करने में जुटे हैं।

आतंकवाद के शुरुआती चरण में एक वक्त ऐसा था, जब विध्वंसकारियों में अशिक्षित या आर्थिकतौर पर कमजोर ही मजहबी ब्रेनवॉश या अपने कुंठित विचारों के चलते मजबूरी में आतंक की राह पकड़ते थे, लेकिन अब तस्वीर पलटी हुई नजर आती है। अब उच्च शिक्षित अथवा सम्मानित प्रोफेशन रखने के बावजूद देश-दुनिया में ऐसे मुस्लिम युवक बहुतेरे हैं, जो आतंकी बन रहे हैं। अपने देश में ही केरल से लेकर कश्मीर तक में अनेक शिक्षित मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह पकड़ी। ताजा मामलों में कोई कट्टरपंथी मौलवी-मौलाना भी सामने नहीं आया, जिसकी वजह से आतंकवाद का बौद्धिक चेहरा बना हो।

> इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं।

इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आ गई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं। माना जाता है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद इन संगठनों ने साजिश की नई व्यूहरचना बनाई है। अब पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी आतंक के इस घिनौने कृत्य में सूत्रधार बन रही हैं। बीते दिनों मीडिया से एक ऐसा वीडियो सामने आया, जिसमें पाकिस्तान के सियालकोट स्थित लश्कर-ए-तैयबा ट्रेनिंग सेंटर में कथित तौर पर पाकिस्तानी सेना और पुलिस के कुछ अधिकारी आतंकियों के साथ मिलकर नई खेप को ट्रेनिंग देते दिखे। उस वीडियो में कई महिलाओं को जिहादी विचारधारा से ब्रेनवॉश कर उन्हें हथियारों का प्रशिक्षण देते देखा जा सकता है। पता चला कि इन कैंपों में भारत और यहां के नेतृत्व को दुश्मन करार देकर जहर भरा जा रहा है।

एक बड़ी हकीकत यह भी है कि डिजिटल दुनिया में मजहबी कट्टरता से जुड़े नापाक संदेश पहुंचाना आसान हो गया है। इस्लाम के नाम पर गुमराह करने वाली मुहिम अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर है। जैश-ए-मोहम्मद ने तो महिलाओं को ध्यान में रखते हुए ही नया कोर्स लांच किया है। इस कोर्स में दाखिला लेने की फीस भी तय है। मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक, इस कोर्स की संचालक आतंकी सरगना मसूद अजहर की बहनें और उमर फारूक की पत्नी है। जैश-ए-मोहम्मद की महिलाओं की भर्ती के लिए एक अलग विंग ऐसी भी है, जो फंड रेज करने के साथ युवतियों को ऑनलाइन जिहाद को ट्रेंड कर रही है। कुलमिलाकर देश-दुनिया के अमन-चैन पसंद देशों को एक-दूसरे के साथ आतंकवाद के खिलाफ सभी निजी स्वार्थों को त्याग एक होना होगा। फिजिकल और डिजिटल दोनों फील्ड पर संयुक्त टीम बनाकर ज्यादा सक्रियता से काम करना होगा। एक खास बात और हर सरकारी व प्राइवेट प्लेटफॉर्म चाहे वह छोटी सी दुकान ही क्यों न हो ऐसी व्यवस्था लागू करनी होगी कि लंबी छुट्टी पर जाने वाले की सूचना या उसका संदिग्ध व्यवहार अपडेट हो, जो सरकारी सुरक्षातंत्र तक भी पहुंचे।

ऐसा स्कूल स्तर से ही लागू कर दिया जाना चाहिए। स्कूल स्तर से ही आतंकवाद का चेहरा पहचाने की ट्रेनिंग भी देनी होगी कि कहीं बच्चे मोबाइल गेम खेलते-खेलते ही इसका शिकार न बनें।

आमने सामने

कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंजी। सरकार का वादा था जम्मू-कश्मीर सुरक्षित होगा, जबकि अब दिल्ली ही खतरे में आ गई। हिंदुस्तान व जम्मू के लोग बड़े संजीदा हैं और ये देश कुर्बानियों से बना हुआ है। हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट तो मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है।

– **महबूबा मुफ्ती**, पीडीपी प्रमुख

पहले महबूबा मुफ्ती खुद देखें, वह कहां है? 2019 में बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है, तो कभी बेतुके बयान देती हैं। पीडीपी चीफ बताएं कि हालात यहां बेहतर कब थे? महबूबा मुफ़्ती आज दुविधा में है, वो साफ ही नहीं कर पा रही है कि उन्हें जम्मू कश्मीर में कौन सी लकीर खींचनी है।

-सुरेंद्र चौधरी

उप-मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर

ब्राजील जलवायु सम्मेलन के लिए पेड़ों पर कुल्हाड़ी

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ लेखक

ब्राजील के नगर बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-30 चल रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय उष्णकटिबंधीय वनों को बचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परंतु यहां विरोधाभासी दृष्टिकोण देखने में आया, जो इस सम्मेलन की उपलब्धियों के पाखंड को प्रस्तुत करने वाला है।

ब्राजील के जिस पारा प्रांत में बेलेम नगर स्थित है, वहां रोजाना 50 हजार पेड़ों पर निर्ममता से कुल्हाड़ी चलाई जा रही हैं। जलवायु सम्मेलन के बहाने अमेजन के वर्षावन के करीब एक लाख पेड़ों को काटे जाने का सिलसिला चल रहा है। बेलेम क्षेत्र में काटे जा रहे इन पेड़ों की सबसे ज्यादा खपत अमेरिका और यूरोप में होती है। बेलेम के इन वनों को 'दुनिया के फेफड़े' कहा जाता है। ये जंगल कार्बनडाइऑक्साइड को साफ कर सर्वाधिक ऑक्सीजन दुनिया की मानव आबादी को देते हैं। 8 मील के क्षेत्र में इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले 50,000 नेता, पर्यावरणविद एवं जलवायु कार्यकर्ताओं को लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है। ऐसे में विचारणीय बिंदू है कि वे लोग जलवायु बदलाव पर अंकुश के उपायों पर क्या बात करेंगे, जो खुद ही जंगल के विनाश का पर्याय बन रहे हैं।

> इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले लोगों के लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है।

इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ठीक ही कहा है कि "पर्यावारणवादियों के लिए अमेजन के जंगल को उजाड़ दिया, यह बहुत बड़ा घोटाला है।" किंतु यहां भी विरोधाभास है कि इस घोटाले के लिए जो पेड़ काटे गए हैं, उनका अमेरिका भी बड़ा खरीददार है। पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है, तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनियाभर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है।

इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनियाभर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। पेड़ों की यह गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों के माध्यम से की गई थी। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतरों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं।

इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इस हेतु 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। ऐसे समय जब दुनियाभर के पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक जलवायु संकट के दिनों-दिन और गहराते जाने की चेतावनी दे रहे हैं।

विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी भूमंडलीय आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले 15 साल में ब्राजील में 17 हजार, म्यांमार में 8, इंडोनेशिया में 12, मेक्सिको में 7, कोलंबिया में 6.5, जैरे में 4 और भारत में 4 हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वनों का विनाश हो रहा है। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि वनों के विनाश की यही रफ्तार रही, तो जंगलों को 4 से 8 प्रतिशत क्षेत्र, सन् 2030 तक विलुप्त हो जाएंगे। 2040 तक 17 से 35 प्रतिषत सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि 20 से 75 की संख्या में दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी। नतीजतन आगामी 15 सालों में 15 प्रतिशत वृक्षों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। इनकी विलुप्ति का असर फसलों पर भी पड़ेगा।

वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन तत्वों का सृजन करते हैं। वायु व प्रदूषण, भू-क्षरण न हो, पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्षा चक्र की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। वृक्षों की इन्हीं मूल्यवान उपयोगिताओं को ध्यान में रखकार हमारे ऋषि-मुनियों ने इन्हें देव तुल्य माना और इनके महत्व को पूजा से जोड़कर संरक्षण के अनूठे व दीर्घकालिक उपाय किए। इसलिए भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है, लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन कीमती उपायों का लगभग ठुकरा दिया है।

सोशल फोरम

चार पहाड़ रस्सी

लंदन में एक नायाब करिश्मा हुआ है। ब्रिटिश कलाकार डेविड श्रिगली ने लाखों पाउंड की रस्सी टांगकर कला का स्तर और बाजार का धैर्य दोनों नाप दिया है। स्टीफन फ्राइडमैन गैलरी में उनकी पुरानी रस्सी की प्रदर्शनी खुली है और रस्सियां भी कोई मामूली नहीं, पूरे चार पहाड़। कीमत? बस एक मिलियन पाउंड यानी करीब 10 करोड़ रुपये। श्रिगली का कहना है कि वजन के हिसाब से तो यह बड़ा किफायती सौदा है। दस टन रस्सी, एक मिलियन पाउंड में। अब तो लगता है कि स्थानीय कबाड़ी वाले को भी अंतर्राष्ट्रीय समकालीन कला का कोर्स करना पड़ेगा, वरना कहीं लोहे-लक्कड़ के साथ गलती से किसी कलाकार का कोई मास्टरपीस ही न तौल दे। गैलरी की खिड़की पर नारंगी रंग की चमकीली पट्टी लगी है, जो ऊपर से हस्ताक्षर जैसी दिखती है और नीचे से यह एहसास दिलाती है कि गैलरी वालों ने शायद बजट का बड़ा हिस्सा रस्सी पर खर्च कर दिया, इसलिए नाम के लिए एलईडी स्ट्रिप ही बची।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

स्टीफन फ्राइडमैन, गैलरी के मालिक, इस रस्सी को किसी प्राइवेट कलेक्शन या संस्था में भेजने की इच्छा रखते हैं। कल्पना कीजिए, किसी फाउंडेशन की भव्य लॉबी में मेहमान आते ही देखते हैं-चार पहाड़ रस्सी। साथ में बोर्डः "कृपया छुएं नहीं, यह कला है।" लोग समझ ही नहीं पाएंगे कि यह चेतावनी रस्सी के लिए है या कला बाजार के लिए। वैसे कला बाजार में ऐसे चमत्कार अब आम हो चले हैं। पिछले साल तो मौरिजियो काटेलान का एक केला, जिसे डक्ट टेप से चिपकाया गया था, 6.2 मिलियन डॉलर में बिक गया। 2024 में समकालीन कला का कारोबार करीब 65 बिलियन डॉलर का रहा और कहा जा रहा है कि बाजार गिर रहा है। हालांकि गिर रहा है या कला खरीदारों की आंखें खुल रही हैं, यह अभी शोध का विषय है। श्रिगली ने यह रस्सियां अलग-अलग द्वीपों, बंदरगाहों, पवन चक्कियों और ब्रिटेन के किनारे से इकट्ठा की हैं। समुद्र में हर साल करीब 6.4 लाख टन पुरानी जाल और रस्सियां फेंकी जाती हैं। श्रिगली ने उनको साफ कर के कला बना दिया। यानी दूसरे लोग समुद्र प्रदूषित करें और कलाकार उनकी सफाई को भी कला कहकर करोड़ों कमा लें। यह है असली सर्कुलर इकोनॉमी, लेकिन श्रिगली का कमाल यही है। वे रस्सी को रस्सी नहीं, सवाल बना देते हैं। कला क्या है? कीमत क्या है? और खरीददार कौन है? यह सब सोचने के लिए उन्हीं की रस्सी में उलझना पड़ता है। फर्क बस इतना है कि इस रस्सी को काटने के लिए आपका दिमाग चाहिए, चाकू नहीं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बिहार की जीत से एनडीए का बढ़ा मनोबल

बिहार के चुनाव नतीजे जिस तरह सामने आए हैं, कहना गलत नहीं होगा कि बीजेपी का अगला कदम पश्चिम बंगाल से ममता सरकार को हराना रहेगा। निश्चित तौर पर बीजेपी का मनोबल कई गुना बढ़ चुका है, जिसके पीछे पार्टी के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा है। आरजेडी या यूं कहें तो बिहार में महागठबंधन की ऐसी करारी हार की कल्पना किसी ने नहीं की होगी। इस बार के बिहार चुनाव में एनडीए तो उत्साहित थी ही, लेकिन महागठबंधन का उत्साह भी कम देखने को नहीं मिला था। महागठबंधन की बात करें, तो इस बार 66.91 प्रतिशत मतदान, जो 1951 के बाद का राज्य में दर्ज किया गया सबसे ज्यादा मतदान था, बदलाव की ओर जाता दिखाई दे रहा था। वहीं यह प्रतिशत एनडीए को अपने पक्ष में जाता दिखाई दे रहा था या यूं कहें तो नीतीश कुमार के साथ जाता दिखाई दे रहा था। वहीं एक दृष्टिकोण यह भी था कि इस बार महिलाओं का समर्थन शुरू से ही एनडीए के पक्ष में रहेगा और महिला मतदाता का 71.6 प्रतिशत मतदान एनडीए के आत्मविश्वास को बढ़ावा देता नजर आ रहा था।

शिवालिक अवस्थी

स्तंभकार

बहरहाल इस बार मतदाताओं का रुझान एनडीए के पक्ष में रहा जिस कारण एनडीए 202 सीटें जीतने में कामयाब रही। अब बीजेपी वाली एनडीए बिहार में सरकार बना चुकी है और नीतीश कुमार फिर से बिहार के सीएम नजर आएंगे। नीतीश कुमार की सरकार चलाने की आगे क्या रणनीति रहती है इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। वहीं दूसरी ओर किसी समय राजनीति की अच्छी-खासी जानकारी रखने वाले प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज बिहार में अपना खाता तक खोलने में असमर्थ रही है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने साफ कहा था कि इस बार नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। बिहार चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पहुंचकर एनडीए के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी एवं बिहार की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित और समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने प्रचंड जीत के तुरंत बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह ने नीतीश सरकार पर अत्यंत गंभीर आरोप लगाए थे, उन्होंने एनडीए नेतृत्व पर भी सवाल खड़े किए थे। यहां आपको बताते चलें कि आर.के सिंह एनडीए कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं।

खैर! अब बात करें विपक्ष की तो विपक्ष ने बिहार चुनावों में हेरा-फेरी से चुनाव जीतने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने बिहार में एनडीए की बड़ी जीत पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दाल में जरूर कुछ काला है। वहीं केरल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 202 सीटों में से 128 सीटों पर एनडीए केवल एसआईआर आधारित विलोपन के कारण जीती हैं, उन्होंने पूरी तरह से मतदाता सूची संशोधन को इसका जिम्मेदार ठहराया है। यहां आपको बताते चलें, तो एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रयास यही रहता है कि मतदाता सूची में कोई भी पात्र व्यक्ति छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न होने पाए। सीधे तौर पर देखें तो विपक्ष ने वोट चोरी का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। विपक्ष के वोट चोरी का आरोप कब तक चलता है और विपक्ष इसके लिए क्या नए कदम उठाता है यह देखना भी दिलचस्प होगा। फिलहाल तो एनडीए अपनी नई सरकार के साथ आगामी रणनीति बनाने में मशगूल है और अब एनडीए की नजरें आने वाले पश्चिम बंगाल के चुनावों पर टिकी हैं। 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल राज्य में अगले वर्ष चुनाव होना संभव है, जिसके लिए एनडीए अथवा बीजेपी ने अभी से कमर कसना शूरी कर दी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

सियाराम किला झुनकी घाट मंदिर का मुख्य द्वारा।

जिस रूप में चाहेंगे यहां मिलेंगे राम

अयोध्या की धरती ऐसी है, जहां आप जिस रूप में चाहेंगे राम मिलेंगे। श्रीराम एक हैं, लेकिन रंग में काले, सांवले और गोरे राम भी मिलेंगे। राम की आराधना की परंपरा भी यहां अनेक है। एक सामान्य मानव से जुड़े, जितने रिश्ते होते हैं। अपनी जन्मभूमि में वह उन सभी मानवीय रिश्तों का निर्वाह करते महसूस किए जा सकते हैं। उसी भाव से उनकी आराधना कर भक्त अपना अभीष्ट भी प्राप्त कर लेते हैं। लंबे संघर्ष के बाद श्रीराम की जन्मभूमि का स्थान नियत हुआ। यहां मंदिर में बाल रूप रामलला प्रतिष्ठित हुए। दर्शन के लिए देश से विदेश तक के श्रद्धालु उमड़े। राम मंदिर में सांवले राम हैं। यह तो अयोध्या की पहचान है।

– राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या।

सद्गुरु सेवा सदन मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार और गर्भगृह में स्थापित विग्रह

राम की पूजा पूरे विश्व में होती है। वह सर्वव्यापी हैं, लेकिन परंपरा की दृष्टि से अयोध्या कुछ अलग है। भक्त, भगवान के वश में होते हैं। यह भी यहां चरितार्थ होता है। सद्गुरु सदन में गुरु का चित्र श्रीराम के विग्रह के ऊपर रखकर अर्चन किया जाता है। यहां राम की पूजा शिष्य भाव से की जाती है। अयोध्या में वह सभी मानवीय रिश्तों में हर समय मौजूद रहते हैं। रिश्तों को आधार मानकर की गई आराधना को स्वीकार करते हैं। बिअहुति भवन, लक्ष्मण किला जैसे मंदिर में दूल्हे के रूप में उनकी आराधना की जाती है। सियाराम किला मंदिर में राम सखाभाव से पूजे जाते हैं। यहां संत माता सीता को अपनी सखी मानते हैं। वह महिला का श्रृंगार करते हैं। राम की जीजा के रूप में आराधना करते हैं। इन मंदिरों से सिद्ध साधको की लंबी जमात रही है। कनक भवन जैसे मंदिर में बाल और युगल सरकार के रूप में पूजा होती है।

काले, गोरे और सांवले राम

परंपरा की दृष्टि से अयोध्या छोटा विश्व है। यहां महाराष्ट्रीयन पद्धति का कालेराम मंदिर है, जहां राम का विग्रह काले रंग का है। सरयू तट के करीब गोरे राम का मंदिर भी है, जहां राम की मूर्ति गोरे रंग की है। निर्माणाधीन राम मंदिर में सांवले राम के साथ अब ऊपरी मंजिल पर राजा राम का दरबार सज गया है। अयोध्या के ऐसे बहुत से मंदिर हैं, जहां राजा राम के दरबार की स्थापना है।

सरयू के साथ राम की पहचान

नेत्रजा, वाशिष्ठी जैसे नामों से पुकारी जाने वाली पावन सलिला माता सरयू की पहचान राम के साथ है। भक्त और श्रद्धालु मानते हैं कि बालक के रूप में राम सरयू के तट पर खेले, स्नान किया। कहते हैं भगवान राम, सरयू को मां की तरह मानते थे। इसलिए अयोध्या आने के बाद सरयू का स्नान, दर्शन, पूजन संत और श्रद्धालु पहले करते हैं।

500 साल बाद अयोध्या

यूं तो अयोध्या को पहचान की न कभी जरूरत थी और न होगी। यह सृष्टि की आदि नगरी है, लेकिन लगभग 500 साल के संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद नए परिवेश में अयोध्या को नई पहचान जरूर मिली। इन दिनों राम मंदिर अयोध्या का आकर्षण है, लेकिन इसके साथ अयोध्या की यात्रा करें, तो यहां के अन्य मंदिरों के साथ पौराणिक स्थलों तक पहुंचेंगे तो आनंद कुछ ज्यादा मिलेगा।

सियाराम किला मंदिर में विराजमान भगवान का स्वरूप

विभूति भवन मंदिर में विराजमान विग्रह

कालेराम मंदिर का विग्रह

गोरे राम मंदिर का विग्रह

बोध कथा

अंतर्मन का दीपक

नदी के किनारे बसे सुंदर से एक गांव में लोग अपनी सरलता और परिश्रम के लिए जाने जाते थे। इसी गांव में एक बालिका रहती थी, जिसका नाम रिया था। यूं तो रिया बहुत ही बुद्धिमान, विनम्र और मेहनती थी, किंतु उसमें एक कमी थी। वह प्रत्येक कार्य दूसरों की प्रशंसा पाने के उद्देश्य से करती थी। यदि काम की सराहना होती, तभी वह प्रसन्न रहती। वहीं यदि कोई उसके कार्य पर ध्यान न देता, तो उसका मन निराश हो जाता। एक दिन उसके विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी की घोषणा हुई। प्रधानाचार्य ने बच्चों को अपने-अपने प्रोजेक्ट तैयार करने को कहा। रिया ने खूब मेहनत करके एक सुंदर जल-चक्र मॉडल बनाया। उसने सोचा, "इस बार तो मेरी खूब प्रशंसा होगी।" प्रदर्शनी के दिन उसने अपना मॉडल सजाकर रखा, लेकिन लोगों की भीड़ उसे अनदेखा करते हुए एक अन्य बच्चे के विज्ञान प्रयोग के पास जा रही थी। रिया का मॉडल एक कोने में जस का तस पड़ा था। वह उदास हो गई, उसकी आंखों में आंसू आ गए। उसे लगा कि उसकी सारी मेहनत व्यर्थ गई। वह सर झुकाकर बैठी थी कि अचानक उसके पास गांव के सबसे वृद्ध व्यक्ति रामू बाबा आए, जो अपने ज्ञान और अनुभव के लिए जाने जाते थे। उन्होंने रिया से पूछा, "बेटी, रो क्यों रही हो?" रिया ने सिसकते हुए कहा, "बाबा, मैंने इतना सुंदर मॉडल बनाया, लेकिन इसे किसी ने देखा तक नहीं। ऐसी मेहनत का क्या लाभ, यदि लोग उसकी प्रशंसा ही न करें?" बाबा मुस्कुराए और बोले, "आओ, मेरे साथ चलो।" वे उसे पास बने एक कुएं के पास ले गए। वहां उन्होंने दीपक जलाया और कहा, "बेटी, यह दीपक देखो। क्या यह इसलिए जल रहा है कि कोई इसकी प्रशंसा करे? नहीं, यह इसलिए जल रहा है, क्योंकि इसका स्वभाव ही प्रकाश देना है। चाहे कोई इसे देखे या न देखे, यह हमेशा अपना कर्तव्य निभाता रहता है।"

रिया बड़े ध्यान से दीपक को देखने लगी। बाबा बोले, "ठीक इसी प्रकार मनुष्य का कर्तव्य है-अपने कार्य में पूर्णता और सत्यता लाना। यदि हम प्रत्येक कार्य केवल प्रशंसा के लिए करें, तो हमारा मन बाहर के संसार पर निर्भर हो जाएगा, लेकिन यदि हम अपने भीतर के संतोष के लिए काम करें अर्थात अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तो हमारी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाएगी।" उन्होंने रिया के मॉडल को ध्यान से देखा और कहा, "यह बहुत सुंदर और उपयोगी है, लेकिन वास्तविक मूल्य तुम्हारी मेहनत और सीखने की इच्छा में है, न कि दूसरों की तालियों में।"

रिया के अंधेरे मन में मानो किसी ने ज्ञान का दीप जला दिया था। वह समझ चुकी थी कि सच्चा आनंद अपने प्रयासों में निष्ठा और तत्परता से आता है, न कि बाहरी प्रशंसा से। वह मुस्कुराकर बोली, "अब मैं हर काम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए करूंगी, न कि लोगों को दिखाने और उनकी प्रशंसा पाने के लिए।" प्रदर्शनी समाप्त होने के बाद जब विद्यालय के शिक्षकों ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन किया, तो उन्होंने पाया कि रिया का मॉडल ही सबसे सटीक और सुंदर बना था। परिणामस्वरूप उसे प्रथम पुरस्कार मिला। किंतु इस बार रिया की खुशी का कारण पुरस्कार नहीं था, बल्कि यह कि उसने अंतर्मन के दीपक को प्रज्वलित करना सीख लिया था।

–शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

पौराणिक कथा

कृष्ण की गुरु दक्षिणा

कंस वध के बाद जब मथुरा में शांति लौट आई, तब वसुदेव और देवकी ने निश्चय किया कि अब कृष्ण के औपचारिक शिक्षा-दीक्षा का समय आ गया है। इसी उद्देश्य से वे उन्हें अवंतिका नगरी (आज का उज्जैन) स्थित महान ऋषि सांदीपनि के गुरुकुल में भेजते हैं। वहां कृष्ण और बलराम ने वेद-शास्त्र, राजनीति, युद्धकला और विविध विद्याओं में अल्प समय में अद्भुत प्रगति की। गुरु सांदीपनि इस दिव्य प्रतिभा को देखकर अत्यंत प्रसन्न थे। शिक्षा पूर्ण होने पर कृष्ण ने विनम्रता से गुरु दक्षिणा की बात की। ऋषि सांदीपनि ने सहज ही कहा-"वत्स, तुमसे क्या मांगूं? ऐसा कुछ नहीं जो तुम दे न सको।" पर कृष्ण ने आग्रह किया- "गुरुदेव, दक्षिणा के बिना विद्या अपूर्ण रहती है। कृपया कुछ भी बताइए।"

कुछ क्षण मौन रहने के बाद ऋषि सांदीपनि ने कहा-"शंखासुर नाम का एक दैत्य मेरे पुत्र को उठा ले गया था। यदि तुम मेरी दक्षिणा देना चाहते हो, तो मेरे पुत्र को वापस ले आओ।" कृष्ण ने तुरंत इसे स्वीकार किया और बलराम के साथ खोज यात्रा पर निकल पड़े।

दोनों भाई सागर तट तक पहुंचे। समुद्र से पूछने पर उसने बताया कि पंचज जाति का शंखासुर, शंख का रूप धारण कर समुद्र की गहराइयों में छिपा है। संभवतः उसी ने गुरु-पुत्र को ग्रस लिया होगा। कृष्ण समुद्र में उतरे और भयंकर युद्ध के बाद शंखासुर का वध कर दिया। उसके पेट में उन्होंने गुरु-पुत्र की खोज की, परंतु वह वहां नहीं

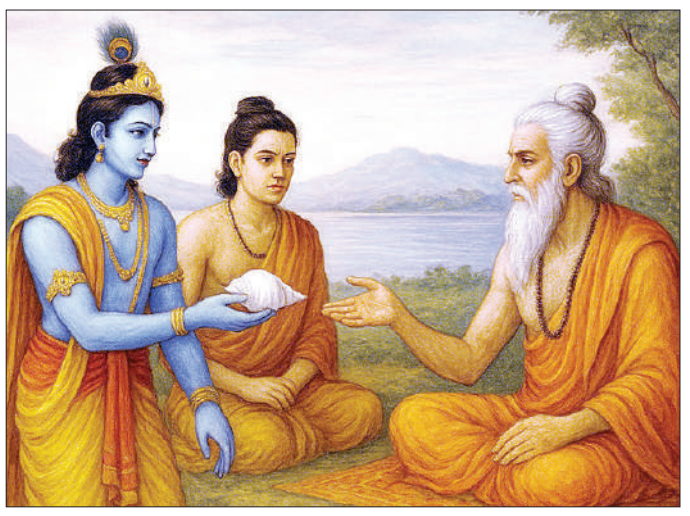

मिला। कृष्ण खोजते हुए यमलोक पहुंचे। यमराज ने भगवान की प्रार्थना स्वीकार की और सांदीपनि के पुत्र को जीवित कर कृष्ण को सौंप दिया। कृष्ण उसे लेकर गुरु के पास लौटे। गुरुकुल में अपने पुत्र को देखकर ऋषि सांदीपनि भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने कृष्ण की भक्ति और दायित्वबोध की महिमा का गुणगान किया और यही माना कि इससे बढ़कर गुरु-दक्षिणा कोई हो ही नहीं सकती। इस प्रकार कृष्ण ने न सिर्फ अपने गुरु का ऋण चुकाया, बल्कि यह बताया कि विद्या तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक उसमें गुरु-सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का तत्व न हो। **– फीचर डेस्क**

सप्ताह के प्रमुख व्रत

20 नवंबर-मार्गशीष अमावस्या

सनातन धर्म में मार्गशीर्ष महीने को बेहद पवित्र माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है कि 'मासानां मार्गशीर्षोऽहम्' यानी 'महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं।' इस माह में आने वाली अमावस्या का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। मार्गशीर्ष अमावस्या को पितरों के तर्पण और भगवान विष्णु की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस दिन शाम में पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का एक दीपक जलाएं। इससे पितृ दोष शांत होता है। मान्यता है कि पीपल में सभी देवी-देवताओं और पितरों का वास होता है। ऐसा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही जीवन का अंधकार दूर होता है।

कोउ कह संकर चाप कठोरा...

विश्व के सर्वाधिक देशों की विभिन्न भाषाओं में रामकथा के विभिन्न प्रसंग अद्भुत संवाद योजना और अभिनय की दृष्टि से एकाधिक रूप में मिलते हैं, उन समस्त प्रसंगों में श्री जानकी-रामविवाह सर्वाधिक आनंदप्रद और सम्मोहनकारी है। कविकुल-शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी की भक्ति की पृष्ठभूमि दास्य भावना पर आधारित है। वे विनयभाव से रामकथा के अप्रतिम प्रस्तोता हैं, परंतु इस प्रसंग का उल्लेख वे बड़े नेहपगे मन से करते हैं। रस प्रधानता की दृष्टि से रामचरितमानस भक्ति रस प्रधान ग्रंथ है। कवि की प्रत्येक चौपाई में शील और सम्मान तथा भक्तिभावना की व्याप्ति है।

मानस के बालकांड में श्रीरामजानकी के विवाह में विदेहराज जनक जी द्वारा आयोजित सीता-स्वयंवर में दशरथनंदन राजकुमार द्वय- राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ रंगभूमि में आकर्षण के केंद्र बिंदु हैं। गोस्वामी जी बालकांड में जनकपुर नगर, हाट, भवन तथा वीथियों सहित निवासियों की प्रशंसा प्रमुखता से करते हैं-

चारु बजारु बिचित्र अंबारी। मनिमय बिधि जनु स्वकर संवारी।।
पुर नर नारि सुभग सुचि संता। धरमसील ग्यानी गुनवंता।।
अति अनूप जहं निवासू। विथकहिं बिबुध बिलोकि बिलासू।।

ऋषि विश्वामित्र के जनकराज से मिलने पर दोनों भाईओं का परिचय कराते हुए बताते हैं कि ये दोनों बालक सामान्य बालक नहीं हैं। इनकी स्तुति तो ब्रह्मा जी भी गाते हैं। परम पौरुषवान होने के फलस्वरूप मैंने यज्ञ की रक्षा हेतु दोनों बालकों को अयोध्या नरेश दशरथ से मांगा है। यह दोनों चक्रवर्ती दशरथ जी की संतान हैं। उनका परिचय यज्ञभूमि तक सीमित नहीं रह जाता। दोनों भाईयों को जनकपुर नगर भ्रमण करते देख स्त्रियां परस्पर बातें करती हैं कि राजा दशरथ और कौशल्या के यह दोनों पुत्र मानो हंसों का जोड़ा है। मेरा मन तो यही कहता है कि फूल जैसी सुकुमारी सीता के लिए इन्हें वर रूप में वरण हेतु विधाता ने यहां भेजा है। यह संयोग अद्भुत ही नहीं मंगलकारी भी है। वहीं दूसरी सखी कोउ कह संकर चाप कठोरा, ए स्यामल मृदु गात किसोरा कहकर संदेह व्यक्त करती

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

है, लेकिन तीसरी स्त्री संदेह दूर करते हुए कहती है कि इनके जैसा कोई और नहीं है। ये देखने में छोटे हैं, परंतु इनका प्रताप असीम है। शील-गुण-धाम श्रीराम जी अनुज लक्ष्मण को लेकर पुष्पवाटिका में उपस्थित हैं तभी गिरिजापूजन के लिए सीता सखियों सहित प्रवेश करती हैं। दोनों एक-दूसरे को देखते हैं, मिथिलेश नंदिनी रूप-अनूप देखकर थोड़ी मुदित, थोड़े संकोच में पड़ जाती हैं। आमंत्रित राजा-महाराजाओं के अलावा भी सीता स्वयंवर देखने के लिए रंगभूमि में किन्नर, यक्ष, गंधर्व, नाग सहित तीनों लोकों के महिपाल भिन्न-भिन्न रुपों में उपस्थित थे। सीता के हाथों वरमाला पहनने की उत्कंठा भला कौन गंवाना चाहेगा। शुभ मुहुर्त में सयानी सखियों के संग सीता स्वयंवर स्थल की ओर चल पड़ीं। देवताओं ने फूल बरसाए, अप्सराएं नृत्यमग्न हो गईं। सीता तिरछे नैन से राम की ओर देखकर आगे बढ़ती हैं, उनकी इस भंगिमा में पुकार, सत्कार भी और प्रथम-दर्शन का अनुराग भी एक साथ अंतर्निहित था। यह प्रेमपगा अद्भुत प्रसंग रामचरितमानस सहित समस्त रामकथा की अनूठी निधि है। साक्षात जगत जननी जगदंबा को भार्यारूप में प्राप्त करने की दिग्गज महीपालों में होड़ है, परंतु धनुष को भंग करना तो दूर उसे लेशमात्र वे समस्त स्वनामधन्य राजागण हिला तक नहीं पाए। वस्तुतः उनकी अभिलाषा वासनाजनित और उत्कंठा में अहंकार-पोषित थी। विभिन्न राजा-महाराजाओं को लंबी-लंबी डींगें मारने और लज्जित होकर वापस अपने स्थान पर बैठने के पश्चात विश्वामित्र ने राजा जनक की निराशा दूर करते हुए रामजी को आदेश दिया। वे अत्यंत सहज भाव से शिव के धनुष को तिनके के समान उठाकर खंडित कर देते हैं। धनुष खंडन के पूर्व और पश्चात सम-भावी श्रीराम गुरु विश्वामित्र को प्रणाम करते हैं। सीता के आनंद का कोई ओर-छोर नहीं। वे प्रेम-विवश हो गईं। जनक जी ने अयोध्या संदेश भेजा। राजा दशरथ अनुरोध स्वीकारते हुए बारात लेकर जनकपुर पहुंचते हैं। राम सहित तीनों भाइयों के एक ही मंडप के विभिन्न कोबहरों में विवाह तीनों लोक के देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,950.95	26,013.45
बढ़त	388.17	103.40
प्रतिशत में	0.46	0.40

सोना 1,29,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,800 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, मंगलवार, 18 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने कुछ प्रकार के प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर अगले साल अप्रैल तक प्रतिबंध लगाने की सोमवार को घोषणा की। सरकार ने सितंबर में कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर अगले साल 31 मार्च तक प्रतिबंध लगाया था। इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना जड़ाऊ आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना था। भारत का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। थाईलैंड इस 10 राष्ट्र समूह का सदस्य है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि प्लैटिनम आभूषणों की आयात नीति के तहत रोक लगाया गया है।

मास्टर कैपिटल जल्द उतरेगा एमएफ में

नई दिल्ली। मास्टर कैपिटल सर्विसेज को म्यूचुअल फंड (एमएफ) कारोबार में उतरने के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। इस अनुमोदन से कंपनी को एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) स्थापित करने और म्यूचुअल फंड योजनाएं शुरू करने के लिए अतिरिक्त विनियामक कदम उठाने की अनुमति मिल गई है, बशर्ते कि वह सेबी की अंतिम पंजीकरण जरुरतों को पूरा करे। मास्टर ट्रस्ट की अनुषंगी कंपनी मास्टर कैपिटल सर्विसेज ने इसकी जानकारी दी।

पावर ग्रिड बॉण्ड से जुटाएगी 3,800 करोड़

नई दिल्ली। पावर ग्रिड की निदेशकों की समिति ने उसे निजी नियोजन के आधार पर बॉण्ड जारी कर 3,800 करोड़ तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि आधार निर्गम आकार 1,000 करोड़ होगा। इसमें 2,800 करोड़ का ग्रीन शू विकल्प भी होगा। दस समान वार्षिक किस्तों में विमोच्य इन बॉण्ड पर ब्याज का भुगतान सालाना आधार पर होगा।

किंग्स इन्फ्रा ने आंध्र प्रदेश से किया समझौता

नई दिल्ली। किंग्स इंफ्रा वेंचर्स लिमिटेड ने श्रीकाकुलम के निकट 2,500 करोड़ की लागत से जलीय कृषि प्रौद्योगिकी पार्क विकसित करने के वास्ते आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने की सोमवार को घोषणा की। किंग्स इन्फ्रा ने कहा कि 500 एकड़ में फैला पार्क पहला एआई-संचालित जलीय कृषि पार्क होगा जो प्रौद्योगिकी-सक्षम टिकाऊ समुद्री खाद्य उत्पादन के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर पर

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क से अक्टूबर माह में आई गिरावट, व्यापार घाटा भी रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हुआ
- सोने का आयात 200% बढ़ा, चांदी में 528.71% की वृद्धि

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क के प्रभाव से अक्टूबर में भारत का निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर रह गया। वहीं सोने के आयात में उछाल के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोना, चांदी, कपास कच्चा/अपशिष्ट, उर्वरक और सल्फर की अधिक आवक से देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा सितंबर में बढ़कर 31.15 अरब डॉलर रहा था। सोने का आयात अक्टूबर में लगभग 200 प्रतिशत बढ़कर 14.72 अरब डॉलर हो गया, जबकि चांदी का आयात 528.71 प्रतिशत बढ़कर 2.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अक्टूबर में कच्चे तेल का आयात घटकर 14.8 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 18.9 अरब डॉलर था।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान निर्यात मामूली रूप से 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान व्यापार घाटा 196.82 अरब रह गया जो अप्रैल-अक्टूबर, 2024 के दौरान 171.40 अरब डॉलर था।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, हम अपनी स्थिति पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने निर्यात में गिरावट का कारण आधार प्रभाव (अक्टूबर, 2024 में 38.98 अरब डॉलर) भी हो सकता है। मुख्य क्षेत्रों जैसे कि इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न और आभूषण, परिधान और वस्त्र, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, फार्मास्युटिकल्स, और प्लास्टिक उत्पादों में स्पष्ट कमी देखी गई, जिसने कुल निर्यात प्रदर्शन को प्रभावित किया। हस्तशिल्प, कालीन, चमड़ा, लौह अयस्क, चाय, चावल, तंबाकू, मसाले और तेल खली के निर्यात में भी अक्टूबर में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 10.5 प्रतिशत घटकर लगभग चार अरब डॉलर रह गया, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 16.71 प्रतिशत घटकर 9.37 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम शुल्क लगा रखा है, जिसका असर देश के निर्यात पर पड़ रहा है।

निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक : फियो अध्यक्ष रल्हन

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक है, जो भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कई प्रमुख बाजारों में कम मांग और वस्तुओं की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के चलते है। बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्णायक और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप का आग्रह किया। उन्होंने निर्यात समर्थन उपायों को बढ़ाने, विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ को तेजी से जारी करने, बेहतर और किफायती ऋण पहुंच और अनुपालन बोझ को कम करने की आवश्यकता दोहराई ताकि निर्यातक चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश में प्रतिस्पर्धी बने रह सकें। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 38.52 अरब डॉलर है, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 34.41 अरब डॉलर था।

अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी का होगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय कंपनियों ने किया एक साल का समझौता

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने 2026 में अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करने के लिए एक वर्ष का समझौता किया है। इस कदम को अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। यह मुद्दा राष्ट्रपति ट्रंप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

सोमवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने अनुबंध वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी खाड़ी तट से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने को एक वर्षीय संरचित अनुबंध किया है। अनुबंधित मात्रा भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का 10% है और यह भारतीय बाजार के लिए पहला ऐसा अमेरिकी एलपीजी अनुबंध है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) वर्ष 2026 में 48 बहुत बड़े गैस वाहक जहाजों के बराबर एलपीजी आयात करेंगी। इनकी आपूर्ति अमेरिकी कंपनियां शेवरॉन, फिलिप्स और टोटलएनर्जीज़ ट्रेडिंग एसए करेंगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस एलपीजी समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक शुरुआत! दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते एलपीजी बाजारों में से एक अब अमेरिका के लिए खुल रहा है।

निवेशकों की संख्या दोगुना करेगी सेबी : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

- सेबी प्रमुख ने हाल ही में कराए सर्वेक्षण का दिया हवाला

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक तीन से पांच साल में शेयर बाजार निवेशकों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। पांडेय ने हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला दिया। यह सर्वेक्षण निवेश के प्रति उत्सुकता को दर्शाता है।

सर्वेक्षण में 20% से अधिक लोगों ने कहा कि वे प्रतिभूति बाजार में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। पांडेय ने कहा कि हम निवेशकों की संख्या को दोगुना करने की उम्मीद कर रहे हैं। अगर हम 10 करोड़ और निवेशक जोड़ दें तो यह कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होगा। भारत में विशिष्ट निवेशकों की कुल संख्या अक्टूबर तक 12.2 करोड़ थी और 2020 में कोविड के बाद से यह संख्या तेजी से बढ़ी है। पांडेय ने उद्योग मंडल सीआईआई वित्त पोषण शिखर सम्मेलन में कहा कि पूंजी बाजार परिवेश में यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाली प्रतिभूति आएं जो निवेशकों का ध्यान आकर्षित करें। निवेशकों की रुचि उच्च आर्थिक वृद्धि, सरकार के किए सुधारों और निवेश और कारोबार सुगमता से प्रेरित है। घरेलू निवेशक आने वाले झटकों के खिलाफ ढाल बनेंगे। सेबी का एजेंडा नए नियम जोड़ना नहीं है, बल्कि बेहतर नियम पुस्तिका तैयार करना है जो आसान हो। जिन जोखिमों का समाधान करना है उनके अनुपात में हो और नवाचार का समर्थन करे।

बाजारों से मिले विश्वास के कई संकेत

पांडेय ने कहा कि बाजारों में परिपक्वता और लोगों के विश्वास के कई संकेत मिले हैं और इस संदर्भ में उन्होंने कुछ आंकड़े भी दिए। पांडेय ने कहा कि 2025-26 में, इक्विटी पूंजी 2.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जबकि कॉरपोरेट बॉण्ड सात महीनों में 5.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गए। ये जनता के इस विश्वास को दर्शाते हैं कि बाजार दीर्घकालिक वित्तपोषण को कुशलतापूर्वक और विश्वसनीय रूप से पूरा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड से वार्ता अंतिम चरण में

नई दिल्ली, एजेंसी

मुक्त व्यापार समझौता

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ भारत की मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अंतिम चरण में है और जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक भारतीय दल दोहरे योगदान सम्मेलन (डीसीसी) समझौते पर चर्चा के लिए ब्रिटेन में है।

अग्रवाल ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा ताकि दोनों (डीसीसी और एफटीए) एक साथ शुरू किए जा सकें। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया है क्योंकि इसके लिए ब्रिटेन की संसद की मंजूरी की जरूरत है। अग्रवाल ने यूरोपीय संघ के साथ बातचीत के बारे में कहा कि बातचीत अंतिम चरण में है। लेकिन अंतिम चरण हमेशा कठिन होता है। सचिव ने कहा कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत भी अंतिम चरण में है। हमें उम्मीद है कि हम जल्द से जल्द बातचीत को पूरा कर लेंगे। अंतिम चरण में समय लग सकता है।

सचिव ने कहा कि इसके अलावा दो दक्षिण अमेरिकी देशों पेरू और चिली के साथ भी बातचीत जारी है। पेरू के साथ, प्रगति हो रही है और हमें इसमें प्रगति देखने की उम्मीद है। चिली से भी बातचीत अच्छी गति से बढ़ रही है और चौथे दौर की वार्ता दिसंबर में होने वाली है। उन्होंने आसियान के साथ मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा के संबंध में कहा कि यह एक कठिन समीक्षा है, लेकिन हम प्रगति कर रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि दिसंबर में वार्ता का एक और दौर होने की संभावना है जहां हमें कुछ और सकारात्मक प्रगति देखने को मिल सकती है।

आसियान के 10 देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम हैं।

भारत-अमेरिका का पहला चरण पूरा होने के करीब

नई दिल्ली। प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण लगभग पूरा होने वाला है और इसमें अमेरिकी बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों के अलावा भारतीय वस्तुओं पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का समाधान भी शामिल होगा। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका ने भारत पर 25% और रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाली भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाया है। अधिकारी ने कहा कि हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिका से बातचीत कर रहे हैं। इसके दो चरण हैं। एक चरण की बातचीत में समय लगेगा। दूसरा चरण एक पैकेज है जो शुल्कों को संबोधित कर सकता है। हम दोनों पहलुओं पर काम कर रहे हैं। शुल्कों को संबोधित करने वाला पैकेज पूरा होने के करीब है और हमें इसे जल्द ही प्राप्त हो जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि इस समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद है, अन्यथा इस समझौते का कोई मतलब नहीं होगा।

- समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद

राष्ट्रीय

निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट

महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा- उल्लंघन होने पर चुनाव पर लगा देंगे रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार से कहा कि अगले महीने होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो तथा चेतावनी दी कि यदि आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हुआ, तो चुनाव पर रोक लगा दी जाएगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 2022 की जेके बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के अनुसार ही कराए जा सकते हैं, जिसमें ओबीसी श्रेणियों में 27% आरक्षण की सिफारिश थी। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर पीठ ने मामले की सुनवाई 19 नवंबर के लिए तय की, लेकिन राज्य सरकार से कहा कि वह 50% की सीमा से आगे न बढ़े।

शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर नामांकन शुरू हो गया है और अदालत को काम रोक देना चाहिए, तो हम चुनाव पर रोक लगा देंगे। अदालत की शक्तियों का इम्तिहान न लें। पीठ ने कहा कि हमारा संविधान पीठ द्वारा तय 50% आरक्षण सीमा को पार करने का इरादा नहीं था। हम दो न्यायाधीशों वाली पीठ में बैठकर ऐसा नहीं कर सकते। बांठिया आयोग की रिपोर्ट अब भी विचाराधीन है, हमने पहले की स्थिति के अनुसार चुनाव कराने की अनुमति दी थी।

दिल्ली प्रदूषण : दीर्घकालिक समाधान पर जोर, साल भर पाबंदी से इन्कार

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक समाधान की वकालत करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेप) के तहत प्रतिबंधों को साल भर लागू नहीं किया जा सकता। 'ग्रेप' प्रदूषण नियंत्रण के लिए आपातकालीन उपायों का समूह है। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे दोनों राज्यों में पराली जलाने के मुद्दे पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि अगर सीएक्यूएम द्वारा पंजाब और हरियाणा को दिए सुझावों पर अमल किया जाता है, तो पराली जलाने की समस्या से पर्याप्त रूप से निपटा जा सकता है। इसलिए हम दोनों राज्यों को एक संयुक्त बैठक करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं कि सीएक्यूएम के सुझावों का ईमानदारी से पालन किया जाए। पीठ ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने 11 नवंबर को बैठक की थी और एक दिन के भीतर प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी को अगली सुनवाई की तारीख 19 नवंबर को पूरी कार्ययोजना से अदालत को अवगत कराने के लिए कहा गया है, जब अदालत इस मामले में निर्देश भी जारी करेगी। शुरुआत में पीठ ने कहा कि समय-समय पर वायु प्रदूषण के उच्च स्तर से निपटने के लिए कई आदेश पारित किए गए हैं।

बुजुर्ग महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के आरोपियों की रिहाई रोकी

सुप्रीम कोर्ट ने एक दुर्लभ कदम उठाते हुए उन लोगों को जेल से रिहा करने से रोक दिया जिन पर शीर्ष अदालत की 72 वर्षीय महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर 3.29 करोड़ की ठगी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि मामले में असाधारण आदेश की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, हमें इन मामलों से सख्ती से निपटना होगा ताकि सही संदेश जाए। एक असाधारण घटना के लिए असाधारण हस्तक्षेप की जरुरत है। पीठ नेसुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) द्वारा दायर हस्तक्षेप आवेदन को रिकॉर्ड में लिया, जिसमें महिला वकील के मामले को आगे बढ़ाया गया और अपराध के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आग्रह किया गया। एससीएओआरए के अध्यक्ष विपिन नायर ने कहा कि बुजुर्ग महिला वकील की सारी जमा पूंजी चली गई और इस वर्ष मई में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी वैधानिक जमानत पर रिहा होने वाले हैं।

टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली है। साथ ही शीर्ष अदालत ने पूछा कि क्या टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दी जानी चाहिए? न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश की दो बड़ी शराब कंपनियों के बीच ट्रेडमार्क विवाद पर सुनवाई के दौरान यह तल्ख टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता ने दोनों कंपनियों के टेट्रा पैक पीठ के समक्ष पेश किए तथा उनके बीच समानता की ओर इशारा किया। पीठ ने आश्चर्य जताया कि सरकार ने टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दे दी है। उसने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। यह मामला जॉन डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ओरिजिनल चॉइस व्हिस्की बेचती है) और एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाती है) के बीच ट्रेडमार्क विवाद से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने दोनों कंपनियों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एल. नागेश्वर राव को मध्यस्थ नियुक्त किया।

हवाई किराए में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव रोकने संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें भारत में निजी विमानन कंपनियों द्वारा लागू हवाई किराए और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए बाध्यकारी नियामक दिशानिर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई को सहमत हो गई, जिन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्री सुरक्षा के लिए मजबूत, स्वतंत्र नियामक स्थापित करने की मांग की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनका जवाब मांगा और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की। इसमें याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रवींद्र श्रीवास्तव और अधिवक्ता चारु माथुर तथा अभिनव वर्मा उपस्थित हुए। सभी निजी एयरलाइन ने बिना ठोस कारण के, इकोनॉमी क्लास के यात्रियों के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज भत्ते को 25 से घटाकर 15 किग्रा कर दिया है, जिससे पहले टिकट सेवा का हिस्सा रहे सामान को राजस्व के नए स्रोत में बदला गया है। चेक-इन के लिए एक सामान ले जाने की अनुमति की नई नीति और यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवज़ा या लाभ न देना, इस उपाय की मनमानी और भेदभावपूर्ण प्रकृति को दर्शाता है।

केरल : एसआईआर कार्य का बीएलओ ने किया बहिष्कार

एसआईआर कार्य के विरोध में प्रदर्शन करते बीएलओ।

तिरुवनंतपुरम। केरल में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने काम के तनाव के कारण एक अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने की घटना के बाद कार्य का बहिष्कार किया, जिससे राज्य में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया सोमवार को प्रभावित रही।

कन्नूर के पय्यान्नूर में बीएलओ के रूप में कार्यरत 44 वर्षीय अनीश जॉर्ज रविवार को अपने घर में फांसी पर लटके पाए गए थे। स्थानीय लोगों और जॉर्ज के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्होंने यह कदम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े काम के दबाव में उठाया। राज्य सरकार कर्मचारी एवं शिक्षक कार्य परिषद और शिक्षक सेवा संगठनों की संयुक्त समिति समेत कर्मचारियों के श्रमिक संगठनों ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मांग की कि बीएलओ पर अत्यधिक दबाव न डालें एवं एसआईआर को स्थगित करने पर विचार करें।

केरल एनजीओ एसोसिएशन ने भी प्रदर्शन किया और मांग की कि आत्महत्या की और घटनाओं को रोकने के लिए एसआईआर को रोका जाए।

वानी को आत्मघाती हमलावर बनाना चाहता था डॉ. उमर

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई महीने की ब्रेनवाश करने की कोशिश मगर नहीं हो सका कामयाब
- पूछताछ में जैश की आत्मघाती हमलावर तैयार करने की साजिश का किया खुलासा

तुर्किए से लौटने के बाद उमर ने विस्फोटकों का किया भंडारण

जम्मू-कश्मीर पुलिस को वानी ने बताया कि उमर में बदलाव 2021 में सहआरोपी डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई के साथ तुर्किये की यात्रा के बाद आया, जहां दोनों जैश-ए-मोहम्मद के ओवर ग्राउंड वर्कर से मिले थे। एजेंसी के मुताबिक तुर्किये की यात्रा के बाद अल फलाह विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले उमर और गनई ने खुले बाजार से भारी मात्रा में रसायन इकट्ठा करना शुरू कर दिया, जिसमें 360 किग्रा अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल थे, जिनमें से अधिकांश को विश्वविद्यालय परिसर के पास संग्रहीत किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से गिरफ्तार किए गए दिल्ली विस्फोट के दूसरे आरोपी जसीर बिलाल वानी ने पूछताछ में कई राज खोले हैं। आतंकी संगठन जैश की भारत में हमलों के लिए आत्मघाती हमलावर तैयार करने की मुहिम का खुलासा करते हुए उसने बताया कि विस्फोट को अंजाम देने वाला डॉ.उमर उन नबी आत्मघाती हमलावर बनने के लिए कई महीने तक उसका ब्रेनवाश करने की कोशिश करता रहा था लेकिन उसने आत्महत्या के लिए इस्लाम में मनाही का जिक्र करते हुए इन्कार कर दिया था।

एनआईए के मुताबिक वानी राजनीति विज्ञान में स्नातक है। उमर की कोशिशों के बाद वह पिछले वर्ष अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में 'डॉक्टर मॉड्यूल' से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया था। वानी को पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उसने खुलासा किया था कि मॉड्यूल के अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए ओवर-ग्राउंड वर्कर बनाना चाहते थे, जबकि उमर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर आत्मघाती हमलावर बनने के लिए तैयार कर रहा था। उमर की यह कोशिश इस साल अप्रैल में उस समय नाकाम हो गई जब वानी ने खराब आर्थिक स्थिति और इस्लाम में आत्महत्या को निषिद्ध मानने का हवाला देते हुए इससे इंकार कर दिया था। एनआईए के मुताबिक आत्मघाती हमलावर बनाने की मुहिम की साजिश जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क की जांच में एक खतरनाक आयाम जोड़ती है।

6 माह महिला को रखा डिजिटल अरेस्ट, 32 करोड़ ठगे

बेंगलुरु, एजेंसी

- सीबीआई बनकर महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर दबाव डालकर कराए 187 बैंकिंग लेनदेन

कर्नाटक के बेंगलुरु की 57 वर्षीय महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने छह महीने से अधिक समय तक चले डिजिटल अरेस्ट में करीब 32 करोड़ गंवा दिए। कर्नाटक में यह सबसे बड़ी साइबर धोखाधड़ी है और इस संबंध में मामला दर्ज हुआ है।

धोखेबाजों ने सीबीआई बनकर स्काइप से महिला की निगरानी कर उसे डिजिटल अरेस्ट कर रखा था। ठगों ने महिला को गिरफ्तारी की धमकी दी और उससे सारी वित्तीय जानकारी ली तथा 187 बैंकिंग लेनदेन का दबाव डाला। शहर के इंदिरानगर की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने शिकायत में कहा कि क्लीयरेंस लेटर मिलने तक धोखबाजों ने उसे छह महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' के धोखे में रखा। इसकी शुरुआत 15 सितंबर, 2024 को एक व्यक्ति के फोन से हुई, जिसने डीएचएल अंधेरी से होने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि उसके नाम से बुक किए पार्सल में क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट और एमडीएमए है और उसकी पहचान का दुरुपयोग हुआ है।

मेथिलीन-डाइऑक्सीमेथाम्फेटामीन (एमएमडीए) मादक पदार्थ होता है। इससे पहले कि महिला कोई जवाब दे पाती, कॉल स्थानांतरित की गई, जिसने कॉल ली उसने खुद को सीबीआई बताया और दावा किया कि सारे सबूत आपके खिलाफ हैं। जालसाज़ों ने उसे पुलिस से संपर्क नहीं करने की चेतावनी दी और कहा कि वे उसके घर पर नजर रख रहे हैं। परिवार और बेटे की होने वाली शादी के डर से, वह चुप रही। शिकायत के अनुसार महिला को दो स्काइप आईडी बनाने और वीडियो पर बने रहने का निर्देश दिया गया था। इसके अनुसार मोहित हांडा नामक एक व्यक्ति ने दो दिन तक उस पर नजर रखी, उसके बाद राहुल यादव ने एक हफ्ते तक उस पर नजर रखी। एक और जालसाज प्रदीप सिंह ने खुद को सीबीआई का वरिष्ठ अधिकारी बताया और उस पर अपनी बेगुनाही साबित करने का दबाव डाला। शिकायतकर्ता ने कहा कि ऐसा प्रतीत हुआ कि समूह को उसकी फ़ोन गतिविधि और लोकेशन की जानकारी थी, जिससे उसका डर और बढ़ गया। इस ठगों ने फायदा उठाकर बैंकिंग लेने देने कराएं।

वर्ल्ड ब्रीफ

टॉम क्रूज़ को मिला मानद ऑस्कर

लॉस एंजिल्स। मशहूर अभिनेता टॉम क्रूज़ को गवर्नर्स अवार्ड्स के दौरान अकादमी मानद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्रूज़ को मिशन इम्पॉसिबल श्रृंखला और टॉप गन फ्रेंचाइजी जैसी बड़ी फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है। यह पुरस्कार फिल्म निर्माता एलेजांद्रो जी. इनारितु ने क्रूज को प्रदान किया। पुरस्कार ग्रहण करते वक्त 63 वर्षीय अभिनेता ने उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने फिल्मों को संभव बनाया। क्रूज़ ने कहा कि सिनेमा मुझे दुनिया भर में ले जाता है। इससे मुझे मतभेद दूर करने में मदद मिलती है।

इजराइल से निर्यात प्रतिबंध हटाएगा जर्मनी

बर्लिन। जर्मनी की सरकार ने सोमवार को कहा कि वह इजराइल को सैन्य उपकरणों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने जा रही है। यह प्रतिबंध तीन महीने पहले लगाए गए थे। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अगस्त की शुरुआत में कहा था कि बर्लिन इजराइल को ऐसे किसी भी सैन्य उपकरण के निर्यात को अधिकृत नहीं करेगा जिसका इस्तेमाल गाजा में किया जा सकता है। यह इजराइली कैबिनेट द्वारा गाजा शहर पर कब्जा करने के निर्णय की प्रतिक्रिया थी। चांसलर मर्ज के प्रवक्ता स्टीफन कोर्नेलियस ने जर्मनी की न्यूज एजेंसी डीपीए को बताया कि प्रतिबंध 24 नवंबर से हटा लिए जाएंगे।

प्रवासी सम्मान पाने वाले बेजालेल का निधन

यरुशलम। इजराइल में एक चरवाहे के रूप में काम करने से लेकर अपने अथक परिश्रम से कृषि क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनने, साथ ही प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त करने वाले भारतीय मूल के उद्यमी एलियाहू बेजालेल का रविवार को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बेजालेल मूल रूप से केरल के गांव चेन्दमंगलम के रहने वाले थे लेकिन 1955 में 25 वर्ष की आयु में वह इजराइल आ गए थे। लेकिन यहां आने के बाद भी उनका अपनी मातृभूमि के साथ मजबूत भावनात्मक संबंध बना रहा था। उन्हें 2006 में प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया गया था जो भारत द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

शंघाई उड़ान बहाल करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक फरवरी, 2026 से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानें फिर से शुरू करेगी और लगभग छह वर्ष बाद चीन के लिए सीधी विमान सेवा बहाल होगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने 2020 की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर शंघाई के लिए सेवाएं बंद कर दी थीं। एक फरवरी से दिल्ली-शंघाई उड़ानें फिर से शुरू करने की सोमवार को घोषणा करते हुए एयर इंडिया ने यह भी कहा कि वह 2026 में मुंबई और शंघाई के बीच उड़ान की योजना बना रही है।

कांगो में खदान पर पुल ढहने से 32 की मौत

बुकावु। दक्षिण-पूर्वी कांगो में एक तांबा और कोबाल्ट खदान में अत्यधिक भीड़ के कारण एक पुल ढह गया जिससे 32 लोगों की मौत हो गई। प्रांत के गृह मंत्री रॉय कौम्बा मायोंडे ने बताया कि लुआलाबा प्रांत के मुलोंडो में कलांडो खदान का पुल शनिवार को ढह गया। खनन विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर सैनिकों की गोलीबारी से खनिकों में दहशत फैल गई और वे पुल की ओर भागे जिससे पुल ढह गया तथा वे एक-दूसरे के ऊपर गिर गए जिससे कई लोग हताहत हुए।

नाइजीरिया में 25 छात्राओं का विद्यालय से अपहरण

अबुजा, एजेंसी

- बंदूकधारियों ने स्कूल के एक कर्मचारी की हत्या भी की

अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित एक हाई स्कूल पर बंदूकधारियों ने सोमवार सुबह हमला कर 25 छात्राओं का अपहरण कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में स्कूल अपहरण की नवीनतम घटना में स्कूल का एक कर्मचारी मारा गया तथा एक अन्य घायल हो गया। उसने बताया कि केब्बी राज्य के बोर्डिंग स्कूल से अपहरण की इस घटना की जिम्मेदारी अब तक किसी समूह ने नहीं ली है।

पुलिस के मुताबिक घटना स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे हुई और लड़कियों को उनके छात्रावास से अगवा किया गया। पुलिस प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि बोर्डिंग स्कूल राज्य के डैंको-वासागु इलाके के मागा में स्थित है। कोटरकोशी ने बताया कि हमलावर अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे और लड़कियों का अपहरण करने से पहले उन्होंने सुरक्षाकर्मियों के साथ गोलीबारी की। एक संयुक्त टीम संदिग्धों के भागने के मार्गों और आसपास के जंगलों में समन्वित खोज और बचाव अभियान चला रही है, जिसका उद्देश्य अपहृत छात्राओं को छुड़ाना और अपराधियों को गिरफ्तार करना है।

सत्ता के सिंहासन से फांसी के तख्त तक

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा मौत की सजा सुनाई गई है। हसीना ने फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। बांग्लादेश की अदालत द्वारा सुनाया गया यह फैसला दुनिया में पहला नहीं है, अब तक दुनिया भर में कई राष्ट्राध्यक्षों या राष्ट्र प्रमुखों को उनके देश में मौत की सजा दी गई या उन्हें अन्य गंभीर दंड दिए गए हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक देश के अपने कानून और न्याय प्रणाली हैं, और मौत की सजा का उपयोग और प्रावधान भिन्न होता है।

राष्ट्राध्यक्षों को मौत की सजा

हसीना के मामले में भारत के पास विकल्प

- **प्रत्यर्पण संधि :** भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के अनुरोध पर वांछित व्यक्तियों को सौंप सकते हैं।
- **राजनयिक प्रयास :** भारत सरकार बांग्लादेश के साथ राजनयिक प्रयास कर सकती है ताकि शेख हसीना के मामले का समाधान निकाला जा सके।
- **अंतर्राष्ट्रीय मंच :** भारत इस मामले को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी उठा सकता है, जैसे कि संयुक्त राष्ट्र या अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में, ताकि बांग्लादेश पर दबाव बनाया जा सके।
- **शरण की स्थिति :** भारत सरकार शेख हसीना को शरण देने का निर्णय ले सकती है, अगर उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके जीवन को खतरा है या उन्हें न्याय नहीं मिलेगा।

इन राष्ट्राध्यक्षों को मिली थी फांसी

- **निकोले चाऊशेस्कु :** रोमानिया के पूर्व राष्ट्रपति को 1989 में नरसंहार, क्रूर दमन, भ्रष्टाचार और राष्ट्र की संपत्ति लूटने जैसे गंभीर आरोपों में दोषी पाया गया और तुरंत मौत की सजा सुनाई गई।
- **ज़ुल्फिकार अली भुट्टो :** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री को 1979 में एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के आरोप में फांसी दी गई थी।
- **सद्दाम हुसैन :** इराक के पूर्व राष्ट्रपति को 2006 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **लिबिया के पूर्व नेता मुअम्मर गद्दाफी :** उन्हें 2011 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए पीट-पीटकर मार दिया गया था।
- **फ्रांसिस्को मैकियास नगुएमा :** इक्वेटोरियल गिनी के पूर्व राष्ट्रपति को 1979 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **बेनिटो मुसोलिनी :** इटली के फासीवादी नेता बेनिटो मुसोलिनी को दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मार दिया गया था।
- **मोहम्मद नजीबुल्लाह :** अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नजीबुल्लाह को तालिबान ने मौत की सजा दी थी।

भारत के सामने चुनौतियां

- **बांग्लादेश के साथ संबंध :** भारत को इस मामले में बहुत सावधानी से कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि बांग्लादेश के साथ संबंध खराब न हों।
- **क्षेत्रीय स्थिरता :** भारत को क्षेत्रीय स्थिरता को भी ध्यान में रखना होगा, क्योंकि इस मामले में कोई भी गलत कदम उठाने से क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।
- **शेख हसीना का भविष्य :** भारत को शेख हसीना के भविष्य को भी ध्यान में रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें न्याय मिले और उनके अधिकारों का हनन न हो।

रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे बहुत कड़ी पाबंदियां

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, कहा-हम कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे

- ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाया है 50 प्रतिशत शुल्क

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि जो भी देश रूस के साथ व्यापार करेगा, उस पर बहुत कड़ी पाबंदियां लगाई जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन और रिपब्लिकन सांसद मॉस्को को निशाना बनाने वाले कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे हैं। रविवार को एक प्रेस वार्ता में ट्रंप से पूछा गया कि क्या रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालने के लिए कांग्रेस द्वारा उपाय लागू करने का समय आ गया है, इस पर उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि वे ऐसा कर रहे हैं और यह ठीक है।

ट्रंप ने कहा, वे कानून पारित कर रहे हैं, रिपब्लिकन कानून ला रहे हैं, रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर बहुत कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वे उसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं, यह सुझाव मैंने दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया, जो कोई भी देश जो रूस के साथ व्यापार करेगा, उसे बहुत कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। हम इसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जो दुनिया में सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। इसमें रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। सांसद लिंडसे ग्राहम द्वारा पेश किए गए एक विधेयक में रूसी तेल की द्वितीयक खरीद और पुनः बिक्री पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

प्रस्ताव को अमेरिकी संसद का समर्थन

इस प्रस्ताव को संसद की विदेश संबंध समिति में लगभग सर्वसम्मत समर्थन मिला है। ग्राहम और सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने संयुक्त रूप से रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025 पेश किया है, जिसका उद्देश्य उन देशों पर द्वितीयक शुल्क और प्रतिबंध लगाना है जो यूक्रेन में पुतिन के बर्बर युद्ध को जारी रखने के लिए धन मुहैया कराते हैं। इस प्रस्तावित कानून के संसद में 85 सह-प्रायोजक हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो से बात करेगा अमेरिका

वेस्ट पाम बीच। अमेरिका के सबसे उन्नत विमानवाहक पोत की तैनाती के जरिए वेनेजुएला के पास सैन्य उपस्थिति बढ़ाए जाने के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के साथ बातचीत कर सकता है। ट्रंप ने मादुरो के साथ संभावित चर्चा के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी लेकिन उन्होंने कहा कि वेनेजुएला बातचीत करना चाहेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादक पदार्थों के परिवहन के संदेह में पोतों के खिलाफ कई सैन्य हमले किए हैं। अमेरिकी नौसेना ने एक बयान जारी कर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड और अन्य युद्धपोतों की तैनाती की घोषणा की। अमेरिकी प्रशासन इसे मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान के लिए महत्वपूर्ण मानता है लेकिन इसे मादुरो के विरुद्ध दबाव बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप से रविवार को पूछा गया कि उनकी इस बात का क्या मतलब है कि मादुरो बातचीत करना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि इसका क्या मतलब है? आप ही बताइए, मुझे नहीं पता। अमेरिका के 'ऑपरेशन सदर्न स्पीयर' मिशन के तहत नौसेना के लगभग एक दर्जन पोत और लगभग 12,000 नाविक और मरीन क्षेत्र में तैनात किए गए हैं।

कोर्ट का फैसला पक्षपातपूर्ण व राजनीति से प्रेरित : शेख हसीना

- बांग्लादेश अपराध न्यायाधिकरण ने सुनाई है मौत की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा उन्हें मौत की सजा सुनाए जाने के फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। हसीना ने न्यायाधिकरण के फैसले के बाद जारी एक बयान में कहा न्यायाधिकरण में धांधली की गई थी और इसे बिना किसी लोकतांत्रिक जनादेश वाली अनिर्वाचित सरकार द्वारा चलाया जा रहा था।

मेरे खिलाफ सुनाए गए फैसले एक धांधली वाले न्यायाधिकरण के हैं और पक्षपातपूर्ण तथा राजनीति से प्रेरित हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की घरेलू युद्ध अपराध अदालत, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कार्रवाई के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। मानवता के खिलाफ विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराई गईं हसीना पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया और वह फिलहाल भारत में निर्वासन में हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने स्थिति पर नियंत्रण खो दिया है लेकिन जो हुआ उसे नागरिकों पर पूर्व-नियोजित हमला नहीं कहा जा सकता। निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमे का सामना करने की अपनी इच्छा दोहराते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने आरोपों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरती जहां सबूतों का निष्पक्ष रूप से मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। बांग्लादेश अवामी लीग की नेता ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में निष्प्रभावी करने के लिए मौत की सजा को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। हसीना को सजा सुनाए जाने के बाद उनके समर्थकों ने राजधानी ढाका में विरोध प्रदर्शन किया

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद राजधानी ढाका में सुरक्षा के लिए तैनात सैन्य बल।

संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से की अपील

हसीना ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को दिए कई साक्षात्कारों में सभी आरोपों का खंडन किया और बताया कि प्रदर्शनकारियों को मारने के लिए इस्तेमाल की गई गोलियों की क्षमता बांग्लादेश पुलिस द्वारा इस्तेमाल की गई गोलियों से अलग थी। कई विश्लेषकों ने संकेत दिया है कि ये गोलियां स्नाइपर्स द्वारा चलाई गई हो सकती हैं। हसीना की कानूनी टीम ने निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों और उचित प्रक्रिया के अभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला देते हुए न्यायेतर, मनमाने ढंग से की गई फांसी के मामलों में संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से अपील की है।

टाइम्स स्क्वायर पर दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- प्रवासी भारतीय समुदाय ने मनाया साड़ी गोज ग्लोबल जश्न

यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर में भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों की महिलाओं ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान साड़ी की खूबसूरती, विरासत, कलात्मकता और समुदाय के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न मनाया। इस दौरान रंग-बिरंगी और विभिन्न शैलियों की साड़ियां इस लोकप्रिय स्थल पर छा गईं।

साड़ी गोज़ ग्लोबल कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का आयोजन रविवार को न्यूयॉर्क स्थित परोपकारी संगठन उमा ग्लोबल ने न्यूयॉर्क के भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया।

उमा ग्लोबल द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस वर्ष के उत्सव में भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन, वेस्ट इंडीज, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, अमेरिका के कई शहरों और स्थानीय न्यूयॉर्क निवासियों ने हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में काउंसलर (चांसरी प्रमुख) प्रज्ञा सिंह ने साड़ी के गहन सांस्कृतिक इतिहास और विविधता पर प्रकाश डाला।

यूक्रेन फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा

पेरिस। यूक्रेन ने फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए अभिरुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। पेरिस स्थित यूक्रेन के दूतावास और फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने बताया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने सोमवार को एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन राफेल विमानों सहित फ्रांसीसी रक्षा उपकरण खरीदने पर विचार कर रहा है।

भारत-चीन के बीच लंबे समय से जमी बर्फ पिघली

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेना प्रमुख बोले-सीमा पर स्थिति में बड़ा बदलाव आया

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा है कि भारत और चीन के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर निरंतर बातचीत से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति में काफी सुधार हुआ है और लंबे समय से जमी बर्फ पिघली है। सेना प्रमुख ने कहा कि भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले एक वर्ष में 1100 बार जमीनी स्तर पर बातचीत हुई है और इनके अच्छे परिणाम मिले हैं।

जनरल द्विवेदी ने सोमवार को यहां 'चाणक्य रक्षा संवाद' के उद्घाटन कार्यक्रम में सवालों के जवाब में कहा, मैं कहना चाहूँगा कि पिछले एक साल में काफ़ी प्रगति हुई है। अक्टूबर 2024 से लेकर आज तक हमारे संबंधों में काफ़ी सुधार हुआ है। यह सुधार इसलिए हुआ है क्योंकि हमने अपने राजनीतिक नेताओं के साथ काफ़ी बातचीत की है। और दोनों ही इस बात पर आश्वस्त थे कि हम वहां जितनी सामान्य स्थिति लाएंगे, दोनों देशों के लिए उतना ही बेहतर होगा।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि अगर आप देखें, तो पिछले एक साल में, हमने लगभग 1,100 ज़मीनी स्तर की बातचीत की है। यानी, हर दिन लगभग तीन बातचीत हुई हैं। तो इसका मतलब है कि ज़मीनी स्तर पर हमारी बातचीत, पहले सिर्फ़ कोर कमांडर स्तर पर होती थी। अब हम इसे बटालियन कमांडर, कंपनी कमांडर स्तर, और फिर ज़मीनी कमांडर तक ले आए हैं। तो इसका क्या फ़ायदा? कई चीज़ें ऐसी होती हैं कि अगर हम ऊपरी स्तर पर जाते हैं, तो हम मुश्किल में पड़ जाते हैं। लेकिन अगर हम निचले स्तर पर जाते हैं, तो उनका हमेशा समाधान हो जाता है। इसलिए हमारी कोशिश यही है कि हम इस मामले का बोझ न बनें। जितना हम ज़मीनी स्तर पर हल कर सकते हैं, उतना हम कर सकते हैं।" जनरल द्विवेदी ने कहा कि बातचीत की प्रवृत्ति से निचले स्तर पर ही समस्याओं का समाधान हो रहा है लेकिन बड़े फैसले अभी भी उच्च स्तर पर ही लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े फैसले अभी भी हमारे उच्च स्तर पर लिए जाएंगे। तो सबसे बड़ी बात जो हो रही है, वह यह है कि हम ज़मीनी स्तर पर जो समाधान खोज रहे हैं, उसके साथ जो हुआ है, वह यह है कि दोनों पक्षों में बातचीत करने की प्रवृत्ति है। दोनों पक्षों, क्योंकि ऊपर से भी निर्देश हैं, कि बातचीत में, जितना हल हो सके, जितना समाधान मिल सके, उसे भी खोजने की कोशिश करें।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवदी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 07.12 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

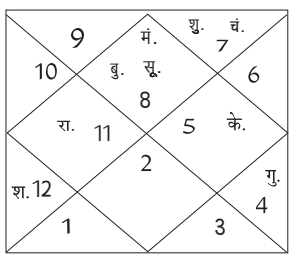

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-स्वाती पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज धार्मिक अनुष्ठानों में आप रुचि ले सकते हैं। किसी घटना को लेकर मन व्यथित हो सकता है। आप थोड़े नकारात्मक मूड में हो सकते हैं। बदहजमी और गैस की शिकायत हो सकती है। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें।

वृष — आज अपने मन की करें। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। दूसरों से अधिक सलाह न लें। मित्रों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज फाइनेंस संबंधी कार्यों को लेकर परेशानी होगी। महत्वपूर्ण पेपर्स को संभालकर रखें। रिश्तेदारों की चिंता हो सकती है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क — आज आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। कमीशन संबंधी कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है।

सिंह — आज आपको यात्रा नहीं करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचें। किसी परिजन को लेकर चिंता रहेगी। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

कन्या — आज अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। अचानक पुराने मित्रों से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे।

तुला — आज आपको पहले किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच आपका सामर्थ्य बढ़ेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे और आप से किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय भी लेंगे।

वृश्चिक — आज पुराना लोन चुका सकते हैं। बिना मांगे किसी को राय देने से बचें। पिता को लेकर चिंता हो सकती है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी को दिया हुआ वचन पूरा करें।

धनु — आज दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। घर में अकेलापन और बोरियत जैसा महसूस हो सकता है। अधिक काम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं।

मकर — आज व्यवसाय में आपका मन लगेगा। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ने वाला है। आप छुट्टी के मूड में हो सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। ससुराल से मान-सम्मान प्राप्त होगा। सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित करने का प्रयास करें।

मीन — आज नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। विद्यार्थियों को उन्नति के नए मार्ग मिलेंगे। आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। सेहत का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दी की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-164

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					1		3	
		4						
				7				
								1
2								
					2			
			7					
							6	
	5							

सुडोकू - 163 का हल

9	7	1	2	3	4	8	5	6
6	3	5	1	9	8	2	4	7
2	8	4	6	5	7	9	3	1
1	2	3	4	6	9	5	7	8
4	9	7	5	8	1	6	2	3
8	5	6	3	7	2	1	9	4
7	1	2	9	4	6	3	8	5
5	6	8	7	2	3	4	1	9
3	4	9	8	1	5	7	6	2

घरेलू मैदान पर हर कोई भारत से जीत की उम्मीद करता है। शुभमन गिल पर काफी अधिक दबाव है। वह में सभी प्रारूपों का कप्तान बनने की क्षमता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत के पास अब सभी प्रारूपों में एक अलग कप्तान होना चाहिए।

-अभिनव मुकुंद

स्टेडियम

मुरादाबाद, मंगलवार 18 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रधानमंत्री ने तीरंदाजी टीम की तारीफ की

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये भारतीय तीरंदाजी टीम को बधाई दी। मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय टीम ने छह स्वर्ण समेत दस पदक जीते और रिकर्व पुरूष वर्ग में 18 साल बाद ऐतिहासिक स्वर्ण जीता। उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस यादगार प्रदर्शन से देश भर में अनगिनत उदीयमान खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

एयर पिस्टल में अनुया प्रसाद ने स्वर्ण जीता

नई दिल्ली : युवा अनुया प्रसाद और प्रांजलि प्रशांत धूमल ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक में सोमवार को महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया। अनुया ने अपने जन्मदिन पर बधिर फाइनल विश्व रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया जबकि प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल में जगह बनाई थी। पुरुषों की दस मीटर एयर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और रजत पदक जीता। भारत के दूसरे दिन निशानेबाजी में सात पदक हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन आज से

सिडनी : भारत की शीर्ष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से सिडनी में शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में वापसी करते हुए इस सीजन का अपना पहला खिताब जीतने मैदान में उतरेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में सातवें स्थान पर मौजूद सात्विक और चिराग बीडब्ल्यूएफ 2025 वर्ल्ड टूर में अपने 14 मुकाबलों में से आठ में सेमीफाइनल तक पहुंचे, लेकिन इस सीजन में अपने किसी भी अच्छे प्रदर्शन को खिताब में नहीं बदल पाए हैं। भारतीय जोड़ी ने साल की शुरुआत में हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी, पर दोनों ही मौकों पर उन्हें उपविजेता से संतोष करना पड़ा था।

कोलकाता में हार के बाद उठे सवाल

क्या घरेलू पिच को लेकर एकमत हैं शुभमन और गंभीर? गिल बोले थे- टीम 'टर्निंग' नहीं, अच्छी पिच चाहती है

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 30 रन से भारत की शर्मनाक हार के बाद उपजे पिच विवाद के बीच बड़ा सवाल यह है कि युवा कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर क्या आदर्श घरेलू पिच को लेकर एक राय हैं? लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के अपनी सरजमीं पर न्यूनतम स्कोर पर सिमटने के बाद कई सवाल उठने लगे हैं।

एक महीना पहले ही अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने कहा था कि टीम अब 'टर्निंग' नहीं बल्कि अच्छी पिच पर खेलना चाहती है। उन्होंने कहा था हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जिनसे गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद मिले। इसके बावजूद भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट ऐसी पिच पर खेला जो उसके ठीक विपरीत थी जिसकी कप्तान गिल ने पैरवी की थी।

ईडन गार्डंस की पिच पर एक सप्ताह से अधिक पानी नहीं दिया गया था और कवर के भीतर रखी गई थी। पिच पूरी तरह से सूखी थी और पहले ही सत्र से टूटने लगी थी।

कोलकाता टेस्ट से पहले कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने किया था पिच का निरीक्षण। फाइल फोटो

इस पिच पर 38 विकेट गिरे जिनमे स्पिनरों ने 22 और तेज गेंदबाजों ने 16 विकेट लिए।

गंभीर ने हालांकि मैच के बाद कहा था कि पिच वैसी ही थी जैसी टीम प्रबंधन ने चाही थी। उन्होंने कहा अगर आप अच्छा नहीं खेलते तो क्या होगा। विकेट में कोई खराबी नहीं थी। अगर हम जीत गए होते तो पिच पर सवाल ही नहीं उठते। कप्तान गिल पहले ही दिन गर्दन में ऐंठन के कारण बाहर हो गए थे जिनकी गैर मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी में अनुशासन नजर नहीं आया। भारत ने अपनी सरजमीं पर पिछले छह में से चार टेस्ट गंवाये हैं जिससे अपनी धरती पर अजेय रहने की उसकी छवि को ठेस पहुंची है।

गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 में से आठ टेस्ट जीते हैं जिनमे से चार बांग्लादेश और वेस्टइंडीज जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ जीते। भारतीय टीम के कोलकाता आने के बाद से पिच पर फोकस बना हुआ था। क्यूरेटर सुजन मुखर्जी से लगातार बैठकें होती रही। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2001 में हुए मैच में लक्ष्मण. द्रविड़ . के चमत्कारिक प्रदर्शन के साक्षी रहे ईडन की पिच पर हरभजन सिंह भी भड़के हुए हैं।

चेतेश्वर पुजारा ने टीम के बदलाव के दौर से गुजरने की बात को खारिज करते हुए कहा अपने देश में हार स्वीकार्य नहीं है। बदलाव का दौर हो या नहीं।

गिल का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

कोलकाता : भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के सूत्रों ने पुष्टि की कि वह बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी नहीं जाएंगे। टीम का मंगलवार को वैकल्पिक ट्रेनिंग सत्र होगा। सूत्र ने पीटीआई से कहा उन्हें गर्दन में तेज दर्द है और हमें चोट के बारे में और विस्तार से बताने की अनुमति नहीं है। उन्हें गर्दन का कॉलर पहनना जारी रखना होगा। सूत्र ने कहा उन्हें तीन-चार दिन आराम करने और हवाई यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है। इस स्थिति में उन्हें गुवाहाटी जाने की सलाह नहीं दी गई है। लेकिन हम उनकी प्रगति पर नजर रख रहे हैं और मंगलवार तक तस्वीर साफ हो जाएगी। भारतीय टीम को शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए बुधवार को गुवाहाटी रवाना होना है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गिल की अब भी जांच की जा रही है और फिजियो तथा मेडिकल स्टाफ द्वारा एक और दौर का मूल्यांकन किया जाना है।

टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद किया जा रहा: हरभजन

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व स्पिनर ने गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच तैयार करने को विनाशकारी बताया

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ईडन गार्डंस जैसी कम तैयार और गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच को 'टेस्ट क्रिकेट का विनाश' करार देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति खिलाड़ियों के वास्तविक विकास में बाधा डालती है। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा उन्होंने जिस तरह का काम किया है, जिस तरह की पिचें इतने वर्षों से बनाई जा रही हैं, मैं उसे देखता आ रहा हूं। कोई इसके बारे में बात नहीं करता क्योंकि जब टीम जीत रही होती है तो सब ठीक लगता है। कोई विकेट ले रहा होता है और कोई विकेट लेकर महान बन रहा है। उन्होंने कहा ऐसे में सबको लगता है कि सब ठीक चल रहा है। यह चलन अभी से शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चला आ रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का गलत तरीका है। इस मैदान पर 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के दौरान 13 विकेट झटकने वाले हरभजन ने कहा कि अब इस मुद्दे पर विचार करने का समय आ गया है क्योंकि ऐसी पिचें खिलाड़ियों के विकास में योगदान नहीं देतीं। उन्होंने कहा आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप बस चक्की में बंधे बैल की तरह चक्कर लगा रहे हैं। आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई वास्तविक लाभ नहीं है। एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं।

भारत के लिए 103 टेस्ट में 417 विकेट लेने वाले हरभजन ने कहा यह इस बात पर विचार करने का समय है कि ऐसी पिचें आपको कहां लेकर जा रही है। यहां आपके बल्लेबाजों को यह नहीं पता होता है कि रन कैसे बनाने है और वह ऐसे दिख रहे हैं जैसे उन्हें बल्लेबाजी करना ही नहीं आता।

उत्तर प्रदेश के सामने तमिलनाडु की कड़ी चुनौती

चेन्नई, एजेंसी

नवोदित जी अजितेश ने तेज तर्रार 86 रनों की पारी की बदौलत तमिलनाडु ने एलीट ग्रुप ए रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के दूसरे दिन सोमवार को 455 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

दिन का खेल समाप्त होने के समय उत्तर प्रदेश ने अभिषेक गोस्वामी (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी के दम पर एक विकेट पर 87 रन बना लिए है। तमिलनाडु ने कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेला शुरु किया। कल के शतकवीर बाबा इंद्रजीत ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में केवल 21 रन जोड़े, लेकिन उनके आउट होने से पहले अजितेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 86 रन बनाये और तमिलनाडु की टीम 136.3 ओवर में 455 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे पहले आज सुबह के सत्र में इंद्रजीत के साथ आए सोनू यादव ने अपने वरिष्ठ साथी का शानदार साथ दिया और दोनों ने छठे विकेट के लिए 10वें ओवर में 49 रन जोड़े। हालांकि, जब उनकी साझेदारी ने गति पकड़नी शुरू की, तो 128 रन पर खेल रहे इंद्रजीत, नवोदित बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक यादव की गेंद पर आउट हो गए। कार्तिक यादव ने पांच विकेट लिए। इस दौरान इंद्रजीत ने अब प्रथम श्रेणी क्रिकेट में छह हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 88 मैचों की 132 पारियों में हासिल की है, जिसमें 17 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं, जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ 200 रन रहा है।

सिद्धेश लाड के 170 रन के बाद शार्दुल के तीन विकेट से मुंबई ने पुडुचेरी पर कसा शिकंजा

मुंबई : सिद्धेश लाड की करियर की सर्वश्रेष्ठ 170 रन की पारी के बाद कप्तान शार्दुल ठाकुर के तीन विकेट से मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी पांच विकेट पर 630 रन पर घोषित करने के बाद 43 रन तक पुडुचेरी के चार विकेट चटकाकर दबदबा कायम किया। ठाकुर ने 32 गेंद में 56 रन (रिटायर हार्ट) की आक्रामक पारी खेलने के बाद पुडुचेरी की पारी के शुरुआती तीन गेंद में दो विकेट झटके और दिन का खेल खत्म होते समय उनका आंकड़ा 17 रन पर तीन विकेट था।

- रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए में 455 रनों के जवाब में उप्र ने एक विकेट पर बनाए 87 रन

मार्करम ने टीम में बनाए रखने के लिए एलएसजी का जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम का मानना है कि आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को चीजों को ज्यादा जटिल बनाने की जरूरत नहीं है और उन्हें अगले साल अहम मौकों को भुना कर जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एलएसजी ने अगले महीने होने वाली छोटी नीलामी से पहले दाएं हाथ के बल्लेबाज मारक्रम को टीम में बरकरार किया है।

मार्करम ने 2025 सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों सहित 445 रन बनाए थे। उन्होंने ने एलएसजी के 'एक्स' पर साझा किये गये वीडियो में कहा यह बहुत अच्छा है। मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रेंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने कुछ अच्छे दोस्त बनाये और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। ऐसे में मैं रिटेन किए जाने के लिए बहुत आभारी हूं और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र का इंतजार कर रहा हूं। एलएसजी पिछले सत्र में छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रही थी।

मार्करम ने अगले सत्र की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वाकई अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि पिछले सत्र में हम बहुत पीछे थे। हम अगर कुछ अहम मौके को भुनाने में सफल रहते तो नतीजे अलग होते। उन्होंने कहा हम नॉकआउट में जगह बनाने के काफी करीब थे। मुझे लगता है कि हमने जो अच्छा किया है, उसे दोहराने की कोशिश करनी चाहिए और कुछ और मुश्किल मौकों को अपने पक्ष में करना चाहिये। मार्करम टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई द. अफ्रीका टीम का हिस्सा है।

राजस्थान रॉयल्स ने संगकारा को फिर से कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली : भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका भी निभा रहे थे। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट किया क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइज़ी में लौटे थे। टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की संरचनात्मक समीक्षा के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी।

सिनर उपाधि बचाने में सफल

एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताब के साथ इटली के यानिक सिनर(दाएं) व स्पेन के कार्लोस अल्काराज। एजेंसी

तूरिन, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा।

यह इस साल पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच छठी भिड़ंत थी। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब का बचाव किया, जो इस वर्ष अल्काराज पर उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने विंबलडन फाइनल में भी इस स्पेनिश खिलाड़ी को हराया था। इस साल दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर ने कहा, ''यह सत्र अविश्वसनीय रहा। इटली के अपने प्रशंसकों के सामने इस तरह से इसे समाप्त करना मेरे लिए बहुत ख़ास है। अल्काराज़ ने पहले ही वर्ष के अंत में नंबर एक रैंकिंग अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। वह वर्ष के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेली गई इस प्रतियोगिता में अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। अल्काराज अभी भी सिनर के साथ अपने करियर मुकाबलों में 10-6 से आगे हैं। सिनर और अल्काराज़ पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फ़ाइनल में आमने-सामने रहे हैं।

- एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में अल्काराज को हराया

मुझे उम्मीद है कि आप (सिनर) अगले साल के लिए तैयार रहोगे क्योंकि मैं आपके खिलाफ और अधिक फाइनल खेलने के लिए तैयार रहूंगा।

-कार्लोस अल्काराज़

अल्काराज़ ने सिनर को पांचवें सेट के टाईब्रेकर में हराकर फ्रेंच ओपन जीता। सिनर ने विंबलडन में बदला चुकता किया लेकिन अल्काराज़ अमेरिकी ओपन के फाइनल में फिर से जीत हासिल करने में सफल रहे। इस बीच युगल फाइनल में हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 7-5, 6-3 से हराया।

पुर्तगाल और नार्वे ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

लिस्बन, एजेंसी

पुर्तगाल और नार्वे ने आसान जीत के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप 2026 में रिकॉर्ड 48 टीमें भाग लेंगी।

पुर्तगाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अनुपस्थिति के बावजूद आर्मेनिया को 9-1 से हराकर इस दिग्गज फुटबॉलर को रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप में खेलने का मौका दिलाया। रोनाल्डो निलंबन के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। नॉर्वे ने चार बार के विश्व कप चैंपियन इटली को 4-1 से हराया। यह नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी एर्लिंग हॉलैंड का पहला विश्व कप होगा। कुल 43 टीमें महाद्वीपीय क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों के जरिए विश्व कप में जगह बनाएंगी। अन्य दो टीमें मार्च में मैक्सिको में होने वाले छह टीमों वाले अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ़ से अपनी जगह पक्की करेंगी। तीनों मेज़बान देश स्वतः ही विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित कर चुके हैं।

जीत के बाद जश्न मनाते नार्वे के खिलाड़ी। एजेंसी

फिडे विश्व कप में अर्जुन ने ड्रॉ खेला

पणजी। अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने की कोशिश में जुटे भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने फिडे शतरंज विश्व कप के क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में चीन के वेइ यि से ड्रॉ खेला। वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर डोंचेंको के लिये मुश्किलें खड़ी होती दिख रही है क्योंकि नोदिरबेक याकूबोएव ने सफेद मोहरों से पहला मुकाबला जीता।

अगर वह दूसरा मुकाबला ड्रॉ कराते हैं तो सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। अर्जुन ने शुरूआत अच्छी की और लय बनाए रखी। दोनों खिलाड़ियों ने 31 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई। उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज से ड्रॉ खेला। वहीं अमेरिका के सैमुअल शैंकलैंड और रूस के आंद्रेइ एसिपेंको का मुकाबला भी ड्रॉ रहा।

विश्व निशानेबाजी | 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में जीता रजत पदक, भारत तीसरे स्थान पर रहा

गुरप्रीत वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड चूके

काहिरा, एजेंसी

ओलंपियन गुरप्रीत सिंह पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनने के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव से इनर 10 (10 अंक का अंदरूनी हिस्सा) के अधार पर हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह विश्व चैंपियनशिप में गुरप्रीत का दूसरा व्यक्तिगत पदक है। उन्होंने इससे पहले 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में ही रजत पदक जीत था।

भारत तीन स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा। चीन ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक

जीते। दक्षिण कोरिया ने सात स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक से दूसरा स्थान हासिल किया। गुरप्रीत ने दो दिन की प्रतियोगिता में प्रिसिजन और रेपिड चरणों में कुल 584 अंक जुटाए जिसमें 18 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में रहे। कोरोस्टाइलोव ने 29 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में मारे। उन्होंने अंतिम रेपिड दौर में 100 का परफेक्ट स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। गुरप्रीत प्रिसिजन चरण के बाद 288 अंक (95,97,96) के साथ नौवें स्थान पर थे लेकिन दूसरे दिन वापसी करते हुए रेपिड चरण में 296 (98,99,99) का शानदार स्कोर बनाकर रजत पदक जीता। प्रिसिजन चरण के बाद 291 अंक के साथ शीर्ष रह मौजूद रहे यूक्रेन के निशानेबाज ने रेपिड चरण में 293 अंक हासिल करके गुरप्रीत के स्कोर की बराबरी की और 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर खिताब जीता। प्रिसिजन चरण में हरप्रीत सिंह 291 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए पदक की दौड़ में थे लेकिन रेपिड चरण में 286 अंक ही बना पाए और नौवें स्थान पर रहे। एक अन्य भारतीय निशानेबाज साहिल चौधरी कुल 561 अंक (प्रिसिजन - 272 और रेपिड - 289) के कुल स्कोर के साथ 28वें स्थान पर रहे।

सम्राट, रविंदर ने जीता स्वर्ण पदक

भारत के लिए सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल) और रविंदर सिंह (50 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल टीम) ने स्वर्ण पदक जीते। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन पुरुष), अनीश भानवाला (25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल), गुरप्रीत सिंह (25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल), ईशा सिंह और सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम, 10 मीटर महिला एयर पिस्टल टीम और 50 मीटर पुरुष स्टैंडर्ड पिस्टल टीम) ने रजत पदक हासिल किए। ईशा (25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल), इलावेनिल वलारिवान (10 मीटर एयर राइफल), वरुण तोमर (10 मीटर एयर पिस्टल) ने लिए कांस्य जीते।